सास भी कभी बहू थी और तुलसी का किरदार सिर्फ ट्रेंड नहीं, बना परंपरा- स्मृति ईरानी

तापमान- अधिकतम- 33.00
न्यूनतम- 25.00

रॉयल बुलेटिन

प्रातःकालीन हिन्दी दैनिक

संजोग गुप्ता आईसीसी के नए सीईओ नियुक्त

◆ वर्ष 41, अंक 187 RNI No. 43285/85 ◆ संस्करण - नगर ◆ मुजफ्फरनगर, बुधवार, 9 जुलाई, 2025 ◆ आषाढ शुक्ल 14 विक्रमी सम्वत् 2082 ◆ पृष्ठ 8+4=12 ◆ मूल्य 4 रुपया

जलालउद्दीन की गतिविधियां समाज विरोधी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी

- सीएम योगी ने दिया साफ संदेश, छांगुर बाबा के घर पर हुआ बुलडोजर एक्शन

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के बलरामपुर में बैठकर अवैध धर्मांतरण का रैकेट चलाने वाले जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के

खिलाफ धड़ाधड़ एक्शन हो रहे हैं। पहले छांगुर बाबा और उसके सहयोगी नसरीन को पुलिस ने अरेस्ट किया। अब छांगुर बाबा के आलीशान घर को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है जांच में सामने आया है कि आरोपी की गतिविधियां समाज विरोधी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं।

केरल हाईकोर्ट से लाइबेरियाई जहाज की जब्ती का आदेश

- कहा-मुआवजा मिलने पर ही छोड़ें, एक अन्य शिप डूबा था, केरल का 9500 करोड़ का दावा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने सोमवार को लाइबेरियाई जहाज अकीकेता 2 को जब्त करने का आदेश दिया। यह शिप लाइबेरियाई जहाज एल्सा 3 का सहयोगी था,

जो 25 मई को कोच्चि के तट पर डूब गया था। दोनों जहाज मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी के हैं। एल्सा 3 डूबने से हुए पर्यावरणीय और आर्थिक नुकसान पर केरल सरकार ने 9531 करोड़ रुपए के मुआवजे की याचिका लगाई थी।

हिंदी-मराठी विवाद

निशिकांत के हमलों पर महाराष्ट्र में अब जुबानी 'संग्राम'

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हिंदी-मराठी भाषा विवाद के बीच बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के बयान को लेकर सियासत गर्मा गई है। झारखंड से बीजेपी के सांसद ने एक्स पर

लिखा था कि हिंदी भाषी लोगों को मुम्बई में मारने वाले यदि हिम्मत है तो महाराष्ट्र में उर्दू भाषियों को मार कर दिखाओ । अपने घर में तो कुत्ता भी शेर होता है। कौन कुत्ता कौन शेर खुद ही फैसला कर लो। उनके इस बयान पर शरद पवार की पार्टी के नेता रोहित पवार ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। शिवसेना यूबीटी के प्रमुख और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने निशिकांत दुबे की तुलना लकड़बग्घे से की थी।

न कोई सिलेबस, न परीक्षाओं की झंझट, बस अभ्यास

- वैश्विक चर्चा में है एलन मस्क का यह अनोखा स्कूल
- न एग्जाम, न कोई नंबर, 1 घंटे की फीस 1.88 लाख

वाशिंगटन (एजेंसी)। शिक्षा को लेकर दुनिया की सोच बदलने वाले मशहूर बिजनेसमैन एलन मस्क अब स्कूलों की पारंपरिक सिस्टम को चुनौती दे रहे हैं। उनका नया और अनोखा प्रयोग है-एस्ट्रा नोवा, एक ऐसा ऑनलाइन प्रैक्टिकल स्कूल, जो पूरी दुनिया में तेजी से चर्चा का विषय बन रहा है। इस स्कूल का मकसद है बच्चों को सिर्फकिताबों तक सीमित न रखकर, उन्हें विचारों की स्वतंत्रता देना, समस्या-समाधान (प्रॉब्लम सॉल्विंग) की आर्ट सिखाना और असली दुनिया से जोड़ना। दुनिया के मशहूर उद्यमी एलन मस्क के समर्थन

से शुरू हुआ एस्ट्रा नोवा स्कूल अब वैश्विक चर्चा में है। यह स्कूल न तो पारंपरिक शिक्षा प्रणाली का हिस्सा है और ना ही इसके सिलेबस में नंबरों या परीक्षाओं का झंझट है। यह एक पूरी तरह ऑनलाइन स्कूल है, जो बच्चों को अभ्यास-आधारित और अवधारणा-केन्द्रित शिक्षा प्रदान करता है। एस्ट्रा नोवा में 10 से 15 साल के बच्चे दाखिला ले सकते हैं। मुख्य कार्यक्रम 12 से 15 वर्ष के छात्रों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिसमें बीजगणित, ज्यामिती और प्री कलकुलस जैसे विषय शामिल हैं। इसके अलावा, छात्र एक विशेष पाठ्यक्रम 'द आर्ट ऑफ प्रॉब्लम सॉल्विंग' में भाग लेते हैं, जो तार्किक सोच, क्रिएटिविटी और वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने की क्षमता को निखारता है। यहां एक घंटे की फीस 1.88 लाख रुपए है।

देश भर के 25 करोड़ कर्मचारी आज हड़ताल पर

- ट्रेड यूनियन्स का बड़ा दावा, केन्द्र की नीतियों का करेंगे विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। बैंक, बीमा, डाक, कोयला खनन, हाईवे, निर्माण, और कई राज्यों में सरकारी परिवहन जैसी अहम सेवाएं कल यानी 9 जुलाई को प्रभावित हो सकती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि 10 केंद्रीय

ट्रेड यूनियनों और उनके सहयोगी संगठनों का दावा है कि कल 25 करोड़ से ज्यादा कर्मचारी देशव्यापी हड़ताल पर रहेंगे। इस हड़ताल का मकसद केंद्र सरकार की उन नीतियों का विरोध करना है, जिन्हें यूनियनें मजदूर-विरोधी, किसान-विरोधी और कॉरपोरेट समर्थक मानती हैं। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस के अमरजीत कौर ने कहा- 25 करोड़ से ज्यादा वर्कर इस हड़ताल में शामिल होने वाले हैं। किसान और ग्रामीण मजदूर भी इस प्रदर्शन का समर्थन करेंगे। इसमें बैंक, डाक, कोयला खनन, बीमा, परिवहन, फैक्ट्रियां और निर्माण जैसे कई सेक्टरों के कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा, किसान और ग्रामीण मजदूर भी इस विरोध में शामिल होंगे।

पुलवामा अटैक के लिए अमेजन से खरीदा गया था विस्फोटक

फैट की रिपोर्ट में बड़ा दावा, पे-पल से हुआ आतंकियों को पेमेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में आतंकी फंडिंग पर नजर रखने वाली संस्था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (फैट) ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है कि 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में इस्तेमाल किया गया विस्फोटक पदार्थ ई-कॉमर्स वेबसाइट अमेजन से खरीदा गया था। रिपोर्ट में यह बताया गया है कि किस तरह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए किया जा रहा है। फैट ने इस रिपोर्ट में 2022 के गोरखनाथ मंदिर हमले का भी जिक्र किया है। इन दोनों मामलों को उदाहरण के तौर पर पेश करते हुए संगठन ने आगाह किया है कि ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान सेवाएं अगर गलत हाथों में जाएं तो वे आतंक को बढ़ावा देने का माध्यम बन सकती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकी संगठन अब पारंपरिक फंडिंग तरीकों के साथ-साथ डिजिटल माध्यमों जैसे ऑनलाइन पेमेंट, गेमिंग प्लेटफॉर्म्स, सोशल मीडिया और ई-कॉमर्स साइट्स का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। फैट ने दुनिया भर की सरकारों और डिजिटल कंपनियों को चेतावनी दी है कि वे इन प्लेटफॉर्म्स के दुरुपयोग को रोकने के लिए ठोस उपाय करें, क्योंकि ये अब आतंकी संगठनों के लिए एक नया और प्रभावशाली जरिया बनते जा रहे हैं।

फैट की इस रिपोर्ट का नाम 'कॉम्प्रिहेंसिव अपडेट ऑन टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क' है। 131 पेज की यह रिपोर्ट बताती है कि कैसे आतंकवाद की फंडिंग के तरीके बदल रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बहुत से देशों में आतंकवाद की फंडिंग को समझने और रोकने की क्षमता में अब भी बड़ी कमियां हैं, और अगर इन्हें समय पर ठीक नहीं किया गया तो आतंकी संगठन मौजूदा कमजोरियों का फायदा उठाते रहेंगे। इसमें यह बताया गया है कि किस तरह आतंकी संगठन अंतरराष्ट्रीय फाइनेंशियल सिस्टम का इस्तेमाल अपनी गतिविधियों को जारी रखने और हमले करने के लिए करते हैं। इस रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि आतंकवाद से जुड़ी फंडिंग की रणनीतियां एक जैसी नहीं होतीं, बल्कि अलग-अलग जगहों पर, अलग परिस्थितियों के हिसाब से अलग तरीके अपनाए जाते हैं। 14 फरवरी 2019 को सीआरपीएफ का एक काफिला श्रीनगर-जम्मू हाईवे से गुजर रहा था। ट्रक पुलवामा के पास पहुंचा था, तभी एक सुसाइड अटैकर 200 किलो विस्फोटक लदी मारुति ईको कार लेकर घुस गया। विस्फोट इतना तेज था कि सुरक्षाबलों को लेकर जा रही 2 बसों के परखच्चे उड़ गए। इसमें 40 जवान शहीद हुए थे। फैट की रिपोर्ट में बताया गया है कि हमले में इस्तेमाल हुआ विस्फोटक पदार्थ ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म अमेजन के जरिए खरीदा गया था। फैट की रिपोर्ट में दूसरा उदाहरण गोरखनाथ मंदिर पर 4 अप्रैल 2022 में हुए हमले का दिया गया। इसमें एक शख्स ने ने वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों पर धारदार दरांती से हमला किया था। इसमें जवान गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस घटना में दोषी शख्स मुर्तजा अब्बासी के पास से पुलिस को मजहबी किताब, धारदार हथियार, उसके मोबाइल और लैपटॉप से मिले जेहादी वीडियो आदि मिले थे।

बिहार में सरकारी नौकरी में डोमिसाइल पॉलिसी लागू

- पहले देश के दूसरे राज्य की महिलाओं को भी मिलता था

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने महिलाओं के लिए डोमिसाइल पॉलिसी लागू कर दी है। अब

सरकारी नौकरियों में महिलाओं को इसका फायदा मिलेगा। बिहार की बाहर की महिलाओं को जनरल कैटेगरी में जोड़ा जाएगा। पहले दूसरे राज्यों की महिलाओं को भी 35 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलता था। अब सिर्फ बिहार की महिलाओं को फायदा मिलेगा।

पटना में बिल्डर ने कराई गोपाल खेमका की हत्या

- आरोपी अशोक साह गिरफ्तार, कारोबारी विवाद बना वजह

पटना (एजेंसी)। बिहार के कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या बिल्डर अशोक साह ने कराई थी। दोनों के बीच

कारोबार को लेकर विवाद था। हत्या के लिए अशोक साह ने शूटर उमेश को हायर किया था। उमेश ने ही गोपाल खेमका को 4 जुलाई को घर के गेट पर गोली मारी थी। पुलिस ने सोमवार को बिल्डर अशोक साह, शूटर उमेश को गिरफ्तार किया।

प्लेन क्रैश की 26 दिन बाद आई शुरुआती जांच रिपोर्ट

- एएआईबी ने सरकार को सौंपी, फाइनल रिपोर्ट में 3 महीने लगेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने अहमदाबाद विमान हादसे के 26 दिन बाद प्राइमरी जांच रिपोर्ट मंगलवार को केंद्र सरकार को सौंपी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, प्राइमरी रिपोर्ट शुरुआती जांच में मिले सबूतों और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर तैयार की गई है। इससे पहले 28 जून को केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया था कि विमान हादसे की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है, जिसमें साजिश (सैबोटाज) की संभावना को भी खंगाला जा रहा है। वहीं, 3 महीने में विस्तृत जांच रिपोर्ट आ सकती है। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी।

इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। सिर्फ एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह इंजन फेलियर, फ्यूल सप्लाई की समस्या या कोई तकनीकी गड़बड़ी की वजह से हुआ। ब्लैक बॉक्स भारत में ही है, उसे विदेश नहीं भेजा जाएगा।

पंजाब के सभी लोगों को 10 लाख तक मुफ्त इलाज

- मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना लॉन्च, केजरीवाल रहे मौजूद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को

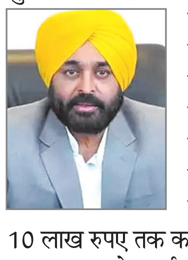

चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना लॉन्च की। इस योजना के तहत पंजाब के हर व्यक्ति के सेहत कार्ड बनाए जाएंगे। सेहत कार्ड से उन्हें 10 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। 2 अक्टूबर से कार्ड बनने शुरू हो जाएंगे। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि इस योजना में बड़े-बड़े अस्पताल शामिल हैं। लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

ब्राजीलिया में मोदी का इंडियन क्लासिकल डांस से स्वागत

ब्राजील के राष्ट्रपति से ट्रेड और डिफेंस पर बात, आज नामीबिया जाएंगे

ब्राजीलिया (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स समिट में शामिल होने के बाद मंगलवार को रियो डी जनेरियो से ब्राजील की राजधानी ब्राजीलिया पहुंचे। यहां पर उनका स्वागत शिव तांडव स्तोत्र और भारतीय शास्त्रीय नृत्य से किया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के साथ ट्रेड, डिफेंस, एनर्जी, स्पेस, टेक्नोलॉजी, खेती और हेल्थ समेत कई मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा की। भारतीय पीएम 2 जुलाई से 10 जुलाई तक 5 देशों की यात्रा पर हैं। अब तक वे घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना का दौरा कर चुके हैं। फिलहाल वे ब्राजील दौरे पर हैं और यहां से नामीबिया जाएंगे। पीएम मोदी के सम्मान में रंग-बिरंगे परिधानों में सजे कलाकारों ने पारंपरिक सांबा रेगे नृत्य की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर इसकी सराहना भी की। पीएम मोदी ने कहा कि यह प्रस्तुति ब्राजील के समृद्ध विरासत को दर्शाती है। पीएम मोदी ने इससे पहले सोमवार को ब्रिक्स सम्मेलन

में जलवायु सम्मेलन और वैश्विक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोगों और धरती का स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। मोदी ने कहा- कोरोना महामारी ने दिखा दिया कि बीमारी किसी पासपोर्ट या वीजा की मोहताज नहीं होती है।

एक देश-एक चुनाव संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं

- पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने संसदीय समिति को दी अपनी लिखित राय
- चुनाव आयोग की शक्तियों पर भी पूर्व चीफ जस्टिस ने जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं है। हालांकि, प्रस्तावित बिल में चुनाव आयोग (ईसीआई) को दी जाने वाली शक्तियों पर चिंता उन्होंने जताई है। पूर्व सीजेआई ने कहा कि इससे ईसीआई को विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाने या घटाने की शक्ति मिल सकती है। उन परिस्थितियों को परिभाषित किया जाना चाहिए जिनमें ईसीआई इस शक्ति का इस्तेमाल कर सकता है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने एक देश-एक चुनाव पर बनी संसदीय समिति को अपनी लिखित राय सौंपी है।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 17 दिसंबर, 2024 को लोकसभा में एक देश-एक चुनाव संविधान संशोधन बिल पेश किया था। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से बेहतर आर्थिक स्थिति वाली नेशनल पार्टियों के प्रभाव से क्षेत्रीय और छोटी पार्टियां हाशिए पर जा सकती हैं। इसके लिए चुनाव

अभियान में फाइनेंस से जुड़े नियमों को मजबूत किया जाना चाहिए। वहीं, पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई और पूर्व सीजेआई जेएस खेहर 11 जुलाई को समिति के साथ बिल पर चर्चा करेंगे। जस्टिस गोगोई इससे पहले मार्च में भी समिति के साथ बैठक कर चुके हैं। उस समय उन्होंने भी ईसीआई को बहुत ज्यादा अधिकार दिए जाने पर चिंता जताई थी। पूर्व सीजेआई यूयू ललित फरवरी में पेश हुए थे। उन्होंने भी चरणबद्ध तरीके से एक साथ चुनाव कराए जाने का समर्थन किया था। हालांकि, उन्होंने कहा था कि जिन विधानसभाओं का कार्यकाल ज्यादा बचा है, उनके समय को कम करने से कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, 2034 में अगर एक देश एक चुनाव की नीति लागू होती है तो सिर्फ ईवीएम की खरीदी के लिए ही 1.5 लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह राशि कितनी ज्यादा है,इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अनुमानतः एक लाख करोड़ खर्च हुए।

अनमोल वचन

चारों वेद, ग्यारह उपनिषद और छः शास्त्रों का अध्ययन कर और उसके पश्चात हमारे ऋषियों, मुनियो और मनीषियों ने हमें बताया कि परमात्मा है जो इस पूरे संसार का ही नहीं पूरे ब्रह्मांड का रचियता है, परमपिता है। ऐसा उन्होंने केवल इन शास्त्रों का अध्ययन करके ही नहीं कहा। उन्होंने पहले अनुभव किया तब कहा कि परमात्मा है। वह अनुभव हमें भी होना चाहिए। महाभारत युद्ध के समय अर्जुन को जब तक अनुभव नहीं हुआ तो वह कायरता को प्राप्त हो गया। वह रथ के पीछे बैठ गया। अर्जुन के रथ के सारथी योगीराज कृष्ण थे। अर्जुन अपने सारथी भगवान कृष्ण को कहने लगा कि मैं युद्ध नहीं करूंगा। मैं ऐसे रक्तरंजित राज्य का उपभोग कैसे करूंगा। मैं भीख मांगकर जीवन निर्वाह कर लूंगा, परन्तु युद्ध नहीं करूंगा। अर्जुन किकर्त्तव्य विमुढता को प्राप्त हो गया। तब भगवान कृष्ण ने समझाया कि आत्मा तो अमर है, अविनाशी है। जैसे आदमी पुराने वस्त्रों को त्याग कर नये वस्त्र धारण करता है वैसे ही आत्मा भी पुराने शरीर त्यागकर नये शरीर धारण करती है। उन्होंने अर्जुन को अपने विराट स्वरूप का दर्शन कराया। शत्रु सेना के सब शरीरों का साक्षात कराया। अर्जुन ने सच्चाई का अनुभव किया तभी वह युद्ध करने को तत्पर हुआ। हमें भी साधना के द्वारा सत्य का अनुभव करना होगा, परमात्मा के अस्तित्व का बोध करना होगा, तभी तो हम मानेंगे कि परमात्मा है।

कविता अग्रवाल हत्याकांड में तीन दोषियों को उम्रकैद की सजा, लूट के बाद की गई थी निर्मम हत्या

मुजफ्फरनगर। थाना सिविल लाइंस क्षेत्र में वर्ष 2011 में व्यापारी की पत्नी कविता अग्रवाल की लूटपाट के बाद हत्या के सनसनीखेज मामले में आखिरकार 14 साल बाद इंसाफ हुआ। मुजफ्फरनगर में कांवड़ खंडित होने की अफवाह पर बवाल, चार घंटे तक हंगामा, पुलिस ने हालात किए काबू जिला न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट नंबर एक रविकांत ने सोमवार को तीनों दोषियों–सौरभ वर्मा, नौशाद और राहुल मित्तल–को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही अन्य धाराओं में भी कठोर सजाएं दी गई हैं।

3 अगस्त 2011 की रात करीब 8:15 बजे व्यापारी प्रहलाद राय अग्रवाल की पत्नी कविता अग्रवाल की हत्या उनके ही घर पर कर दी गई थी। व्यापारी जब दुकान से लौटे तो घर का मुख्य दरवाजा खुला मिला और अंदर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि पत्नी का शव खून से लथपथ फर्श पर पड़ा है। उनके हाथ-पैर कपड़ों से बंधे थे और गर्दन व पेट पर धारदार हथियार से वार किए गए थे। साथ ही घर का सामान बिखरा था और लूट के निशान साफ थे।

जांच में खुलासा हुआ कि व्यापारी की दुकान पर काम करने वाला सौरभ वर्मा ही हत्या की साजिश का मास्टरमाइंड था। उसने अपने दो साथियों–नौशाद और राहुल मित्तल के साथ मिलकर घर में लूटपाट की और विरोध पर कविता अग्रवाल की हत्या कर दी। घटना के बाद तीनों अभियुक्तों को एसएचओ संजय वाजपेयी ने 5 अक्टूबर 2011 की रात रेशू विहार क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। इनके कब्जे से लूट का सामान और हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद किए गए थे। अपर सत्र न्यायाधीश रविकांत ने लंबी सुनवाई के बाद सोमवार को फैसला सुनाते हुए तीनों दोषियों को सख्त सजा दी। अभियोजन की ओर से मजबूत पैरवी आशीष त्यागी सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी ने की। 14 वर्षों की लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद आया यह फैसला उन मामलों में से एक है जो यह सिद्ध करता है कि कानून की पकड़ से कोई नहीं बच सकता। कविता अग्रवाल हत्याकांड ने जिस तरह पूरे शहर को दहला दिया था, आज उस पीड़ित परिवार को कुछ हद तक न्याय मिल पाया है।

क्रांति सेना महिला मोर्चा की सशक्त बैठक, कई नए चेहरों को जिम्मेदारी–दर्जनों ने ली सदस्यता

मुजफ्फरनगर। प्रकाश चौक स्थित पार्टी कार्यालय पर क्रांति सेना महिला मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अलका शर्मा ने की, जबकि संचालन पूनम चौधरी द्वारा किया गया। बैठक में महिला मोर्चा को मजबूती देते हुए संगठन विस्तार की दिशा में अहम निर्णय लिए गए। अनीता चौधरी को प्रदेश सचिव तथा उषा यादव को सचिव के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसी कड़ी में करीब एक दर्जन महिलाओं ने शिवसेना शिंदे गुट व क्रांति सेना की सदस्यता ग्रहण की। संगठन की जिला उपाध्यक्ष पूनम चाहल के संबंध में कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों पर फैलाई जा रही भ्रामक खबरों का जोरदार खंडन भी इस बैठक में किया गया। पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पूनम चाहल संगठन के साथ पहले की तरह सक्रिय हैं और विपक्षी लोग चाय पर बुलाकर फोटो खींचने और भ्रम फैलाने जैसे हथकंडों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

बैठक में अलका शर्मा (प्रदेश अध्यक्ष), पूनम चौधरी (जिलाध्यक्ष), पूनम चाहल (जिला उपाध्यक्ष), मितलेश गिरी (जिला सचिव), मोनिका प्रजापति (नगर उपाध्यक्ष), राखी प्रजापति, अनोखी दुबे, मीनू शर्मा, उषा यादव (नगर अध्यक्ष) सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं। यह बैठक महिला मोर्चा की एकजुटता, सशक्तिकरण और संगठन की मजबूती की दिशा में एक और सशक्त कदम सिद्ध हुई।

व्यापार समिति खतौली की बैठक सम्पन्न

खतौली। नवीन मंडी स्थल व्यापार समिति खतौली की बैठक संगठन कार्यालय पर मनोज कुमार जैन की अध्यक्षता व सुशील कुमार जैन के संचालन में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम इस वर्ष समिति के तीन प्रतिष्ठित व्यापारियो सुरेश चंद गोयल, रविन्द्र गोयल, मनोज गर्ग के दिवंगत होने पर दो मिनट का मौन धारण करके इन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में कांवड़ सेवा शिविर लगाने निर्णय सर्वसम्मति से लेकर शिविर का मुख्य संयोजक ज्योति मोहन गोयल, श्रीचंद शर्मा, प्रदीप जैन, अनुज गर्ग, शुभम् गोयल, प्रमोद अग्रवाल, वैभव जैन, पुनीत गोयल चिराग् जैन को बनाया गया। तत्पश्चात बैठक में समिति की नई कार्यकारिणी के गठन पर सुधीर जैन व मधुकर जैन ने विचार विमर्श करके वर्तमान कार्यकारिणी अध्यक्ष प्रदीप जैन, महामंत्री ज्योति मोहन गोयल, कोषाध्यक्ष विपुल गोयल द्वारा किए गए कार्यों की सराहना कर इसे दो वर्ष का विस्तार देने की अनुशंसा की। जिसे बैठक में मौजूद व्यापारियों ने सहर्ष स्वीकार कर अपना अनुमोदन प्रकट किया। बैठक में मुख्य रूप से सुरेश जैन, नीरज जैन, विजय गोयल, संदीप गोयल, सुनील जैन, अजय जैन, मुकेश तायल, हंस कुमार, सुभाष जैन, राजीव अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, सुनील जैन, अथर्व मोहन गोयल आदि व्यापारी उपस्थित रहे।

खालापार में आधा दर्जन दबंगों ने मोहम्मद को सरियों से पीटा, जिला अस्पताल में भर्ती

मुजफ्फरनगर। खालापार थाना क्षेत्र के किदवई नगर में आधा दर्जन दबंगों ने मोहम्मद नामक युवक पर सरियों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल मोहम्मद को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। परिजनों ने दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के अनुसार, घटना किदवई नगर में उस समय हुई जब मोहम्मद अपनी बाइक पर जा रहा था। तभी आधा दर्जन दबंगों ने उसे रोक लिया और उस पर सरियों से हमला कर दिया। परिजनों का आरोप है कि हमलावरों ने मोहम्मद के सिर पर सरिया मारकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। मोहम्मद के मामा ने बताया कि हमलावर धनाढ्य लोग हैं और हाल ही में विदेश से पैसे कमाकर लौटे हैं। उन्होंने कहा, 'ये दबंग अपनी धन-दौलत के बल पर क्षेत्र में आतंक मचाए हुए हैं। जो मन आता है, उसे पीट देते हैं।' परिजनों ने पुलिस से दबंगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गुहार लगाई है।

अधेड ने भोपा गंग नहर मे लगाई छलांग, तलाश में जुटे परिजन

मोरना। भोपा नहर पुल से अधेड व्यक्ति ने नहर मे छलांग लगा दी। राहगीरों ने वहां मौजूद पुलिस को सूचना दी। मौके पर मिली डायरी की सहायता से परिजनों को सूचना दी गयी, जिसके बाद ग्रामीण की नहर मे तलाश शुरू की गयी। भोपा गंग नहर पुल से मंगलवार की दोपहर अधेड व्यक्ति द्वारा गंग नहर मे कूदकर आत्महत्या करने से मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गयी। पुलिस ने मौके से चप्पल, एक अंगोंछा व एक डायरी बरामद हुई डायरी मे लिखें फोन नंबर के आधार पर गायब हुए अधेड की पहचान ओमपाल सिंह 60 वर्ष निवासी गांव दतियाना थाना छपार के रूप मे हुई। थाने पहुंचे परिजनों ने सी सी टी वी कैमरे की फुटेज व सामान की पहचान की। गायब ओमपाल सिंह के भाई सोमपाल सिंह ने बताया की ओमपाल सिंह मानसिक रूप से परेशान चल रहा थे। किसान ओमपाल सिंह के परिवार मे पत्नी शशि,पुत्र विनीत व अमित हैं। वहीं गायब ओमपाल सिंह की तलाश गंग नहर मे शुरू कर दी गयी।

उत्तर भारतीयों का शोषण एवं हिंदी भाषा का अपमान नहीं सहेंगे: शिवसेना

मुरादाबाद। महाराष्ट्र में उत्तर भारतीयों पर हुए हमलों के विरोध में शिवसेना ने जोरदार प्रदर्शन किया। शिवसेना के जिला प्रमुख गुड्डू सैनी के नेतृत्व में पीएसी चौराहे पर कार्यकर्ताओं ने उद्धव ठाकरे व राज ठाकरे के विरोध में प्रदर्शन करते हुए उनके पोस्टरों पर कलिख पोती और जूते बरसाए। इस मौके पर शिवसेना के राज्य सचिव रामप्रसाद प्रजापति ने कहा कि महाराष्ट्र में उत्तर भारतीयों पर लगातार हो रहे हमलों से देश का माहौल बिगड़ रहा है। ठाकरे बंधु न केवल क्षेत्रवाद और भाषावाद को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि हिंदी भाषी समुदाय का अपमान भी कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि राज और उद्धव ठाकरे पर रासुका के तहत कार्रवाई की जाए और देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाए। प्रदर्शन में शामिल शिवसेना के मंडल प्रमुख नितिन वर्मा ने बताया कि मुरादाबाद मंडल के सभी नगरों में ठाकरे बंधुओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिवसेना पश्चिम उत्तर प्रदेश इकाई हर उत्तर भारतीय से अपील करती है कि ऐसे देशविरोधी तत्वों के खिलाफ सड़कों पर उतरें। महानगर प्रमुख मनोज कुमार ने ठाकरे बंधुओं की नीतियों की कड़ी निंदा करते हुए केंद्र सरकार से इनकी राजनीतिक पार्टी की मान्यता रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीयता और भाषावाद फैलाकर देश की एकता को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस विरोध प्रदर्शन में राज्य सचिव रामप्रसाद प्रजापति, मंडल प्रमुख नितिन वर्मा, जिला प्रमुख गुड्डू सैनी, महानगर प्रमुख मनोज कुमार, ओमप्रकाश सैनी, प्रमोद सागर, कपिल कुमार, जिला उप प्रमुख हरकिशोर सैनी, विनय कश्यप, रंजीत कश्यप, जितेंद्र ठाकुर, मोहर सिंह कश्यप, राकेश कुमार प्रजापति सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिजनौर के पीसीएस अफसर को योगी सरकार ने किया सस्पेंड, नए आदेश से मची खलबली!

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में एडीउएम (वित्त एवं राजस्व) के पद पर तैनात पीसीएस अधिकारी अरविंद कुमार सिंह को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रमुख सचिव नियक्ति एवं कार्मिक आईएएस एम देवराज ने सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई तब हुई जब 2012 बैच के इस अधिकारी का 30 मई 2025 को देवरिया स्थानांतरण हुआ था, लेकिन उन्होंने नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया। अरविंद कुमार सिंह पिछले तीन वर्षों से बिजनौर में एडीएम वित्त एवं राजस्व के पद पर तैनात थे। उन्होंने अपनी पारिवारिक समस्या का हवाला देते हुए नियुक्ति विभाग को प्रत्यावेदन भेजा था, लेकिन इसके बावजूद विभाग ने उन्हें देवरिया ज्वाइन करने का निर्देश दिया, लेकिन वह देवरिया में कार्यभार ग्रहण नहीं कर पाए। सरकार ने इस मामले को गंभीर अनुशासनहीनता माना है और एडीएम न्यायिक वान्या सिंह को बिजनौर में उनकी जगह एडीएम वित्त एवं राजस्व की जिम्मेदारी दी गई है। यह कदम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रशासनिक अनुशासन को सख्ती से लागू करने की नीति को दर्शाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ कर दिया है कि प्रशासनिक अनुशासन से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और सभी अफसरों को अपने पदों पर समय पर कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा।

मुरादाबाद में कांवड़ यात्रा मार्ग पर अब बासी खाना नहीं चलेगा

मुरादाबाद। सावन माह में शुरू हो रही कांवड़ यात्रा को लेकर जहां प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात प्रबंधन की कमान संभाल ली है, वहीं अब खाद्य सुरक्षा विभाग भी पूरी तरह सतर्क हो गया है। इस बार यात्रा मार्ग पर आने वाले सभी होटल, ढाबे और खाने-पीने की दुकानों को 'फूड सेफ्टी कनेक्ट ऐप' से अनिवार्य रूप से जोड़ा जाएगा। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने निर्देश दिए हैं कि अब सभी खाद्य प्रतिष्ठानों को अपनी दुकानों के बाहर एक क्यूआर कोड प्रदर्शित करना होगा, जिसे ग्राहक स्कैन कर सीधे ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकेंगे। इसके साथ ही दुकान संचालक का नाम, लाइसेंस नंबर और स्वच्छता से संबंधित दिशा-निर्देश भी स्पष्ट रूप से दिखाना अनिवार्य होगा। खाद्य सुरक्षा विभाग का मानना है कि यह कदम लाखों कांवड़ियों की सेहत को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

माध्यमिक शिक्षक संघ ठकुराई गुट के पदाधिकारियों ने शिक्षकों को संघ की सदस्यता ग्रहण कराई

शामली। मंगलवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ठकुराई गुट के पदाधिकारियों ने कई स्कूलों में दौरा कर शिक्षकों से संपर्क कर शिक्षकों को संघ की सदस्यता ग्रहण कराई। जिलाध्यक्ष रजनीश कुमार, जिला मंत्री जिया उल हक अंसारी,कार्यकारी मंत्री देवेंद्र कुमार तथा कार्यकारी अध्यक्ष सुनील शर्मा की टीम सदस्यता तथा शिक्षकों से संवाद के लिए लाला इंद्र प्रकाश इंटर कॉलेज बाबरी, आरडी इंटर कॉलेज सिक्का, लाला लाजपत राय इंटर कॉलेज थानाभवन, लाला लाजपत राय कन्या इंटर कॉलेज थानाभवन, किसान इंटर कॉलेज थानाभवन, पब्लिक इंटर कॉलेज जलालाबाद तथा जवाहर लाल नेहरू इंटर कॉलेज गढ़ी पुख्ता में संपर्क किया तथा शिक्षकों को संघ की सदस्यता ग्रहण कराई। जिलाध्यक्ष कैप्टन रजनीश कुमार ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने हितों की रक्षा के लिए संगठन बहुत आवश्यक है क्योंकि संगठन में वह शक्ति होती है जिसके आगे शासन और प्रशासन को भी झुकना पड़ता है। आज सरकार की नीतियों के कारण हमारे पूर्वजों द्वारा हासिल की गई बहुत सी उपलब्धियां हम से छिन चुकी है। जिनमें मुख्यतः पुरानी पेंशन को खत्म करना, लिपिक तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को आउटसोर्सिंग से भरा जाना है। यदि हम इसी प्रकार उदासीन रहे तो बची खुची उपलब्धियां भी छिन जाएगी इसलिए अपने हितों तथा उपलब्धियों की रक्षा के लिए संगठित और जागृत रहो। इसी क्रम में जिला मंत्री जिया उल हक अंसारी तथा कार्यकारी मंत्री देवेंद्र कुमार ने भी शिक्षकों को संगठन से जुड़ने का आह्वाहन करते हुए कहा कि आप संगठन से जुड़ेंगे तो आपके किसी भी स्तर पर लंबित प्रकरणों को हल कराने का कार्य संगठन करेगा।

सैंट आरसी कांवेट स्कूल में दो दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया

शामली। शहर के सैंट आरसी कांवेट स्कूल में दो दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया। तकनीकी कार्यशाला में हरिद्वार की तकनीकी फाउंडेशन ऑफ इंडिया के मैनेजर इंजीनियर मनीष कुमार की सात इंजीनियर की टीम ने छात्र-छात्राओं को हवा के दबाव के सिद्धांत बताए गए।

मंगलवार को इंजीनियर विपिन, इंजीनियर सागर, इंजीनियर अभिराम, इंजीनियर रिया, इंजीनियर जानवी, इंजीनियर भावना, इंजीनियर उमा की टीम ने प्लास्टिक ग्लास, बैटरी, बैटरी कनेक्टर, मोटर फैन, प्लास्टिक पाइप की सहायता से वैक्यूम क्लीनर का कार्यशील मॉडल बनवाकर सेक्शन और वैक्यूम प्रेशर के विषय में समझाते हुए बताया वैक्यूम क्लीनर हवा के दबाव के सिद्धांत पर काम करता है। वैक्यूम क्लीनर में एक मोटर पंखे को घुमाकर मशीन के अंदर का दबाव कम कर देती है। जिससे हवा अंदर की तरफ आती है और अपने साथ धूल और कचरा भी ले आती है। इसका उपयोग बड़े-बड़े कार्यालयों, ऑफिस, अस्पतालों, घरों आदि में सफाई के लिए किया जाता है। इसके अतिरिक्त इंजीनियर टीम ने कक्षा 2 के विद्यार्थियों को पेपर शीट, प्लास्टिक स्ट्रॉ, राउंड फोम, डबल साइडेड टेप व वेल्क्रो की सहायता से दीवार घड़ी बनवाकर इसकी कार्यविधि व प्रकारों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि घड़ी एक ऐसा उपकरण है जो समय बताती है। कुछ डिजिटल घड़ियां और स्मार्ट वॉच तारीख, तापमान व अलार्म जैसी अन्य जानकारी भी प्रदान करती है। कुछ घड़ी दीवार पर टांगी जाती है, जिसे दीवार घड़ी कहते हैं। घड़ी बनाने का उद्देश्य बच्चों को घड़ी दिखाकर समय का अनुमान लगाना सिखाना है, जिससे वे समय का ट्रैक रख अपने सभी दैनिक कार्य समयबद्ध तरीके से करना सीख जाते है। मौके पर चेयरमैन अरविन्द संगल, प्रधानाचार्या उज्मा ज़ैदी आदि मौजूद रहे।

कार्यालय जिला नगरीय विकास अभिकरण, मुजफ्फरनगर।

पत्रांक:-316/ई-निविदा/डूडा-मु.नगर/2025-26 दिनांक-08.07.2025

"ई-टेंडरिंग/अल्पकालीन निविदा सूचना"

एतद्द्वारा पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) मुजफ्फरनगर द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में **मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित एवं मलिन बस्ती विकास योजना के अन्तर्गत** स्वीकृत धनराशि से विकास कार्य सम्पन्न कराना चाहता है, जिसके लिए ई-निविदा हेतु दिनांक 08/07/2025 से दिनांक-28/07/2025 समय सायं 5.00 बजे तक ई-निविदाएं वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) मुजफ्फरनगर द्वारा ऑनलाईन आमन्त्रित की जाती है तथा दिनांक-29/07/2025 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी तथा निविदा में कोई भी संशोधन/परिमार्जन/परिवर्तन की सूचना समय से वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी जायेगी। समस्त ई-निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

E-Tender Reference	DUDA/MZN/58/1-5/07/24-07-2025
Publish Date	08/07/2025
Last Date Time for Submission of E-Bids	28/07/2025 Up to 5:00 PM
E-Tender Opening Date	29/07/2025 at 11:00 AM
Place of opening of E-Bid	District Urban Development Agency (DUDA)

परियोजना निदेशक
जिला नगरीय विकास अभिकरण,
मुजफ्फरनगर

आवारा कुत्ते के काटने से हालत गंभीर

मीरापुर। नगर पंचायत मीरापुर क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार 5 जुलाई को लाडोवाला कुआं इलाके में बिजली विभाग की टीम के साथ पहुंचे लाइनमैन मोहम्मद नाजिम पुत्र बत्तू निवासी मुझेड़ा पर दो आवारा कुत्तों ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में एक कुत्ते ने नाजिम को काट लिया। बताया गया कि हमले के बाद नाजिम ने तुरंत टेटनस और रेबीज का इंजेक्शन लगवाया। शुरूआती इलाज के बाद वह सामान्य महसूस कर रहा था, लेकिन मंगलवार को अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों के अनुसार, नाजिम को पानी से डर लगने लगा है और वह सही से पानी पी भी नहीं पा रहा है, जो कि रेबीज संक्रमण के प्रमुख लक्षण हैं। स्थिति बिगड़ती देख परिजन उसे पहले जानसठ, फिर मुजफ्फरनगर और वहां से मेरठ ले गए। मेरठ मेडिकल कॉलेज में भी हालत गंभीर बनी रही, जिसके बाद डॉक्टरों ने उसे तत्काल दिल्ली एम्स के लिए रेफर कर दिया है। नगर पंचायत क्षेत्र में आवारा कुत्तों की भरमार को लेकर लोगों में रोष है। सरकार द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार, नगर पंचायतों को आवारा पशुओं को पकड़ने, टीकाकरण कराने और नसबंदी की जिम्मेदारी सौंपी गई है, लेकिन मीरापुर में इस दिशा में कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो रही है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से इस मामले में सख्त कदम उठाने की मांग की है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222
e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

● नशा छुड़ाएं ● बवासीर भगाएं ● सफेद दाग हटाएं

खोई हुई ताकत व जवानी दोबारा प्राप्त करें।

शराब छुड़ाएं

शराबी को लाने/बताने की जरूरत नहीं जर्दा, तम्बाकू, स्मैक, अफीम डोडे (पोस्त), नौरफीन, मौरफीन, प्रोक्सीवान, कौरेक्स, फैंसीडिल, हैरोइन, मैथाडोन व धुम्रपाल से पक्का छुटकारा

अनचाहे बाल

पहले थे समस्या और अब **समाधान**

मिले: हर रोज

शंकर दवाखाना

(भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड) नक्कालों से सावधान

गली पान, दाल मंडी, मुजफ्फरनगर। ☎0131-2432326, 9719442124

रॉयल बुलेटिन

मुजफ्फरनगर समाचार

बुधवार 9 जुलाई 2025, पृष्ठ-3

पुरकाजी में कांवड़ियों का हंगामा ढाबे पर तोड़फोड़ और मारपीट

भोजन में प्याज मिलने का आरोप, ढाबा संचालक ने लगाया पैसे न देने पर विवाद खड़ा करने का आरोप

मुजफ्फरनगर। कांवड़ यात्रा के दौरान पुरकाजी क्षेत्र में एक बार फिर कांवड़ियों और स्थानीय लोगों के बीच विवाद की स्थिति बन गई। सोमवार देर रात नेशनल हाईवे-58 पर स्थित श्री सिद्ध बाबा बालकनाथ ढाबे पर हरियाणा से आए कांवड़ियों ने खाने में प्याज मिलने का आरोप लगाते हुए तोड़फोड़ और मारपीट की। घटना की जानकारी मिलते ही पुरकाजी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। घटना सोमवार रात करीब तीन बजे की है जब हरियाणा से आए कुछ कांवड़िए बालकनाथ ढाबे पर भोजन करने के लिए रुके। कांवड़ियों का आरोप है कि परोसे गए भोजन में प्याज मिला हुआ था, जो उनकी धार्मिक आस्था के विरुद्ध है। जब यह बात सामने आई, तो कांवड़ियों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने ढाबे में तोड़फोड़ शुरू कर दी। ढाबा संचालक धीरज पंवार का दावा है कि भोजन में प्याज नहीं डाला गया था। उन्होंने बताया कि खाना परोसने के बाद जब उनसे भुगतान मांगा गया, तो कांवड़ियों ने पैसे देने से इंकार कर दिया और विवाद शुरू कर दिया। इसके बाद ही प्याज डालने का आरोप लगाकर कांवड़ियों ने हंगामा खड़ा कर दिया। ढाबा मालिक के अनुसार, तोड़फोड़ के दौरान एक कांवड़िए को हल्की चोट भी आई, जबकि अन्य लोग मौके से भाग गए। हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुरकाजी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और कांवड़ियों को समझाकर मामला शांत कराया। पुलिस ने दोनों पक्षों से बातचीत कर विवाद को सुलझाया और कांवड़ियों को उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, फिलहाल कोई तहरीर या मामला दर्ज नहीं हुआ है। पुलिस प्रशासन ने कांवड़ यात्रा के दौरान शांति बनाए रखने की अपील की है।

ढाबे पर बाल मजदूरी करते मिले मासूम भाई, हिंदू युवा वाहिनी ने की कार्रवाई की मांग

मुजफ्फरनगर। सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद बाल श्रम की कड़वी सच्चाई एक बार फिर उजागर हुई है। ताज़ा मामला शामली रोड स्थित एक ढाबे से सामने आया है, जहाँ 8 वर्षीय विशाल और 1० वर्षीय शिवम – दो सगे भाई मजदूरी करते पाए गए। इन मासूमों के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है। दो बहनें शादीशुदा हैं और इन बच्चों के पास न रहने का ठिकाना है, न ही भोजन का साधन। जीवन की कड़वी सच्चाइयों के आगे झुककर, ये मासूम पिछले दो महीने से ढाबे पर काम करने को मजबूर थे। हिंदू युवा वाहिनी ने देर रात मारा छापा सोमवार देर रात हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं को जब इस बाल श्रम की सूचना मिली, तो क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रह्लाद पाहुजा मौके पर टीम सहित पहुंचे और पूरे मामले का खुलासा किया। मंगलवार सुबह उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि जनपद के सभी ढाबों और होटलों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाए और बाल श्रम के मामलों में सख्त कार्रवाई की जाए। सवाल बरकरार- बाल श्रम पर रोक सिर्फ कागज़ों में या ज़मीन पर भी? मासूम बचपन को झुलसाती ये तस्वीरें फिर सवाल उठाती हैं कि क्या बाल श्रम जैसे अमानवीय अपराध पर लगाम अब भी सिर्फ कानून की किताबों तक ही सीमित है? या प्रशासन वास्तविक कार्रवाई करेगा?

डॉ. एम.के. तनेजा को चिकित्सा रत्न सम्मान

ईएनटी क्षेत्र में 5० वर्षों की उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित

मुजफ्फरनगर। डॉ. एम.के. तनेजा, देश के वरिष्ठतम नाक, कान व गला रोग विशेषज्ञ (ईएनटी सर्जन) को दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन द्वारा आयोजित डॉक्टर्स डे समारोह में 'विशिष्ट चिकित्सा रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें चिकित्सा क्षेत्र में पिछले पाँच दशकों से किए जा रहे अभूतपूर्व योगदान के लिए प्रदान किया गया। समारोह का आयोजन भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की सबसे बड़ी शाखा दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन द्वारा किया गया, जिसमें देश भर से विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों के चयनित विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया। डॉ. तनेजा ने केजीएमसी, लखनऊ से एमबीबीएस, डीएलओ और एमएस (ईएनटी) की डिग्रियां प्राप्त कीं। वे ऑल इंडिया ईएनटी डॉक्टर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सार्क ईएनटी फेडरेशन के महासचिव भी रह चुके हैं। वर्तमान में वे सार्क ईएनटी फेडरेशन के उपाध्यक्ष हैं। उनका नाम इंडीयन सोसायटी ऑफ ऑटोलॉजी के संस्थापक सदस्यों में गिना जाता है। ईएनटी चिकित्सा में विशेष दक्षता के साथ-साथ, डॉ. तनेजा को उत्तर भारत में 'बिना निशान कान की सर्जरी' की विधि के लिए जाना जाता है, जिसकी मदद से सैकड़ों युवाओं को मेडिकल व सैन्य सेवाओं में फिटनेस मिली है, जो पहले अस्वीकार कर दिए गए थे।

हरिद्वार जा रहे परिवार की कार ट्रक से टकराई, तीन की मौत

छपार क्षेत्र में जयभगवान पुर कट के पास हुआ हादसा, घायलों को अस्पताल कराया भर्ती

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र में दिल्ली-देहरादून हाईवे पर सोमवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे ने एक पूरे परिवार को खत्म कर दिया। कार और ट्रक की टक्कर में गुड़गांव निवासी दंपति और उनके मासूम बेटे की मौत हो गई, जबकि अन्य तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे के बाद मौके पर कोहराम मच गया। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हादसे की सूचना के अनुसार, गुड़गांव के गांव राठीवास निवासी 3० वर्षीय अभिषेक पुत्र विजय अपनी पत्नी पूजा और चार वर्षीय पुत्र ईशान के साथ हरिद्वार दर्शन को निकले थे। उनके साथ गांव का ही दोस्त सुमित पुत्र चेतराम, उसकी पत्नी कविता और छह वर्षीय बेटी भी वैगनआर कार में सवार थे। कार को सुमित चला रहा था। जयभगवान पुर कट, छपार क्षेत्र में कार आगे चल रहे ट्रक से तेज रफ्तार में टकरा गई, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर

इतनी जबरदस्त थी कि सभी कार सवार बुरी तरह घायल हो गए। सूचना मिलते ही छपार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को कार से बाहर निकालकर तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने अभिषेक और उसके चार वर्षीय बेटे ईशान को मृत घोषित कर दिया। पत्नी पूजा को गंभीर हालत में मेरठ रेफर किया गया था, जहां मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। घायल सुमित, उसकी पत्नी कविता और उनकी बेटी का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने मौके से क्षतिग्रस्त कार हटवा दी है और ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रथम दृष्टया हादसे का कारण तेज रफ्तार और अनियंत्रित वाहन संचालन माना जा रहा है।

ठाकरे बंधुओं के खिलाफ फूटा गुस्सा, पोस्टर जलाकर किया विरोध प्रदर्शन

मुजफ्फरनगर। महाराष्ट्र में हिंदी भाषियों पर कथित हमलों के विरोध में सोमवार को शिवसेना, क्रांति सेना और युवा सेना के कार्यकर्ताओं ने मुजफ्फरनगर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के पोस्टरों को चप्पलों से पीटा और फिर आग के हवाले कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। शिवसेना जिला प्रमुख बिट्टू सिखेड़ा, क्रांति सेना महानगर अध्यक्ष देवेंद्र चौहान और युवा सेना के जिला अध्यक्ष हेमंत शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने आनंद भवन स्थित शिव मंदिर से शिव चौक तक जुलूस निकाला। पूरे मार्ग में उद्धव और राज ठाकरे के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि ठाकरे बंधु सत्ता की लालसा में हिंदी भाषी लोगों के खिलाफ भड़काऊ राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने ठाकरे भाइयों को 'हिंदू विरोधी मानसिकता' का प्रतीक बताया। शिवसेना नेता बिट्टू सिखेड़ा

ने कहा कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की कथित हिंदूवादी छवि अब पूरी तरह उजागर हो चुकी है। इनकी विचारधारा सिर्फ सत्ता प्राप्त करने का जरिया रही है, अब इनका प्रभाव महाराष्ट्र से बाहर खत्म हो चुका है। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से मांग की कि देश विरोधी बयानबाजी और हिंदी भाषियों के खिलाफ भड़काऊ राजनीति को लेकर ठाकरे भाइयों पर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही चेतावनी दी कि अगर ऐसे नेताओं पर सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो उनकी क्षेत्रवाद आधारित राजनीति से राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है।

प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष संजीव वर्मा, नरेंद्र ठाकुर, उज्ज्वल पंडित, ललित रहेला, भुवन मिश्रा, योगेंद्र सैनी, बाबूराम, शैलेंद्र विश्वकर्मा, आशीष मिश्रा, सुनील प्रजापति, अभिषेक शर्मा, रितिक धीमान, मुकुल प्रजापति, शिवम पाल, अमित शर्मा, बॉबी, मनोज पाल, दाताराम, राकेश धीमान, विपुल गुप्ता, अविनाश कुमार, मनोज कुमार, निशांत शर्मा, लोकेश, कृष्णा, विकास कश्यप सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निरीक्षण भवन के पास मिला अज्ञात शव

बुढ़ाना। निरीक्षण भवन के पास मंगलवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कस्बा चौकी इंचार्ज संदीप चौधरी ने बताया कि मृतक की उम्र 45 से 5० वर्ष के बीच है और वह मानसिक रूप से विक्षिप्त प्रतीत होता था। वह अक्सर कस्बे के विभिन्न स्थानों पर घूमता रहता था। स्थानीय लोगों ने भी मृतक को पहले कई बार क्षेत्र में देखे जाने की बात कही। पुलिस मृतक की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों में छानबीन कर रही है और लोगों से जानकारी जुटा रही है। फिलहाल शव की स्थिति और मृत्यु के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

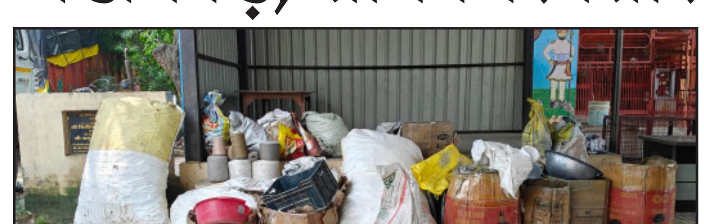

बुढ़ाना। कस्बे के चंदहेड़ी रोड पर पुलिस ने एक अवैध पटाखा फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने सूचना पर छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में तैयार और अधबने पटाखे, साथ ही निर्माण में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए गए। पुलिस ने मौके से तीन आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया ।नायब तहसीलदार की उपस्थिति में फैक्ट्री को सील कर दिया गया। पुलिस ने चंदहेड़ी रोड के मदरसे के पीछे सफीपुर पट्टी में एक अवैध पटाखा फैक्ट्री का पर्दाफाश किया। पुलिस ने मौके से तीन आरोपियो 4 वर्षीय रिजवान निवासी हुसैनपुर कलां, 28 वर्षीय साजिद और 42 वर्षीय आसिफ निवासी सफीपुर पट्टी को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 19 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री, 25 प्लास्टिक के कट्टे में पटाखा निर्माण के उपकरण बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियो ने बताया कि वह बिना लाइसेंस के कच्ची विस्फोटक सामग्री और बारूद खरीदकर सूतली बम और अन्य पटाखे बनाते थे। तैयार पटाखों को चोरी-छिपे स्थानीय बाजारों और आसपास के शहरों में बेच रहे थे। पुलिस ने आरोपियो के विरुद्ध विस्फोटक अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। इंस्पेक्टर आनंद देव मिश्र ने बताया कि जनसुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवैध विस्फोटक निर्माण जनसुरक्षा से खिलवाड़ किया गया, कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

यह पंचायत ऐतिहासिक होगी, युवाओं पर रहेगी सबसे बड़ी जिम्मेदारी- नरेश टिकैत

शाहपुर। वैदिक कन्या इंटर कॉलेज सोरम के प्रांगण में सर्व खाप पंचायत की तैयारियों को लेकर पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार एक सर्व समाज बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता चौधरी देवी सिंह ने की, जबकि संचालन मा. रामपाल सिंह द्वारा किया गया।बैठक में सर्वखाप मंत्री सुभाष बालियान ने बताया कि आजादी के बाद यह सातवीं सर्व खाप पंचायत होगी, जिसे 16, 17 व 18 नवंबर 2०25 को गांव सोरम में आयोजित किया जाएगा। यह पंचायत सर्वखाप झंडे के नीचे आयोजित की जा रही है, जिसमें देश के सभी राजनीतिक दलों, जातियों और धर्मों से जुड़े प्रतिनिधियों सहित आम जनता को आमंत्रित किया जाएगा। विशेष रूप से सभी जातियों और खापों के असली चौधरियों को ही आमंत्रण पत्र भेजे जाएंगे। चौधरी सुभाष बालियान ने बताया कि यह पंचायत पूरे देश के नागरिकों के लिए खुली रहेगी और इसमें समाज के सभी वर्गों जैसे किसान, मजदूर, व्यापारी, नौकरीपेशा, जवान, महिलाओं और युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि पंचायत के दौरान सर्व समाज के भविष्य से जुड़े अनेक

महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। सर्व समाज की बैठक को संबोधित करते हुए बालियान खाप के चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि यह सातवीं सर्व खाप पंचायत आजादी के बाद हो रही है। पहली पंचायत वर्ष 195० में आयोजित की गई थी जिसमें समाज सुधार से जुड़े अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए थे। उन्होंने कहा कि यह पंचायत भी इतिहास के पन्नों में दर्ज होगी और आने वाली पीढ़ी का मार्गदर्शन करेगी। चौधरी टिकैत ने कहा कि पंचायत के सफल आयोजन में जहां जरूरत होगी सरकार से भी सहयोग लिया जाएगा। सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवा वर्ग के कंधों पर होगी। लाखों लोगों की संभावित उपस्थिति को देखते हुए खाने-पीने व रुकने की व्यवस्था सोरम सहित बालियान खाप के अन्य गांवों व सभी खापों के सहयोग से की जाएगी। इस अवसर पर गांव के अन्य वक्ताओं ने भी अपने सुझाव रखे, इस मौके पर सरपंच अमित बालियान, बिजेन्द्र चेयरमैन, रामपाल सिंह, भूपेन्द्र सिंह, भकियू ग्राम अध्यक्ष विकास बालियान, ब्लॉक अध्यक्ष जितेन्द्र बालियान, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सोनू काबा, रघुवंशी आर्चरी संचालक विपिन बालियान, देशपाल, हरेन्द्र चेयरमैन, महेन्द्र प्रजापत, उपेंद्र, अरविंद, मा. ओमपाल कश्यप, मा. मुशर्रफ, एडवोकेट इकराम, मा. देवेंद्र, मा रजनीश सेन, मा. सुरेंद्र एमडी, डॉ. लोकेन्द्र बालियान, मांगेराम, बबलू बालियान सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

विवाहिता को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मोरना। विवाहिता को शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर उसे जेल भेज दिया गया। भोपा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने गत 2० जून को मुकदमा दर्ज कराया था कि शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव खतौला निवासी आरिफ उनके गांव में ठेके पर जमीन लेकर खेती करता था। दो माह पहले खेती को छोड़कर चला गया। एक माह से उनकी शादीशुदा बेटी मायके में ही रह रही थी। आरोपी आरिफ ने उसे प्रेम जाल में फंसा लिया और बीते 18 जून की रात आरोपी उसे बहला फुसला कर कहीं ले गया। पुलिस ने आरिफ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर 21 जून को विवाहिता को खतौली से बरामद किया था। पीडिता ने बताया था कि आरिफ ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि आरोपी आरिफ को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

अनियंत्रित होकर पलटी ई-रिक्शा, दो महिला समेत चार घायल

बुढ़ाना। तहसील क्षेत्र के गांव कुरालसी के निकट एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में ई-रिक्शा में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, जिसे सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मदद के लिए दौड़े। लोगो ने घायलों को सागर नर्सिंग होम में भर्ती कराया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव हबीबपुर निवासी सतीश, पारुल, बिशन और सोमबाला ई-रिक्शा में सवार होकर बागपत जिले के निरपुडा गांव जा रहे थे। गांव कुरालसी के पास ई-रिक्शा अचानक असंतुलित होकर सड़क किनारे पलट गई।

संपादकीय

दिल्ली का दम घुटा जा रहा, समस्या सिर्फ वाहनों की उम्र नहीं

दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रदूषण की समस्या जिस स्तर पर गहराती गई है, उसमें इस पर काबू पाने के लिए किए जाने वाले उपायों से शायद ही किसी को असहमति होगी। विडंबना यह है कि कई बार किसी समस्या से पार पाने के लिए जिन उपायों का सहारा लिया जाता है, उसकी व्यावहारिकता कठघरे में होती है। दिल्ली में हर अगले साल प्रदूषण के गहराते संकट के सबसे बड़े कारणों में एक वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को माना गया और इस आधार पर पिछले कुछ वर्षों से सम-विषम जैसे नियम लागू कर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने की कोशिश की गई।इसके अलावा, पुराने वाहनों को सड़कों से हटाने को लेकर नियम-कायदे बनाए गए। हालांकि इसके अपेक्षित नतीजे को लेकर हमेशा संशय रहा। गौरतलब है कि दिल्ली में कुछ दिन पहले यह घोषणा की गई कि पंद्रह वर्ष पुराने पेट्रोल और दस वर्ष पुराने डीजल वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। साथ ही पेट्रोल पंप पर पुरानी गाड़ियों को जब्त किया जा रहा था।जाहिर है, एक साथ बड़ी तादाद में वाहनों के सड़कों से हटाने की नौबत आने पर आम लोगों के बीच व्यापक पैमाने पर आक्रोश का भाव पैदा हुआ और सरकार के इस फैसले पर सवाल उठे कि क्या अकेले इस उपाय से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या को खत्म किया जा सकता है। इससे बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका भी प्रभावित हो सकती है। सरकार के पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं है।यह बेवजह नहीं है कि गुरुवार को दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को पत्र लिख कर कहा कि तकनीकी चुनौतियों और जटिल प्रणाली के कारण तय मियाद पूरी कर चुके वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध लगाना व्यावहारिक नहीं है। यानी फिलहाल पुराने वाहनों को सड़कों से हटाने की कवायद थमती दिख रही है। हालांकि इसे लेकर आम लोगों के बीच जैसी प्रतिक्रिया सामने आई, उसके बाद यह देखने की बात होगी कि इस मसले पर सरकार क्या रुख अपनाती है।माना जाता है कि तकनीकी रूप से पुराने, अधिक ईंधन खपत करने और खराब रखरखाव वाले वाहनों से प्रदूषण ज्यादा फैलता है और ऐसी स्थिति में ऐसे वाहन पर्यावरण और लोगों की सेहत के लिए जोखिम भरे हो सकते हैं। मगर ऐसे सवाल भी उठते रहे हैं कि प्रदूषण फैलाने के लिए किसी वाहन की उम्र को पैमाना माना जाना चाहिए या फिर प्रदूषित पदार्थ उत्सर्जित करने की जांच के आधार पर वाहन के दुरुस्त होने के बारे में तय किया जाएगा।अगर कोई पुराना वाहन पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित है, तो उसकी उम्र को ही अकेला मानदंड क्यों बनाया जाना चाहिए? जहां तक दिल्ली का सवाल है, यह न केवल अन्य राज्यों के कुछ शहरों को मिला कर राष्टीय राजधानी क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, बल्कि दिल्ली के अलावा अन्य शहरों में पुराने वाहनों को लेकर अलग नियम हैं।साथ ही दिल्ली में आसपास के राज्यों से हर रोज ऐसे हजारों वाहन आते-जाते हैं, जो पुराने हो सकते हैं, हालांकि उन्हें दूसरे राज्यों में प्रदूषण जांच के पैमाने पर दुरुस्त माना जाता है।

(9 जुलाई 77 वे स्थापना दिवस पर विशेष)

राष्ट्रभक्ति के जज्बा जोश और जुनून का दूसरा नाम है अभाविप

(सुरेंद्र शर्मा)

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भारत ही नहीं विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन आज जिसके 60 लाख से अधिक सदस्य हैं देश भर में 6 हजार से अधिक परिसर इकाइयां हैं।अभाविप नाम आते ही स्मृति पटल पर एक तस्वीर उभर कर आती है ऐसे छात्र-छात्राओं की जिनके लिए देश सर्वोपरि है जो समाज के लिए कुछ अलग हट कर करना चाहते हैं जिनके मन में संकल्प होता है 'शिक्षा जीवन के लिए जीवन वतन के लिये' देश में राष्टभक्ति के जज्बा जोश और जुनून का नाम है अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद।।

उद्देश्य सही हो लक्ष्य स्पष्ट हो एवं कार्य करने की दिशा ठीक हो तो कोई भी कार्य आसानी से किया जा सकता है कार्य का परिणाम तो ठीक होता ही है कार्य भी यशस्वी होता है इन्हीं विशेषताओं के साथ राष्टीय पुनर्निर्माण के व्यापक संदर्भ में शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना आज ही के दिन अर्थात 9 जुलाई 1949 को हुई थी।

ज्ञान,शील,एकता की अपनी विशेषता के साथ अभाविप विगत 76 वर्षों से अपनी 60 लाख से अधिक सदस्यता 3000 से अधिक स्थानों पर 6000 से अधिक परिसरों में कार्य करते हुए निस्संदेह भारत ही नहीं विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन के रूप में स्थापित हुआ है। अपनी कार्यपद्धति की अनेक विशेषताओं के कारण अभाविप ने छात्र संगठन का एक पृथक दर्शन विकसित किया है।

शैक्षिक परिवार की एक अभिनव कल्पना भी अभाविप ने देश के सामने रखी है परिषद के स्थापना काल के समय एवं उसके बाद भी समाज के कुछ लोगों एवं संगठनों के मन में यह विचार था कि छात्र एवं शिक्षक इनमें परस्पर द्वंद है परंतु अभाविप ने शिक्षा परिवार जिसमें छात्र शिक्षक शिक्षाविद शामिल हैं की एक नई सोच समाज के सम्मुख रखी है द्वंद्व के स्थान पर सहकार करते हुए संपूर्ण देश में हजारों प्राध्यापक परिषद कार्य करते हुए शिक्षा जगत में अपनी उल्लेखनीय भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

प्रोफेसर वेद प्रकाश नंदा से लेकर आचार्य गिरिराज किशोर(जो राष्टीय अध्यक्ष बाद अभाविप में प्रथम पूर्णकालिक निकले) दत्ता जी डिंडोलकर,प्राध्यापक यशवंत राव केलकर,राजकुमार जी भाटिया ,डॉक्टर डी मनोहर राव,प्रोफेसर पी व्ही कृष्ण भट्ट,डॉक्टर कैलाश शर्मा ,मिलिंद मराठे, एवं वर्तमान राष्टीय अध्यक्ष श्री राज शरण शाही जैसे हजारों ज्येष्ठ और श्रेष्ठ प्राध्यापकों ने छात्रों के साथ कदम ताल करते हुए अभाविप का नेतृत्व किया एवं छात्र संगठन को ऊंचाइयों तक पहुंचाया।छात्र शिक्षक एवं शिक्षाविद की त्रिवेणी का संगम अभाविप के अंदर अद्भुत एवं अनूठा है।

रचनात्मक दृष्टिकोण एवं उसके फल स्वरुप रचनात्मक कार्य करने की इच्छा शक्ति भी अभाविप ने छात्रों के अंदर विकसित की है छात्र जिसे प्रायः उद्दंड समझा जाता था उसकी इस प्रकार की छवि को बदलते हुए उसकी सोच विध्वंस की नहीं रचनात्मक है यह अभाविप ने अपने कार्यों से कर दिखाया है आज वृक्षारोपण रक्तदान अभाविप के नियमित कार्यक्रम है जो संपूर्ण देश में होते हैं।

जब भी देश पर संकट आया अभाविप के कार्यकर्ताओं ने अपनी सेवाएं देश को दीं ,चाहे वह 1971 के भारत-पाक युद्ध के समय आंतरिक प्रतिरक्षा में सहयोगिता हो महाराष्ट गुजरात के भूकंप हों या देश के किसी भी हिस्से में आपदा आई हो या कोरोना जैसी भयानक महामारी हो पीड़ितों की मदद करने में अभाविप के कार्यकर्ता सबसे आगे रहे।

मुझे मुझे स्मरण है जब में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का प्रदेश का संगठन मंत्री था उस समय सुनामी इस देश के कुछ राज्यों में आई थी मध्य प्रदेश के छात्र संघ जिनमें अधिकांश पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के ही कार्यकर्ता विजय हुए थे वार्षिक सम्मेलनों की राशि संपूर्ण प्रदेश से लगभग 11 लाख प्रधानमंत्री राहत कोष में दान देकर अपनी इसी रचनात्मक दृष्टि का परिचय दिया था।

देश में ऐसे अनेक अवसर आए हैं जब अभाविप के कार्यकर्ताओं ने अपनी राष्टीय सोच और अनुशासन को प्रमाणित किया है 26 नवंबर 2002 को दिल्ली में शिक्षा एवं रोजगार की मांग को लेकर हुई रैली में आए सभी 75000 कार्यकर्ता अनुशासित तो थे ही इसके साथ-साथ दिल्ली में आए सभी लोग या तो अपने निजी वाहनों से आए थे या फिर रेल का टिकट खरीद कर। रैली में भी रेल का टिकट लेकर आना एक प्रकार से संभव दिखने वाले कार्य को करने की क्षमताओं छात्रों के अंदर अभाविप ने पैदा की है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने समाज के अंदर यह भी साबित करके दिखाया है की राजनीति की बैसाखी के बिना भी समाज का कार्यकिया जा सकता है एवं एक मजबूत संगठन खड़ा किया जा सकता है ,इस दृष्टि से अभाविप ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। कुछ लोग जो नजदीक से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को नहीं जानते वह उसका संबंध राजनीति से जोड़ते हैं परंतु उनकी यह केवल भ्रांति मात्र है अभाविप के कार्यों पर ना ही किसी दल का हस्तक्षेप है और ना ही नियंत्रण हां केवल कुछ पूर्व कार्यकर्ता राजनीतिक क्षितिज पर चमकते हुए दिखाई देते हैं उनके आधार पर लोग यह आकलन कर लेते हैं जबकि वास्तविकता तो यह है परिषद से जुड़ने वाले लाखों छात्रों में से कुछ लोग ही राजनीति में जाते हैं। अधिकतर लोग समाज के प्रति अपनी भूमिका निभाते हमे दिखाई देते हैं बस उनकी चर्चा राजनीति में गए लोगों की तरह नहीं होती।

आज परिषद से निकले कार्यकर्ता समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपने योगदान दे रहे हैं वे हर क्षेत्र में है पत्रकार हैं ,राजनेता है ,समाज सेवा में है चिकित्सक हैं ,इंजीनियर हैं व्यवसायिक है जिन लोगों को केवल राजनीतिक कार्यकर्ता दिखाई देते हैं उन्हें समाज जीवन में कार्य कर रहे अभाविप के अन्य कार्यकर्ताओं को भी देखना चाहिए।।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आज का छात्र आज का नागरिक है न केवल कहा अपितु से उसे साकार किया है 'छात्र शक्ति यह राष्ट शक्ति है 'इसे अभाविप ने सुनिश्चित किया है।आपातकाल के विरोध में सत्याग्रह एवं 10000 से अधिक छात्रों की गिरफ्तारी, पूर्वांचल में देश विरोधी वातावरण को बदलने के लिए युवा विकास की स्थापना एवं अंतर्राज्यीय छात्र जीवन दर्शन , भारत मेरा घर जैसे प्रकल्प जिनके परिणाम स्वरूप छात्रों में राष्टीय एकात्मकता का भाव विकसित हुआ कश्मीर हो या गोहाटी-अपना देश अपनी माटी,चेन्नई हो या अमृतसर-अपना देश अपना घर अभाविप के अधिवेशन के दौरान लगने वाले केवल नारे मात्र नहीं हैं बल्कि राष्टीय एकात्मकता के भाव को सिद्ध करने वाले मंत्र बन चुके हैं।

आंध्र प्रदेश में नक्सलवाद के विरोध में आंदोलन एवं नक्सलियों के हमलों 36 कार्यकर्ताओं के बलिदान के परिणाम स्वरूप आंध्र प्रदेश के परिसरों से नक्सलवाद का सफाया, बांग्लादेशी घुसपैठ के विरोध में, आंदोलन कश्मीर में तिरंगा फहराने को लेकर 1991 में उधमपुर में गिरफ्तारी ,परिसर बचाओ आंदोलन के माध्यम से लाखों की संख्या की अनुशासित रैलियां ,राष्टीय सुरक्षा को लेकर बिहार के किशनगंज में चिकन नेक पर प्रदर्शन इत्यादि ऐसे अनेक कार्य हैं जो अभाविप को देश की सर्वश्रेष्ठ छात्र संस्था स्थापित करते हैं।

अभाविप द्वारा शिक्षा के भारतीयकरण हेतु अभियान चलाया गया उसका परिणाम आज सामने आ रहा है देश की नई शिक्षा नीति उसी आंदोलन का परिणाम है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों को जोड़ने के लिए सृजन , डीपेक्स ,थिंक इंडिया , सविष्कार,

एग्री विज़न ,मेडीविजन, जिज्ञासा, विकासार्थ विद्यार्थी , कला संगम ,खेलो भारत उड़ान,साहसी जैसे कार्यक्रम चलाए हैं जो छात्रों को परिषद की ओर सहज ही आकर्षित करते है।।

स्वामी विवेकानंद जयंती,महारानी लक्ष्मी बाई जयंती,बाबा साहब अंबेडकर पुण्यतिथि,राष्टीय विद्यार्थी दिवस,एवं विकास चेतना सप्ताह अभाविप के राष्टीय स्तर के कार्यक्रम हैं जो केवल कार्यक्रम न होकर देश भर के छात्रों की जीवन दृष्टि प्राप्त करने का मध्यम बन रहे हैं।।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बात चले और स्वर्गीय यशवंत राव केलकर जी और स्वर्गीय मदन दास जी का स्मरण न हो यह कैसे संभव है स्वर्गीय मदन दास जी ने अपनी 22 वर्षों की संचार तपस्या से 1970 से लेकर 1992 तक राष्टीय स्तर पर पर अभाविप के कार्य का विस्तार किया स्वयं के लिए कठोर दूसरे के लिए उदार का साक्षात् उदाहरण थे मदन जी,सामूहिकता,अनामिकता पारस्परिकता यह मदन जी के व्यक्तिव की सहज विशेषता थीं जो अभाविप की कार्य पद्धति का हिस्सा बन गईं,देश भर में प्रवास करके आने के बाद पूरा वृत्त यशवंत राव जी एवं अन्य सहयोगियों को सुनाना परिणाम स्वरूप संगठन को दिशा देने वाले वरिष्ठ कार्यकर्ता देशभर की गतिविधि और कार्यकताओं को उतना ही जानते थे जितना मदन जी केंद्रीय टोली का हर सदस्य संगठन की गतिविधि से संपूर्ण रूप से परिचित रहता था यह मदन दास जी की विशेषता थी,संगठन में टीम या टोली की आंतरिक रचना मदन जी की देन है,उनके साथ सहयोगी की भूमिका में संगठन की आदर्श कार्यपद्धति को गढ़ने का कार्य प्राध्यापक यशवंत राव केलकर जी ने किया, यशवंत राव जी का एक वाक्य 'हम सभी अपूर्णांक हैं मिलकर पूर्णांक बनना है' अभाविप के पूर्व और वर्तमान कार्यकर्ताओं के लिए जैसे जीवन मंत्र है।गुणों की चर्चा सर्वत्र कमियों की यथा स्थान,रेड पेंसिल एप्रोच नहीं, पूर्व योजनाङ्कपूर्ण योजना,सभी महत्वपूर्ण है-अपरिहार्य कोई नहीं, सर्व स्पर्शी-सर्व व्यापी, मत अनेक निर्णय एक , टीम स्प्रिट ऐसे छोटे छोटे कथन जो अभाविप की कार्यपद्धति का हिस्सा बन कार्यकर्ताओं के दिलों में उतरते गए एवं जिनसे लाखों कार्यकर्ताओं को जीवन दृष्टि प्राप्त हुई।

यशवंत राव जी ने स्वयं के जीवन का आदर्श अभाविप के कार्यकर्ताओं एवं समाज के सम्मुख रखा,अभाविप स्वर्गीय यशवंतराव केलकर जी की स्मृति में -प्राध्यापक यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार भी देश के नौजवानों को प्रदान करती है।

समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे ऐसे 40 वर्ष से कम के युवा जो सामाजिक क्षेत्र में कुछ विशेष कार्य करते हैं उन्हें अभाविप के राष्टीय अधिवेशन में यह पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

जब इन पुरस्कार प्राप्त व्यक्तियों की सूची देखेंगे तो आश्चर्य चकित रह जायेंगे कोई गौ सेवा का कार्य कर रहा है,कोई कुष्ठ रोगियों की सेवा कर रहा है,किसी ने बांस की खेती से स्वरोजगार का सृजन किया है तो कोई संस्कृत के उत्थान के लिए कार्य कर रहा,कोई पॉलीथिन मुक्त भारत के लिए काम कर रहा है तो कोई ग्राम विकास के लिए कार्य कर रहा है,आई.आई.टी की पढ़ाई कर बहुराष्टीय कंपनी में काम न कर अपने छोटे से गांव में ही जैविक खेती कर स्वरोजगार का सृजन करने वाले भी यशवंत राव केलकर पुरस्कार से सम्मानित हुए हैं तो देह व्यापार करने वाली महिलाओं के उत्थान का कार्य करने वाले युवा भी सम्मानित होने वालों में हैं,मुंबई के स्टेशन पर भिक्षा वृति करने वाले बच्चों को शिक्षा देकर उनका जीवन परिवर्तित करने वाले युवाओं को भी अभाविप ने सम्मानित किया है।

यह वर्ष स्वर्गीय यशवंत राव केलकर जी का जन्मशताब्दी वर्ष भी है यशवंत राव जी जहां भी होंगे जब अभाविप के इस विस्तार को सुदृढ़ीकरण को देखते होंगे तो निश्चित ही उनकी आत्मा प्रसन्न होती होगी।।

स्वर्गीय मदन दास जी का राष्टीय स्वयं सेवक संघ में दायित्व आने के श्री दत्तात्रेय होसवले जी जो अब राष्टीय स्वयंसेवक संघ के माननीय सरकार्यवाह हैं ने अभाविप के राष्टीय संगठन मंत्री के रूप में अभाविप को एक नई ऊर्जा और दिशा दी उनके बाद श्री सुनील आंबेकर जी जो वर्तमान में संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख हैं ने अपने परिश्रम से परिषद को सींचा वर्तमान में श्री आशीष जी चव्हाण राष्टीय संगठन मंत्री के रूप में छात्रशक्ति को राष्ट शक्ति बनाने में अहर्निश प्रयत्न रत हैं स्व.मदन जी से लेकर आशीष जी तक के साथ में अब तक हजारों पूर्णकालिक कार्यकर्ता मन मस्त फकीरी धारी है अब एक ही धुन जय जय भारत के भाव से भारत माता की सेवा में जुटे रहे हैं।।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की यह यात्रा लगातार जारी है, समर्थन विरोध की राजनीति में न पड़ते हुए,जयङ्कपराजय लाभ हानि की चिंता ना करते हुए ,संपूर्ण छात्र जगत एवं समाज के सामने ज्ञान का दीप जलाकर शील रूपी सुमन खिलाते हुए एकता का अलख अभाविप ने जगाया है राष्टीय पुनर्निर्माण के कार्य में छात्र शक्ति और यशस्वी हो 77 वे स्थापना दिवस पर यही शुभकामना है।

(लेखक मप्र कार्य समिति सदस्य भाजपा के सदस्य हैं)।

अपने शरीर की सुनें

(अक्षय शुक्ला)

एक हैं मिस्टर एक्स। दफ्तर के बाहर अक्सर टकरा जाते हैं। जब भी मिलते हैं किसी न किसी मसले पर किसी न किसी को कठघरे में खड़ा करते रहते हैं। उन्हें हर किसी से शिकायत रहती है। उनके साथ थोड़ा ज्यादा वक्त बिता लें तो लगेगा कि दुनिया में कुछ भी सही नहीं है। इस बार मिले तो अचानक गिरकर होने वाली मौत पर अपना गुस्सा जताने लगे। कर्नाटक के हासन ज़िले का उदाहरण देते हुए बोले, देखिए कोविड का टीका कैसे लोगों की जान ले रहा है। वहां एक महीने में 20 से अधिक लोगों की कार्डिएक अरेस्ट यानी दिल की धड़कन अचानक रुकने से मौत हो गई, जिनमें अधिकांश युवा हैं।

वह इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और एम्स की यह बात मानने को तैयार ही नहीं कि वैक्सीन का इन मौतों से कोई संबंध नहीं। कोरोना संक्रमण ने शरीर पर असर किया है, वैक्सीन ने तो जान बचाने का काम किया है।

हमने कहा कि डॉक्टर्स भी लगातार चेता रहे हैं कि कोविड के बाद हमें और संभलकर रहने की ज़रूरत है, लेकिन लोग अपनी सेहत को लेकर पहले की तरह बेपरवाह हो चुके हैं।

हमारी बातें सुन मुंह बनाते हुए उन्होंने दुकानदार से समोसा, चाय बनने तक एक और सिगरेट मांग ली। हमने सोचा कि ये जनाब खुद अपनी सेहत को लेकर इतने लापरवाह हैं कि इतने प्रदूषित शहर में रहने के बाद भी चेन स्मोकर हैं और दिनभर बाहर का तला हुआ खाते रहते हैं, लेकिन दोष वैक्सीन, सरकार और अस्पतालों को दे रहे।

देखिए, यह बात सही है कि युवाओं की ऐसी अकस्मात मौत की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिसे लेकर चिंता वाजिब है। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि इसके लिए बहुत से फैक्टर ज़िम्मेदार हैं, सिर्फ टीके पर दोष मढ़ देना इन मौतों को बहुत हल्के में लेना हो जाएगा।

मेडिकल एक्सपर्ट्स इसके लिए खराब जीवनशैली को काफी हद तक ज़िम्मेदार बता रहे हैं। वर्क प्रेशर, लगातार बैठकर काम करने, पैदल न चलने, नींद पूरी न होने, जंक फूड और स्मोकिंग की वजह से आज कम उम्र में ही युवा ब्लड प्रेशर, शुगर, कॉलेस्ट्रॉल जैसी लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।

अभी कुछ दिन पहले फोर्ब्स 30 अंडर 30 की लिस्ट में शामिल युवा सीईओ हर्ष मैकवान का एक पोस्ट काफी चर्चा में आया था, जो उन्होंने अस्पताल में अपने बेड से लिखा था। यंग प्रफेशनल्स को संबोधित करते हुए हर्ष ने लिखा कि हाल में मैं उस स्थिति में पहुंच गया, जिसकी इतनी कम उम्र में मुझे उम्मीद नहीं थी। मेरे सीने में तेज़ दर्द हुआ, सांस फूलने लगी, बायां हाथ सुन्न हो गया और कुछ देर में मैं अस्पताल में था।उन्होंने लिखा, महत्वाकांक्षा में मैंने थकान और तनाव को नज़रंदाज़ कर सिर्फ डेडलाइन पर फोकस किया लेकिन एक दिन मेरे शरीर ने कह दिया, बस बहुत हुआ। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि मौत को करीब से देखने के बाद अहसास हुआ कि जीवन से बढ़कर कुछ नहीं, इसलिए काम से पहले अपनी सेहत पर ध्यान दें क्योंकि आपका दिल मशीन नहीं। फोन बंद करें, आराम करें और उन पर फोकस करें जो सबसे ज्यादा मायने रखते हैं, आप और आपके प्रियजन।

हालांकि हर्ष को भी यह बात झटका खाने के बाद समझ में आई। खैर, उन्हें तो ज़िंदगी ने एक मौका दे दिया, पर शरीर के संकेतों को अनसुना करने वाले सब इतने खुशनसीब नहीं। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

बारिश का कहर: प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता?

हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, और पूर्वोत्तर के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन, बादल फटना, पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है।

(ललित गर्ग)

यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगोती है, तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली, नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता-मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है।

2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जमींदोज़ हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में 'ऑल वेदर रोड', हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई। नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं, इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव, पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे।

पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में ज़बरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं-अनियंत्रित पहाडों की कटिंग और खुदाई, बढ़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्याधिक क्षरण। सरकारी निर्माण एजेंसियां अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में ताश के पत्तों की तरह ढह जाते हैं। राष्टीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेताते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी, निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूर्ति भर की जाती है। चार धाम यात्रा मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए कि पहाड़ों को काटने की बजाय टनल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएं, लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे उलट है।

निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का विनाश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं, आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली-पानी की सुविधाएं बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुँचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत कैंपों में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नज़र जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण, मुआवज़े की घोषणाएं, और 'हम साथ हैं' जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है, पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्य अधर में लटकते हैं।

निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बढ़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए, हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर ज़मीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हो। वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्स्थापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य ज़मीनी ज़रूरतों और जोखिमों के अनुसार हो।

हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। पर्वतीय जीवन में तबाही के पीछे केवल प्रकृति नहीं, हमारी नीति, नियत और विकास का वह मॉडल ज़िम्मेदार है जो केवल तात्कालिक लाभ और मुनाफे पर केंद्रित है। हम पहाड़ों को केवल पर्यटक स्थल या परियोजना-स्थल की दृष्टि से न देखें, बल्कि वहां के पर्यावरण, संस्कृति और जीवन पद्धति को समझें और संरक्षण का दायित्व लें। नहीं तो हर बारिश के साथ पहाड़ों से जीवन खिसकता जाएगा और एक दिन यह संकट केवल स्थानीय न रहकर राष्टीय बन जाएगा। दरअसल, पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं कि यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ, वैसे हादसें होते ही रहेंगे और उनका दोष प्रकृति पर मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी। बात केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें, लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करें और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बन सकते।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नगर आयुक्त आवास पर महिलाओं का प्रदर्शन, लगाए नारे– पानी दो पैसा लो, हाउस टैक्स वापसी करो

मेरठ। नगर निगम की कार्यशैली से परेशान मोहनपुरी वार्ड 44 के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। मोहनपुरी में काफी समय से चल रही पानी की समस्या और हाउस टैक्स को लेकर लोगों ने नगर आयुक्त के आवास पर पहुंचकर प्रदर्शन किया। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि पिछले कई महीनों से क्षेत्र में नियमित पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। हैंडपंप सूखे पड़े हैं और टैंकर भी समय पर नहीं आते। दूसरी ओर, नगर निगम की ओर से हाउस टैक्स की वसूली के लिए नोटिस लगातार भेजे जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जब बुनियादी सुविधाएं ही नहीं मिल रही हैं, तो टैक्स क्यों वसूला जा रहा है? लोग पानी दो पैसा लो, हाउस टैक्स वापसी करो जैसे नारे लगाते रहे। नगर आयुक्त के आवास के बाहर पुलिस तैनात की गई और अधिकारियों ने लोगों को शांत कर तत्काल शिकायतों को सुनने का आश्वासन दिया।

अंतर्राज्यीय असलाह तस्कर गिरफ्तार,कब्जे से पिस्टल और मैगजीन बरामद

मेरठ। ऑपरेशन शस्त्र अभियान के अन्तर्गत स्वाट टीम नगर व थाना लिसाडी गेट पुलिस अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 6 अवैध पिस्टल व 12 मैगजीन व एक मोटरसाइकिल बरामद की है। डीआईजी मेरठ द्वारा चलाये जा रहे आपरेशन शस्त्र अभियान व अपराध नियन्त्रण एंव वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के क्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना लिसाडी गेट अपनी पुलिस टीम व स्वाट टीम नगर द्वारा मुखबिर की सूचना पर असलाह तस्कर साजिद उर्फ पिस्टल पुत्र शमशाद निवासी मिनार मस्जिद के पास समर गार्डन थाना लिसाडी गेट जनपद मेरठ हाल पता काशीराम कालोनी थाना लोहियानगर जनपद मेरठ को 6 अवैध पिस्टल और 12 मैंगजीन के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को इस अन्तराजीय गिरोह की काफी समय से तलाश थी। बरामदगी और गिरफ्तारी के सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस ने शराबियों के खिलाफ चलाया चेकिंग अभियान, मचा हड़कंप

मेरठ। पुलिस ने खुले में शराब पीने वालों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पकड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। एसएसपी के आदेश पर जिले में नशे के विरुद्ध जनहित में सख्त अभियान चलाया गया। सार्वजनिक स्थानों, ढाबों, शराब के ठेकों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर खुलेआम शराब पीने, उपद्रव करने या कानून-व्यवस्था में बाधा डालने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान संचालित किया गया। इस अभियान के तहत सभी सीओ एवं थाना प्रभारी ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में अभियान की कमान संभाली। संवेदनशील स्थलों पर पैनी निगरानी रखते हुए प्रभावी चेकिंग की गई। पुलिस टीमों ने ऐसे स्थलों पर जाकर चेकिंग की जहां पर खुलेआम शराब पीकर उपद्रव की आशंका बनी रहती है। कई स्थानों पर खुले आम शराब पीते पाए गए व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई भी की गई। संबंधित धाराओं में चालान किए गए। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक स्थलों पर असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखी गई तथा आमजनमानस को निर्भीक वातावरण देने हेतु पुलिस की उपस्थिति को सघन रूप से दशार्या गया। पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। आमजन से अनुरोध है कि वे सार्वजनिक स्थलों पर अनुशासन एवं मयार्दा बनाए रखें। कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही की जाएगी।

धोखाधड़ी से फर्जी कागजात तैयार कर ओला कैब की साईट पर कराते थे फर्जी गाड़ियां रजिस्टर्ड, दो गिरफ्तार

मेरठ। थाना मेड़िकल पुलिस व स्वाट टीम की संयुक्त कार्यवाही में एम-परिवहन ऐप से डाटा लेकर धोखाधडी से फर्जी कागजात तैयार कर ओला कैब की साईट पर स्वय को आपरेटर दिखाकर फर्जी गाडियां को रजिस्टर्ड करने वाले दो शातिर अभियुक्त गिरफ्तार किए गए हैं। उनके कब्जे से दो कार व पांच मोबाईल बरामद किए गए हैं। थाना मेडिकल व स्वाट टीन नगर की संयुक्त कार्यवाही में मुखबिर की सूचना पर थाना मेडिकल पर पंजीकृत मुकदमा के फरार अभियुक्त फैजल और नमन को गुर्जर चौक से गिरफ्तार किया गया है।

पूछताछ पर ज्ञात हुआ कि मुकदमा वादी किशोर शर्मा ने अपनी गाडी नम्बर UP-15-ET-8032 स्विफ्ट डिजायर व राहुल कुमार गाड़ी नम्बर UP-15-HT-5276 स्विफ्ट डिजायर व मनोज कुमार जिनकी गाडी नम्बर UP-15-HT-5275 स्विफ्ट डिजायर व विकास पंवार गाडी नम्बर UP-15-GT-5554 औरा UP-15-DT-9896 स्विफ्ट डिजायर अपनी-अपनी गाड़ी एसबीआई बैंक जनरल ऑफिस गढ़ रोड मेरठ में टैक्सी के रूप में चलाते हैं। उपरोक्त व्यक्तियों द्वारा दिनांक 23.05.2025 को OLLA CAB की साईट पर रजिस्टर्ड कराने की कोशिश की और इन लोगों ने अपनी-अपनी गाड़ी का विवरण OLLA CAB की साईट पर डाला तो सभी गाड़ियां ओला कैब की साईट पर पूर्व से रजिस्टर्ड पायी गयी।

जब गूगल के माध्यम से ओला कैब की साईट पर जानकारी की तो उपरोक्त गाड़ियां व और अन्य गाड़ियां को ओला कम्पनी पर पंजीकृत करके फैजल, कादिर, सचिन, कुलदीप, लवकुश, नमन आदि के मोबाइल नम्बरो पर रजिस्टर्ड होना पायी गयी। इन लोगों द्वारा एसबीआई जोनल ऑफिस के पास बैठकर एसबीआई जोनल ऑफिस में आने जाने वाली गाड़ियों के नम्बर नोट कर एम-परिवहन ऐप से डाटा लेकर धोखाधडी करके फर्जी कागजात तैयार कर ओला कैब की साईट पर स्वयं को ऑपरेटर दिखाकर गाड़ियों को रजिस्टर्ड करके भारी कमीशन प्राप्त की गयी है। इस गैंग का सरगना नमन उर्फ नरेन्द्र है इसके द्वारा ही एम-परिवहन एप का प्रयोग कर फर्जी कागज तैयार कर बेचा जाता है।

जुआ खेलते सात आरोपी मय नकदी और ताश की गड्डी के साथ गिरफ्तार

मेरठ। थाना सिविल लाईन पुलिस द्वारा जुआ खेलते हुए सात आरोपी गिरफ्तार किए हैं। आरोपियों के कब्जे से 14,620 रुपये नकद व ताश की तीन गड्डी बरामद की है। थाना सिविल लाईन पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर रोहित पुत्र ओमवीर सिंह निवासी- जे0 ब्लाक पाण्डव नगर थाना सिविल लाइन मेरठ, सुनील पहाडी पुत्र रुद्र बहादुर निवासी- संजय नगर थाना सिविल लाइन मेरठ, राहुल शर्मा पुत्र प्रेमचन्द शर्मा निवासी संजय नगर थाना सिविल लाइन मेरठ, सचिन सिंह पुत्र मानसिंह निवासी संजय नगर मेरठ, राजेश पुत्र जगदीश चन्द्र निवासी 101/41 गांधी नगर सूरजकुण्ड थाना नौचंदी मेरठ, मोहन पुत्र देवी दयाल निवासी जे0 ब्लाक पाण्डव नगर थाना सिविल लाइन मेरठ और राजू पुत्र मानचन्द्र निवासी संजय नगर थाना सिविल लाइन मेरठ को 23.10 बजे जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से तीन ताश की गड्डी व 14620 रुपये बरामद किये गये हैं।

हत्या के आरोपी को कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

मेरठ। ऑपरेशन कनविक्शन के तहत थाना परीक्षितगढ़ पुलिस की प्रभावी पैरवी से हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा कोर्ट ने सुनाई है। थाना परीक्षितगढ़ क्षेत्रान्तर्गत वर्ष 2022 में घटित हत्या के एक जघन्य मामले में थाना पुलिस द्वारा की गई विवेचना एवं प्रभावी न्यायालयीय पैरवी के फलस्वरूप न्यायालय द्वारा आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। घटना विवरण के अनुसार दिनांक 21.03.2022 को वादी दयाचन्द पुत्र रंजीत सिंह निवासी ग्राम नारंगपुर, थाना परीक्षितगढ़ मेरठ की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। जिसमें नामजद अभियुक्त राजेश उर्फ राजे पुत्र रामवीर द्वारा हत्या की घटना को अंजाम दिया गया था। दिनांक 24.03.2022 को अभियुक्त द्वारा न्यायालय में आत्मसमर्पण किया गया। अभियुक्त की निशानदेही पर आलाकत्ल बरामद कर संपूर्ण विवेचना, साक्ष्य, घटनास्थल निरीक्षण, अभियुक्त का बयान एवं बरामदगी के आधार पर अभियोग साबित होने पर थाना परीक्षितगढ़ पुलिस द्वारा समय से दोनों मामलों में आरोप पत्र प्रेषित किया गया। ऑपरेशन कनविक्शन अभियान के तहत की गई पैरवी के फलस्वरूप जिला एवं सत्र न्यायालय द्वारा निर्णय पारित करते हुए अभियुक्त राजेश उर्फ राजे को आजीवन कारावास व 20 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है।

कांवड़ यात्रा के दौरान रेंज के जनपदों में संचार व्यवस्था दुरूस्त करने को डीआईजी ने ली बैठक

मेरठ। सावन में कांवड़ यात्रा के दौरान सुदृढ संचार व्यवस्था स्थापित करने के दृष्टिगत मेरठ रेंज के जनपदों को उपलब्ध कराये गये संचार साधनों के सम्बन्ध में डीआईजी कलानिधि नैथानी ने आज अपर राज्य रेडियो अधिकारी विनोद कुमार सिंह के साथ रेंज के जनपदों में स्थापित किये गये संचार उपकरणों के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की। इस दौरान आरएसआई, रेंज कन्ट्रोल रूम प्रभारी, कांवड़ सेल प्रभारी उपस्थित रहे। इस दौरान डीआईजी ने रेंज के सभी जिलों के कंट्रोल रूम को दिशा निर्देश जारी किए। जिसमें सभी जनपद 'प्रत्येक घंटे' पर कांवड़ यात्रा की कुशलता रेंज कन्ट्रोल को नोट करायेंगे। जनपदों द्वारा कांवड़ियों से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की छोटी से छोटी घटना की सूचना तत्काल सम्बन्धित अधिकारियों को देते हुए रेंज कन्ट्रोल को नोट कराई जायेगी। पूर्व से अधिष्ठापित आरटी सेटो को चैक कर सुदृढ संचार व्यवस्था स्थापित की गई है एवं थानो का कंट्रोल रूम से सीधा संचार सम्पर्क स्थापित किया गया है तथा वायरलैस बेस्ड पीए सिस्टम क्रियाशील किये गये है। सीसीटीवी कंट्रोल रूम व यूपी 112 कन्ट्रोल रूम से सीधा सम्पर्क रहेगा। यूपी 112 व इन्टीग्रेटेड कमांड सेन्टर का आपस में समन्वय रहेगा। सूचना प्राप्त होने पर जोनल/ सैक्टर, चौकी का फोर्स, कांवड मोबाईल, क्यूआरटी तथा एम्बूलेंस तत्काल मौके पर भेजी जायेगी। मोबाईल दस्ता के रूप में परिक्षेत्र के चारो जनपदों में '263 फोर व्हीलर व 288 टू व्हीलर' गाडिया लगाई गई है। जिसमें जनपद मेरठ में 115 फोर व्हीलर, 55 टू व्हीलर, बुलन्दशहर में 78 फोर व्हीलर व 102 टू व्हीलर, जनपद बागपत में 48 फोर व्हीलर व 72 टू व्हीलर तथा जनपद हापुड में 22 फोर व्हीलर व 59 टू व्हीलर गाडियां लगाई गई है। परिक्षेत्रीय जनपदों को मांग के अनुसार संचार उपकरण उपलब्ध कराये गये हैं। जनपद में विद्यमान के अतिरिक्त जनपद मेरठ को रिपीटर सैट, बागपत को 53 स्टैटिक/ मोबाईल सैट तथा 46 हैण्ड हेल्ड सेट, जनपद हापुड को 18 स्टैटिक/ मोबाईल सैट व 35 हैण्ड हेल्ड सेट तथा जनपद बुलन्दशहर को 12 स्टैटिक/ मोबाईल सैट उपलब्ध कराये गये है। जिनके संचालन हेतु मांग के अनुसार जनपद मेरठ को 14, बागपत को 14, हापुड को 03 व बुलन्दशहर को 05 रेडियो निरीक्षक, आरएसआई/प्रधान परिचालक/ सहायक परिचालक बाह्य जनपदों से ड्यूटी हेतु उपलब्ध कराये गये हैं।

रेज के जनपद मेरठ में 'बाबा औघडनाथ मंदिर' एवं 'बचत भवन' में 'सब-कन्ट्रोल' स्थापित किया गया है। जिस पर जनपद स्तर से 15 एवं बाह्य जनपद से 14 रेडियो निरीक्षक, आरएसआई/ प्रधान परिचालक/ सहायक परिचालक की ड्यूटी लगाई गई है। जनपद बागपत में 'पुरा महादेव मंदिर, चौकी बरनावा थाना बिनौली, चौकी सरूरपुर थाना बागपत, चौकी दाहा थाना दौघट, कर्मशाला पुरामहादेव पर कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसके संचालन हेतु जनपद स्तर से 15 तथा बाह्य जनपदों से 14 रेडियो उपनिरीक्षक, आरएसआई/ प्रधान परिचालक/ सहायक परिचालक की ड्यूटी लगाई गई है।

जनपद बुलन्दशहर में बराल थाना गुलावटी, भीमपुर दोराहा थाना डिबाई तथा अम्बकेश्वर मंदिर अहार पर सब कन्ट्रोल स्थापित किया गया है। जिसके संचालन हेतु जनपद स्तर से 14 तथा बाह्य जनपदों से 05 रेडियो उपनिरीक्षक, आरएसआई/ प्रधान परिचालक/ सहायक परिचालक की ड्यूटी लगाई गई है।जनपद हापुड में ब्रजघाट, सबली मंदिर थाना हापुड नगर, आजमपुर देहपा शिव मंदिर थाना पिलखुवा, छपकौली शिवमंदिर थाना बाबूगढ पर सब कंट्रोल तथा इन्टीग्रेटिड कलैक्ट्रेट कन्ट्रोल रूम* स्थापित किया गया है। जिसके संचालन हेतु जनपद स्तर से 15 तथा बाह्य जनपदों से 03 रेडियो उपनिरीक्षक, आरएसआई/ प्रधान परिचालक/ सहायक परिचालक की ड्यूटी लगाई गई है।

20 पव्वा मिस इंडिया के साथ शराब तस्कर गिरफ्तार

मेरठ। थाना खरखौदा पुलिस द्वारा 20 पव्वा अवैध शराब के साथ एक शराब तस्कर गिरफ्तार किया गया है। जनपद में अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत एसपी देहात व सीओ किठौर के निर्देशन में थाना खरखौदा पुलिस ने चेकिंग के दौरान इमरान खान पुत्र मुस्ताक अली निवासी ग्राम गोविन्दपुरी थाना खरखौदा, मेरठ उम्र करीब 37 वर्ष को अतराडा पीर के पास गंगा एक्सप्रेस वे अन्डर पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 20 पव्वे देशी शराब मिस इण्डिया मार्का नाजयाज बरामद हुये हैं। बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरूद्ध थाना खरखौदा पर आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया है। थाना खरखौदा पर अभियुक्त के विरूद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का ईनामी बदमाश गोली लगने से घायल

मेरठ। थाना गंगानगर पुलिस द्वारा पुलिस मुठभेड के दौरान हत्या के प्रयास में वांछित 25 हजार रुपए का ईनामी अभियुक्त गोली लगने से घायल हो गया है। उसके कब्जे से तमंचा और कारतूस बरामद किया गया है। थाना गंगानगर पुलिस द्वारा ललसाना चौराहे पर चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान पल्लवपुरम की तरह से एक संदिग्ध व्यक्ति बाइक से आते हुए दिखाई दिया। जिसे पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास किया तो अभियुक्त द्वारा पुलिस पर जान से मारने की नियत से फायर कर भागने लगा। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ फायरिंग की गयी। जिसमें अभियुक्त के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। घायल अभियुक्त की पहचान अविनाश उर्फ झटका पुत्र धर्मेन्द्र निवासी ग्राम बली थाना परीक्षितगढ जनपद मेरठ के रूप मे हुई है। अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है। जो थाना गंगानगर के में 25 हजार रुपए का ईनामी अभियुक्त है। घायल अभियुक्त को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभियुक्त से अवैध शस्त्र व वाहन बरामद किया गया है। अभियुक्त के विरूद्ध थाना गंगानगर पर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

चोरी के माल सहित दो आरोपी पुलिस ने दबोचे

मेरठ। थाना परतापुर पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर रेलवे फाटक की ओर रेपिड मेट्रो लाइन के नीचे स्थित रास्ते से चोरी के दो आरोपी माल सहित गिरफ्तार किए हैं। अभियुक्तगण के विरूद्ध विधिक कार्यवाही कर समय से न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम गोपाल सिंह पुत्र जगनारायण सिंह निवासी मसरख, थाना मसरख, छपरा, बिहार हाल निवासी ब्रज विहार कॉलोनी, थाना परतापुर, मेरठ उम्र 32 वर्ष और सौरभ पुत्र रविन्द्र चौधरी निवासी मीरपुर, थाना रोहटा, मेरठ हाल निवासी ब्रज विहार कॉलोनी, थाना परतापुर, मेरठ उम्र 26 वर्ष हैं। आरोपियों के पास से 13 पेटी परम्परा ब्रांड रिफाइंड तेल बरामद हुआ है।

कांग्रेस ने प्रदेश सरकार और मेरठ प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप, कांवड़ यात्रा को लेकर घेरा

मेरठ। महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रंजन शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष अवनीश काजला, पूर्व अध्यक्ष जाहिद अंसारी, प्रवक्ता हरिकिशन अंबेडकर,सलीम खान आदि नेताओं ने आज पत्रकार वार्ता के माध्यम से प्रदेश सरकार और मेरठ प्रशासन की कार्यशैली को लेकर गहरी नाराजगी व्यक्त की और गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेसी नेताओं का आरोप था कि जनपद में आम जनता की समस्याएँ लगातार बढ़ रही हैं। लेकिन उन्हें उठाने की कोशिशों को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल द्वारा उत्तर प्रदेश के डीजीपी और प्रमुख सचिव गृह से जनहित के मुद्दों पर चर्चा हेतु समय मांगा गया था, किंतु उन्हें समय नहीं दिया गया, जो कि लोकतांत्रिक संवाद की अनदेखी है। कांग्रेस नेता ने निम्नलिखित मुद्दों को लेकर प्रशासन को घेराः

1. कांवड़ यात्रा की तैयारियों में आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर शिव भक्त कावड़िया की सुरक्षा, पेयजल, चिकित्सा और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भारी चिंताएं हैं। कांग्रेस ने श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु तत्काल आवश्यक कदम उठाने की मांग की।
2. जीआरएस सर्वे के नाम पर नगर निगम द्वारा हाउस टैक्स में भारी वृद्धि कांग्रेस पार्टी ने इसे मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों पर आर्थिक अत्याचार करार दिया है। यह निर्णय जनविरोधी है और इसे अविलंब वापस लिया जाना चाहिए।
3. रात 11:00 बजे बाजार बंद कराने का निर्णय मेरठ प्रशासन द्वारा लिया गया यह निर्णय व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए असुविधाजनक है। यह शहर की अर्थव्यवस्था और छोटे व्यापारियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। कांग्रेस इस आदेश को तत्काल रद्द करने की मांग करती है।
4. बरसात से पहले नालों की सफाई न होना समय रहते सफाई न होने से शहर जलभराव की चपेट में है, जिससे नागरिकों को भारी कठिनाइयों और बीमारियों के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। यह नगर निगम की घोर लापरवाही का प्रतीक है।
5. अतिक्रमण के नाम पर छोटे दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों का उत्पीड़न कांग्रेस पार्टी ने बिना वैकल्पिक व्यवस्था के इस कार्रवाई को अमानवीय बताया। रोजी-रोटी कमाने वालों के साथ यह व्यवहार अन्यायपूर्ण है।
6. निजी स्कूलों द्वारा गरीब बच्चों को दाखिला न देना झ फ्ळए का उल्लंघन शिक्षा के अधिकार कानून के तहत गरीब बच्चों को दाखिला दिया जाना अनिवार्य है। निजी स्कूलों द्वारा इस कानून की खुलेआम अवहेलना की जा रही है,

किशोरी को बहला फुसलाकर भगाने का आरोपी गिरफ्तार

मेरठ। थाना जानी पुलिस द्वार अपहरण की घटना मामले में फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार किया गया है। थाना पर एक व्यक्ति ने लिखित सूचना दी कि उसकी नाबालिक पुत्री उम्र करीब 16 वर्ष को शनि पुत्र विनोद निवासी ग्राम हरनाथपुर कोटा थाना बाबूगढ़ जनपद हापुड़ से बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया ले गया है। सूचना के आधार पर थाना जानी पर शनि पुत्र विनोद निवासी ग्राम हरनाथपुर कोटा थाना बाबूगढ़ जनपद हापुड़ पंजीकृत किया गया। सीसओ सरधना के पर्यवेक्षण में थाना जानी पुलिस ने वांछित अभियुक्त शनी पुत्र विनोद निवासी ग्राम हरनाथपुर कोटा थाना बाबूगढ़ हापुड़, उम्र 22 वर्ष को सिसौला कट गंगनहर पटरी के पास से गिरफ्तार कर लिया है। माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

जिला कारागार में किया बेल के पौध का रोपण

मेरठ। सर्वहित संस्था द्वारा जिला कारागार में एक वृक्ष मां के नाम अभियान के तहत पौध रोपण किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त संस्था सर्वहित कल्याण सेवा समिति की डॉ. मधु वत्स द्वारा जिला कारागार मेरठ में बेल के पौध का रोपण किया गया। प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प एक पेड़ मां में नाम कार्यक्रम का आयोजन डॉ. मधु वत्स अध्यक्ष द्वारा किया गया। इसी के साथ महिला बंदियों के लिए प्रशिक्षण सत्र प्रारंभ किया। इस अवसर पर अवनीश सिंह जेलर, हरबंश पांडेय जेलर, अलका सिंह डिप्टी जेलर, सर्वहित कॉर्डिनेटर शिप्रा रस्तोगी और शिवानी आदि मौजूद रहे।

रंग संसार

सास भी कभी बहू थी और तुलसी का किरदार सिर्फ ट्रेंड नहीं, बना परंपरा- स्मृति ईरानी

मुंबई। अभिनेत्री और राजनेता स्मृति ईरानी एक बार फिर से टीवी सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी में तुलसी विरानी के किरदार में वापसी कर रही हैं। इस शो ने पहले भारतीय टीवी पर लंबे समय तक राज किया था। शो के प्रभाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह शो एक पॉप-कल्चर बन गया था। लोग तुलसी जैसे किरदारों से जुड़ाव महसूस करते थे। शो और यह किरदार एक ट्रेंड नहीं, बल्कि लोगों के घरों की परंपरा बन गयी थी।स्मृति ईरानी ने कहा कि भले ही यह शो कई साल पहले आया था, लेकिन लोग आज भी इसे याद करते हैं और पसंद करते हैं। यह सीरियल और तुलसी का किरदार लाखों भारतीयों के दिलों में अपनी एक खास जगह बना चुके हैं। उन्होंने शो के बारे में बात करते हुए कहा, जब मैंने पहली बार तुलसी का किरदार निभाना शुरू किया, तब मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि उसकी कहानी इतनी दूर तक जाएगी। यह कहानी सिर्फ लोगों के घरों तक नहीं, बल्कि लाखों भारतीयों के दिलों तक पहुंची। तुलसी सिर्फ एक किरदार नहीं थी।वह लोगों के लिए एक बेटी, एक मां और एक दोस्त बन गई। बहुत से लोगों ने उसमें अपनी ताकत, त्याग और विश्वास की झलक देखी। एक्ट्रेस ने कहा कि साल 2000 के आस-पास, जब सोशल मीडिया या हैशटैग जैसी चीजें नहीं थीं, तब भी क्योंकि सास भी कभी बहू थी इतना मशहूर हुआ कि वह सिर्फ एक ट्रेंड नहीं रहा, बल्कि लोगों के घरों की परंपरा बन गया। उन्होंने आगे कहा, इस शो ने कामयाबी के सारे रिकॉर्ड तोड़े, सिर्फ नंबरों से नहीं, बल्कि लोगों की भावनाओं से। परिवार के सभी सदस्य अपना सब काम छोड़कर एक साथ बैठकर यह शो देखते थे।तुलसी के नाम पर घरों में बहस होती थी, हंसी होती थी, आंसू बहते थे। जब मैं टीवी से चली भी गई, तब भी तुलसी लोगों के दिलों में जिंदा रही। लोग मुझे मेरे असली नाम स्मृति से नहीं, बल्कि तुलसी कहकर बुलाते रहे, क्योंकि तुलसी सिर्फ टीवी पर नहीं, बल्कि लोगों की यादों, आदतों और घरों का हिस्सा बनी। ऐसी पहचान कोई स्क्रिप्ट से नहीं मिलती, ये तो लोगों का प्यार होता है, जो हाथ जोड़कर और दिल से आभार के साथ स्वीकार करना पड़ता है।

राज काज

संजोग गुप्ता आईसीसी के नए सीईओ नियुक्त

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने संजोग गुप्ता को अपना सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की है। आईसीसी के सातवें सीईओ बनने जा रहे संजोग सोमवार को पदभार ग्रहण करेंगे। आईसीसी ने नए सीईओ का ऐलान करते हुए कहा, आईसीसी संजोग गुप्ता का स्वागत करता है। वह क्रिकेट की वैश्विक यात्रा को एक परिवर्तनकारी भविष्य की ओर लेकर जाने की तैयारी कर रहे हैं। आईसीसी ने मार्च में वैश्विक भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी। इस पद के लिए 25 देशों से 2,500 से अधिक आवेदन आए थे।उम्मीदवारों में स्पोर्ट्स गवर्निंग बॉडी से जुड़े लीडर्स से लेकर विभिन्न क्षेत्रों के सीनियर कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव शामिल थे। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि संजोग गुप्ता को आईसीसी का सीईओ नियुक्त किया गया है। संजोग के पास खेल रणनीति और व्यावसायीकरण का व्यापक अनुभव है, जो आईसीसी के लिए अमूल्य होगा। ग्लोबल स्पोर्ट्स और मीडिया एंड एंटरटेनमेंट (एमएंडई) के क्षेत्र में उनकी गहरी समझ, क्रिकेट फैंस के नजरिए को जानने की उनकी निरंतर जिज्ञासा और तकनीक के प्रति उनका जुनून, यह सभी आने वाले वर्षों में हमारे खेल को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षा में बेहद अहम साबित होंगे। जय शाह ने कहा कि हमारा लक्ष्य पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़कर क्रिकेट को ओलंपिक जैसे मंच पर एक नियमित खेल के रूप में स्थापित करना है, ताकि यह दुनियाभर में और अधिक फैल सके और अपने प्रमुख बाजारों में और गहरी जड़ें जमा सके। जय शाह ने कहा, हमने इस पद के लिए कई उम्मीदवारों के नाम पर विचार किया, लेकिन नॉमिनेशन कमिटी ने सर्वसम्मति से संजोग गुप्ता की सिफारिश की। आईसीसी बोर्ड के डायरेक्टर उनके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। मैं आईसीसी में सभी की ओर से उनका स्वागत करता हूं। आईसीसी की एचआर और रैम्यूनरेशन कमेटी ने 12 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया था, जिनकी प्रोफाइल नॉमिनेशन कमिटी के साथ साझा की गईं। इस कमिटी में आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा, ईसीबी के चेयरमैन रिचर्ड थॉम्पसन, श्रीलंका क्रिकेट के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया शामिल थे।

दैनिक राशिफल 09 बुधवार जुलाई, 2025

मेष – मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

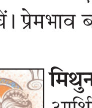

वृष – दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

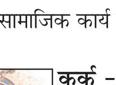

मिथुन – घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

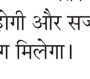

कर्क – सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह – कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग।

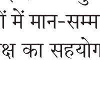

कन्या – आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढड्ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा

तुला – आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ड्ढषचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक – कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

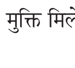

धनु – यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

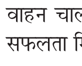

मकर – मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी।

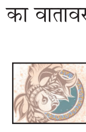

कुम्भ – परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी।

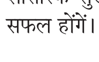

मीन – अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगें। सुख-आनंद कारक समय है।

दैनिक पंचांग

9 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.57 बजे से
चंद्र	धनु में	सिंह	08.13 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.25 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.36 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.51 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.07 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.12 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.58 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.31 बजे से
		मेष	00.02 बजे से
		वृष	01.42 बजे से
		मिथुन	03.40 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2025 वर्ष का 190 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 01.37 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र मूल 04.50 बजे प्रात: को समाप्त।
योग ब्रह्म 22.09 बजे को समाप्त।
करण गर 13.12 बजे तदनन्तर वणिज 01.37 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 13.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 21'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872400
जूलियन दिन 2460865.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 13

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

ऊँचागांव समिति पर यूरिया वितरण के दौरान किसानों का हंगामा

❐ समिति पर एक माह पश्चात यूरिया पहुंचने की सूचना पर उमड़ पड़ी किसानों की भीड़

❐ मौके पर पहुंची पुलिस ने हंगामा कर रहे किसानों को समझा-बुझाकर किया शांत

कैराना। ऊँचागांव सहकारी समिति पर यूरिया खाद वितरण के दौरान किसानों ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान पुलिस बल को मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालना पड़ा। समिति पर करीब एक माह बाद किसानों को यूरिया उपलब्ध हुआ है। मंगलवार को क्षेत्र के ऊँचागांव में स्थित बहुद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति (बी-पैक्स) में यूरिया वितरण का कार्य किया जा रहा था। यूरिया उपलब्ध होने की जानकारी मिलने पर आसपास के गांवों से सैंकड़ों किसान ट्रैक्टर व बुग्गी आदि साधन लेकर समिति पर पहुंच गए। यूरिया प्राप्त करने की आपाधापी में अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई, जिस पर किसानों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा बढ़ता देख समिति के कर्मचारियों के हाथ-पांव फूल गए। उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी, जिस पर तीतरवाड़ा चौकी प्रभारी एसआई राकेश कुमार गौतम पुलिस बल के साथ में मौके पर पहुंचे। जहां पर उन्होंने स्थिति को संभालते हुए, हंगामा कर रहे किसानों को समझा-बुझाकर शांत किया।

बाद में पुलिस ने लाइन लगवाकर किसानों को यूरिया वितरित कराया। गांव भूरा में भी यूरिया वितरण के दौरान किसानों की भारी भीड़ नजर आई। विदित रहे कि विगत गुरुवार को ब्लॉक क्षेत्र के गांव शेखुपुरा में स्थित समिति पर यूरिया वितरण के दौरान किसानों के दो गुटों में हिंसक झड़प हो चुकी है। बताएं, ऊँचागांव समिति पर सम्बद्ध सचिव सरिता कश्यप ने बताया कि करीब एक माह बाद 500 बैग यूरिया उपलब्ध हुआ है, जिसमें से मंगलवार को लगभग 150 किसानों को यूरिया वितरित किया गया है। पुलिस की मौजूदगी में यूरिया वितरित कराया गया है। उधर, तीतरवाड़ा चौकी प्रभारी ने बताया कि किसानों के हंगामे की सूचना पर पुलिस टीम के साथ में वह मौके पर पहुंचे थे। किसानों को समझा-बुझाकर शांतिपूर्ण तरीके से यूरिया वितरित कराया गया है।

नगर पालिका शामली की टीम गंगाजल लेने हरिद्वार रवाना

❐ शिवरात्रि पर पहली बार नागरिकों को मिलेगा गंगाजल

शामली। श्रावण माह के पावन अवसर पर नगर पालिका परिषद् शामली की टीम अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार सोलंकी के नेतृत्व में गंगाजल लाने के लिए हरिद्वार रवाना हुई। चेयरमैन अरविन्द संगल ने टीम को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया और कहा कि शिवरात्रि पर भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक कर समस्त संकटों से मुक्ति की प्रार्थना करनी चाहिए। इस बार नगर पालिका शामली द्वारा पहली बार शिवरात्रि से पूर्व गंगाजल का वितरण नागरिकों को किया जाएगा, ताकि जो शिवभक्त हरिद्वार नहीं जा सकते, वे भी घर पर जलाभिषेक कर पुण्य लाभ ले सकें। अधिशासी अधिकारी सोलंकी ने बताया कि कांवड़ यात्रा 11 जुलाई से 24 जुलाई तक चलेगी। गंगाजल की उपलब्धता कांवड़ियों के लिए भी सहायक होगी, विशेषकर जब कांवड़ या जल गिरने से वे असमर्थ हो जाते हैं। इस मौके पर सफाई निरीक्षक अनिल कुमार, अवर अभियंता श्रीकांत सिंह राणा, जलकल के अवर अभियंता हर्ष गर्ग, लिपिक अनिल कुमार शर्मा, लक्ष्मण सिंह, साधुराम, आशु, अतुल कांबोज सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

व्यापारियों ने समस्याओं को लेकर वित्त मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

शामली। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने वाणिज्य कर कार्यालय पहुंचकर व्यापारियों की समस्याओं को लेकर वित्त मंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। मंगलवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष राजकुमार वर्मा एवं नगर अध्यक्ष अंकित जैन के नेतृत्व में डिप्टी कमिश्नर विजय कुमार को ज्ञापन दिया गया, जिसमें कहा कि जीएसटीआर-1 फाइल करते समय बी2बी व बी2सी के लिए एचएसएन समरी को अलग-अलग भरने की अनिवार्यता समाप्त की जाए। पिछले पांच वर्षों के दस्तावेजों हेतु बार-बार सूचना मांगना एवं फिजिकल ऑडिट टीमों के दौरे से हो रहे उत्पीड़न पर रोक लगे। जीएसटी रजिस्ट्रेशन सरेंडर करने के बाद जीएसटीआर-10 फाइल करने पर भी बार-बार नोटिस भेजा जाना अनुचित है, इसे रोका जाए। मानवीय त्रुटियों के आधार पर पूरी कर राशि जमा होने के बावजूद वाहनों को रोककर जुर्माना वसूलना निंदनीय है, इस पर रोक लगे। 40 लाख रुपये से कम टर्नओवर वाले व्यापारियों को जबरन जीएसटी पंजीकरण हेतु बाध्य करना गलत है, इसे बंद किया जाए। जीएसटी स्लैब की जटिलता समाप्त कर उसे सरल बनाया जाए तथा अधिकतम कर दर 18 प्रतिशत से अधिक न हो। एसआईबी जांच अथवा सर्वे के दौरान जांच पूर्ण हुए बिना टैक्स जमा कराने का दबाव बंद किया जाए। बिना ठोस कारणों के व्यापारियों को बार-बार दफ्तर में तलब करने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जाए। इस अवसर पर जिला महामंत्री पीयूष वर्मा, आकाश गुप्ता, राहुल वर्मा, विजय संगल, प्रतीक गर्ग, अमित कुच्छल, अमित गोयल, सुशील चौहान, प्रमोद तोमर, विपिन अत्रि, आशु गर्ग, शमीम अहमद आदि मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा के मद्देनजर एसडीएम व सीओ ने आहूत की बैठक

कैराना। एसडीएम व सीओ ने कोतवाली प्रांगण में कांवड़ यात्रा के मद्देनजर सेवा शिविर व ढाबा संचालकों तथा जनप्रतिनिधियों के साथ में बैठक आहूत की। इस दौरान कांवड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए आमजन से सहयोग की अपील की गई। साथ ही, खुरापात करके माहौल खराब करने पर सख्त कार्यवाही के लिए चेताया गया है।

मंगलवार को एसडीएम कैराना निधि भारद्वाज व सीओ श्यामसिंह ने कोतवाली प्रांगण में बैठक आहूत की, जिमसें कांवड़ मार्ग पर लगने वाले सेवा शिविर व ढाबा संचालक तथा जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

इस दौरान एसडीएम ने कहा कि श्रावण मास की कांवड़ यात्रा लगभग प्रारंभ हो चुकी है। ऐसे में शासन के निर्देशों के मद्देनजर कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सकुशल तरीके से सम्पन्न कराना पुलिस-प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि कांवड़ मार्ग पर लगने वाले सेवा शिविरों व ढाबों आदि में वितरित किये जाने वाले खाद्य पदार्थ गुणवत्तापूर्ण होने चाहिए। इन स्थानों पर पुलिस-प्रशासन की ओर से निरन्तर मॉनिटरिंग की जाएगी।

किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीएम ने सेवा शिविर व ढाबा संचालकों को साफ-सफाई पर भी विशेष ध्यान देने को कहा है। सीओ ने कहा कि कांवड़ मार्ग पर उच्चाधिकारियों के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए पुख्ता बंदोबस्त किए गए है। कांवड़ यात्रा पर जिला मुख्यालय से भी निरन्तर निगरानी की जाएगी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि कांवड़ यात्रा लाखों लोगों की आस्था का पर्व है। इसे सकुशल सम्पन्न कराना सभी का उत्तरदायित्व बनता है। उन्होंने कांवड़ यात्रा के दौरान साम्प्रदायिक सौहार्द की शानदार नजीर पेश करने की अपील की है। साथ ही, माहौल बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल में लाए जाने की चेतावनी भी दी है। इस अवसर पर ईओ कैराना समीर कश्यप, इमामगेट पुलिस चौकी प्रभारी एसआई राहुल देशवाल आदि मौजूद रहे।

इंटर हाउस बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित

शामली। मंगलवार को शहर के बीएसएम विद्यालय के प्रांगण में इंटर हाउस बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के सभी हाउसों के विद्यार्थीयों ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य राहुल चौधरी, मैनेजर छाया सिंह, चेयरमैन सूर्यवीर सिंह और उप प्रधानाचार्या आशु पंडित द्वार द्वीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। इस प्रतियोगिता में तीनों कैटिगरी के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। प्रथम कैटिगरी में कक्षा 3 से 5 तक, द्वितीय कैटिगरी में कक्षा 6 से 8 तक व तृतीय कैटिगरी में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। हर एक वर्ग में मुकाबला रोमांचक और प्रेरणादायक रहा। प्रथम कैटिगरी में बालक वर्ग से एक्सप्लोरर्स हाउस के वंश और अक्षित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान इनोवेटर हाउस के कार्तिक और सक्षम व तृतीय स्थान वॉरियर्स हाउस के युग और अमृत ने प्राप्त किया। वहीं कैटिगरी ए बालिका वर्ग से वॉरियर हाउस की वाणी और वान्या ने प्रथम स्थान, इनोवेटर हाउस से महिमा और आराध्या ने द्वितीय स्थान और एवेंजर्स हाउस से वेदिका और परी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कैटिगरी बी कक्षा 6 से कक्षा 8 तक के बालक व बालिकाओं के मध्य रही। जिसमें बालिका वर्ग से इनोवेटर हाउस की वैष्णवी और वंशिका प्रथम स्थान पर, अवेंजर हाउस की पलक और रूही द्वितीय स्थान पर, वॉरियर हाउस की हंसी और मान्या तृतीय स्थान पर रही। बालक वर्ग में अवेंजर हाउस के मनित और अंश प्रथम स्थान पर, इनोवेटर हाउस से विनायक और दक्ष द्वितीय स्थान पर तथा वॉरियर्स हाउस से आरव और त्रिश तृतीय स्थान पर रहे। कैटिगरी सी से बालिका वर्ग में इनोवेटर हाउस से आयशा और वेदिका प्रथम स्थान पर, वॉरियर हाउस से मुग्धा और मानवी द्वितीय स्थान पर रहे।

ब्रहमण समाज के लोगों ने डीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपा

शामली। ब्रहमण समाज के लोगों ने डीएम कार्यालय में ज्ञापन देकर इटावा जनपद में ब्राह्मण समाज के लोगों पर हुए जानलेवा हमले में कार्यवाही करने की मांग की है। मंगलवार को दिए ज्ञापन में उन्होने कहा कि हाल ही में उत्तर प्रदेश के इटावा जनपद में ब्राह्मण समाज के एक गांव पर जिस प्रकार से निर्मम हमला किया गया, वह अत्यंत निंदनीय, अमानवीय और समाज में भय एवं असंतोष उत्पन्न करने वाला कृत्य है। इस हमले ने न केवल पीड़ित गाँव के व्यक्तियो को शारीरिक एवं मानसिक क्षति पहुंचाई है, बल्कि सम्पूर्ण ब्राह्मण समाज की गरिमा और सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यह कृत्य सामाजिक सौहार्द्र को बिगाड़ने की साजिश प्रतीत होती है, जिसे किसी भी रूप में सहन नहीं किया जा सकता।

उन्होने मांग की कि उत्तर प्रदेश सरकार को इस विषय में अवगत कराते हुए दोषियों के विरुद्ध तत्काल और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करवाई जाए। पीड़ित व्यक्ति एवं उनके परिवार को उचित सुरक्षा और आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। ऐसे आपराधिक तत्वों पर कठोर धाराओं के तहत कार्रवाई की जाए। भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सभी जनपदों में सतर्कता और प्रभावी उपाय किए जाएं। इस अवसर पर रामनिवास शर्मा, अमित प्रधान, योगराज, रामतीर्थ शर्मा, उमेश, देशपाल, सागर, अरविन्द प्रधान आदि मौजूद रहे।

धरने पर बैठे तीन सभासदों ने किया भूख हड़ताल का ऐलान

❐ नपा चेयरमैन के खिलाफ पांचवे दिन भी जारी रहा सभासदों का धरना

कैराना। नपा चेयरमैन के खिलाफ धरने पर बैठे तीन सभासदों ने भूख हड़ताल पर

जाने का ऐलान कर दिया है। वहीं, पालिका प्रांगण में चल रहा सभासदों का धरना निरन्तर पांचवे दिन भी जारी रहा। इस दौरान कस्बे की महिलाओं ने भी धरनास्थल पर पहुंचकर अपना समर्थन दिया। नगरपालिका परिषद के कुछ सभासद विगत शुक्रवार से पालिका प्रांगण में धरने पर बैठे है। धरनारत सभासद पालिका चेयरमैन शमशाद अहमद अंसारी पर निरकुंशता, तानाशाही व हठधर्मिता के गम्भीर आरोप लगा रहे है। सभासदों का धरना मंगलवार को पांचवे दिन भी निरन्तर जारी रहा। इस दौरान वार्ड संख्या-21 से धरनारत सभासद शाहिद हसन, वार्ड-04 से राजपाल सिंह व वार्ड-25 से उम्मेद राणा ने बुधवार से भूख हड़ताल पर जाने की घोषणा की है। उधर, कस्बे के विभिन्न वार्डो से पहुंचे सुमन, मोमीना, निशा, प्रमोद, तौसीफ, आसिफ आदि ने भी धरनास्थल पर पहुंचकर अपना समर्थन दिया है। धरनारत सभासदों ने अपनी मांगे पूरी होने तक धरना जारी रखने का ऐलान कर रखा है। धरने पर सभासद तौसीफ चौधरी, फुरकान अली, साजिद अली, राशिद बागबान, उम्मेद राणा, शाहिद हसन, राजपाल सिंह, फिरोज खान, सालिम चौधरी, बलवान सिंह, हारुण कुरैशी, बासिद राणा आदि मौजूद रहे।

मोर्हरम के मौके पर सुन्नी समुदाय द्वारा निकाला गया जुलुस, प्राचीन अस्त्र-शस्त्र कला का प्रदर्शन किया

जलालाबाद। इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए जलालाबाद के अखाड़ा मोहम्मद शरीफ खाँ मरहूम के उस्ताद व खलीफा की देखरेख में उनके शागिर्दों ने जुलूस निकालकर प्राचीन शस्त्र कला का प्रदर्शन किया।

जलालाबाद में सुन्नी समुदाय द्वारा इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए उस्ताद व खलिफाओं के नेतृत्व में कस्बे के नीलगरान चौक से शस्त्र कला का प्रदर्शन करते हुए एक विशाल जूलूस निकाला गया। उदघाटन थानाभवन विधायक अशरफ अली खा ने फीता काटकर किया। जूलूस में अखाड़ा मोहम्मद शरीफ खान मरहूम व उस्ताद हनीफ खा उर्फ भूरू खां मरहूम के अखाड़े के उस्ताद आतिफ जमाल खान, फाहद जमाल खान, अहमद, मोहम्मद अजीम, शहज़ाद खान, फुरकान कुरैशी, खलीफ रूखसार, कैफ खान व शार्गिदों ने जूलूस में प्राचीन शस्त्र कला लाठी डन्डे, भाला, परसा आदि का हैरतगेंज युद्व कला का कुशल प्रदर्शन कर

लोगों को दांतों तले उंगली दबाने के लिए मजबूर कर दिया। जूलूस असलम खान के संचालन में कटेहरा बाजार, सगाज़ीपुरा, खैरादियान, भाई जान चौक, बम्बा चौक, कुरैशियान चौक, पुराना बस स्टैण्ड, पाल मार्किट होते हुए वापस नीलगरान चौक पर आकर सम्पन्न हुआ, जहां पर युद्व कला कौशल का प्रर्दशन करने वाले सर्वश्रेठ खिलाडियों की जोडी को शील्ड व मैडल देकर सम्मानित किया गया व साथ ही अन्य खिलाडियों इजहार, आबिद, परवेज, बिलाल, मोबीन, शुऐब, मोनू, वरीश, आरिश, सोनू, अहसान, रिहान, सुफियान, बिलाल खान, सुफियान खान अनस खान, जुनैद, मोनू, अबुजर खान आदि ने अपनी प्राचीन शस्त्र कला से देखने वालों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर बडी संख्या में लोग शामिल रहे। जुलूस के दौरान भारी पुलिस बल मौजूद रहा। नगर पंचायत द्वारा इस अवसर पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

अनंगपुर में मकान तोड़े जाने के निर्णय पर जताया आक्रोश, सौंपा ज्ञापन

कैराना। कलस्यान गुर्जर खाप के युवाओं ने तहसील मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने एसडीएम कैराना को संबोधित ज्ञापन-पत्र नायब तहसीलदार को सौंपकर दिल्ली बॉर्डर के समीप बसे हरियाणा के ऐतिहासिक गांव अनंगपुर तंवर में मकान तोड़े जाने पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। साथ ही, देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मामले में हस्तक्षेप करके कार्यवाही को रोके जाने की मांग की है। मंगलवार को कैराना क्षेत्र के कलस्यान गुर्जर खाप के युवा भारी संख्या में तहसील मुख्यालय पर पहुंचे। जहां

पर उन्होंने नारेबाजी करते हुए जमकर प्रदर्शन किया। इसके बाद, एसडीएम कैराना को संबोधित ज्ञापन-पत्र नायब तहसीलदार सतीश यादव को सौंपा। बताया कि हरियाणा के जनपद फरीदाबाद में स्थित गांव अनंगपुर तंवर सैंकड़ों वर्षों से दिल्ली बॉर्डर के समीप बसा है। गांव में करीब तीन सौ मकान बने हुए है, जिनमें गुर्जर समाज के लोगो समेत 36 बिरादरी के लोग वास करते है। ये लोग सैंकड़ों वर्षो से यहां बसे हुए है। ज्ञापन-पत्र में बताया कि एक तुगलकी फरमान जारी करके यहां बने मकानों को जबरदस्ती तोड़े जाने का कार्य किया जा रहा है। इन मकानों को वन विभाग की भूमि पर बने होने की बात कही जा रही है। मकान टूटने के कारण मासूम बच्चे और महिलाएं सड़कों पर आ गए है। अनेकों लोगों को हार्ट अटैक आ चुके है। इससे देशभर में रोष व्याप्त है। ज्ञापन-पत्र में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मामले में हस्तक्षेप करते हुए मकान तोड़े जाने की कार्यवाही पर अविलंब रोक लगाने की मांग की गई है। इस दौरान विलियम प्रधान, सूरज चौहान, बिजेन्द्र शेखूपुरा, सौरव बुच्चाखेड़ी, फारुख मण्डावर, जहांगीर गंदराऊ, रूपेश चौहान, दीपक जगनपुर, सतीश चौहान, अक्षय, मोहित, योगेश, ऋतिक आदि युवा मौजूद रहे।

राजेश सुनपेडिया को पश्चिमी व्यापारी एकता मंडल का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया

शामली। शहर के युवा व्यापारी राजेश सुनपेडिया को पश्चिमी व्यापारी एकता मंडल का शामली जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने राजेश सुनपेडिया का फूल मालाएं पहनाकर बधाई दी। मंगलवार को पश्चिमी व्यापारी एकता मंडल की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन के प्रदेश मंडल अध्यक्ष संजय वर्मा ने शहर के युवा व्यापारी राजेश सुनपेडिया को संगठन का शामली जिलाध्यक्ष मनोनीत किया जिसका सभी ने सर्वसम्मति से समर्थन किया। इस अवसर पर मुजफ्फरनगर जिलाध्यक्ष हिमांशु वर्मा, मुजफ्फरनगर शहर अध्यक्ष वीशू वर्मा ने राजेश सुनपेडिया का फूल मालाएं पहनाकर व मनोनयन पत्र प्रदान कर उन्हें बधाई दी। राजेश सुनपेडिया ने अपने मनोनयन पर आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जल्द ही जनपद शामली में व्यापार मंडल की एक मजबूत टीम गठित की जाएगी जो निस्वार्थ व्यापारी हक और व्यापारी हित के लिए कार्य करेगी। इस अवसर पर सर्राफा व्यापारी धर्मवीर प्रधान, अनिल सोनी, शिवम सुनपेडिया सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

शामली में 9 व 10 जुलाई को होगा महिला जनसुनवाई कार्यक्रम

शामली। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. हिमानी अग्रवाल की अध्यक्षता में जनपद में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला प्रोबेशन अधिकारी हामिद हुसैन ने बताया गया कि 9 जुलाई को पूर्वाह्न 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में महिला जनसुनवाई का आयोजन होगा, जिसमें महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों की सुनवाई कर मौके पर ही संबंधित अधिकारियों के माध्यम से निस्तारण कराया जाएगा। 10 जुलाई को पूर्वाह्न 11:00 बजे ब्लॉक शामली स्थित सभागार में महिलाओं से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा व चौपाल का आयोजन किया जाएगा। जनसुनवाई कार्यक्रम के लिए एडीएम सत्येन्द्र सिंह को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

संचारी रोगों से बचने के लिए स्वच्छता और सावधानी दोनों जरूरी हैं: रीता चौहान

कैराना। आज प्राथमिक विद्यालय बदलूगढ़ कैराना में प्रार्थना के समय बच्चों को सहायक अध्यापिका रीता चौहान ने बच्चों को संचारी रोगों से बचाव की जानकारी देते हुए बताया की वैसे तो संचारी रोग किसी भी मौसम में हो सकते हैं, परन्तु बारिश के मौसम में संचारी रोग तेजी से फैलते हैं । इस मौसम में डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, फ्लू, फंगस, फसरा, तपेदिक, हैजा आदि रोग हो सकते हैं। ये बीमारियां दूषित भोजन, पानी संवाश और छूने से फैलती हैं। संचारी रोगों से बचने के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ साथ अपने आस पास की साफ सफाई रखना जरूरी है। खाना खाने से पहले और शौच जाने के बाद साबुन से अच्छी तरह हाथ धोने चाहिए। ताजा भोजन खाना चाहिए। मच्छर दानी लगाकर सोना चाहिए। पानी को सदा ढककर रखना चाहिए। खुली रखी गयी खाने की चीजो को नहीं खाना चाहिए। सावधानी से ही संचारी रोगों से बचा जा सकता है।

जेई पर किसानों से अमर्यादित व्यावहार करने का आरोप लगाया

शामली। रालोद नेता राजन जावला ने अधीक्षण अभियंता को शिकायती पत्र देकर जेई पर किसानों से अमर्यादित व्यावहार करने का आरोप लगाया। बताया कि डांगरौल बिजलीघर के अंतर्गत गांव डांगरोल व राजपुर छाजपुर, गांव कनियान बिजलीघर के अंतर्गत गांव कनियान व भनेड़ा के दोनो बिजलीघरो पर जेई हरीश कुमार कार्यरत हैं। जेई का व्यवहार किसान व मजदूर के साथ व्यवहार अमर्यादित रहता है। जेई के द्वारा लगातार उपभोक्ताओ को परेशान किया जाता है और जब किसानों के द्वारा जेई से फोन पर बात करना का प्रयास किया जाता है तो किसानों को धमकाता है। उन्होने मांग की कि तत्काल जेईई हरीश कुमार को दोनों बिजलीघरो से हटाया जाये।

लखनऊ में दा बेस्ट स्कूल की श्रेणी में बदलूगढ़ का नाम देख मैं बहुत ही गौरवान्वित हुआ: सुशील कुमार शर्मा

कैराना। खण्ड शिक्षा अधिकारी कैराना सुशील कुमार शर्मा ने प्राथमिक विद्यालय बदलूगढ़ कैराना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय खण्ड शिक्षा अधिकारी कैराना को सभी व्यवस्थाएं सही मिली। सभी शिक्षक अपनी अपनी कक्षाओ मे टी0 एल0 एम0 के साथ पढ़ाते मिले। शिक्षक डायरी, मिड डे मिल, स्वछता सब व्यवस्थाएं उत्तम मिली। खण्ड शिक्षा अधिकरी ने बताया की लखनऊ स्थित बक्शी का तालाब प्रशिक्षण केंद्र में अभी हाल ही में हुए प्रशिक्षण हाल में दा बेस्ट स्कूल की श्रेणी में कैराना ब्लॉक से प्राथमिक विद्यालय बदलूगढ़ का नाम और फोटो देख बड़े गौरव का अनुभव हुआ। मैं बड़ा खुश हुआ कि मेरे ब्लॉक कैराना से बेस्ट स्कूल की श्रेणी में प्राथमिक स्कूल बदलूगढ़ का भी नाम दर्ज है। इसके लिए मैं प्रधानाध्यापक राकेश सैनी और इनकी टीम बधाई की पात्र है। अपने खण्ड शिक्षा अधिकारी से ये सुन विद्यालय स्टाफ को बहुत अच्छा लगा और उनका मनोबल तथा काम करने की शक्ति को बल मिला। अच्छी खबर के लिए सभी ने खण्ड शिक्षा अधिकारी को धन्यवाद दिया।

12 ग्राम मादक पदार्थ स्मैक बरामद, आरोपी गिरफ्तार

कैराना। पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 12 ग्राम मादक पदार्थ स्मैक बरामद हुई है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को जेल भेज दिया है। मंगलवार को एसपी शामली रामसेवक गौतम के निर्देशानुसार मादक पदार्थो की तस्करी में लिप्त आरोपियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से पुलिस ने 12 ग्राम मादक पदार्थ स्मैक बरामद होने का दावा किया है। पकड़े गए आरोपी ने पुलिस पूछताछ में अपना नाम व पता जावेद निवासी मोहल्ला खैलकलां कस्बा कैराना बताया। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की सम्बंधित धारा में अभियोग पंजीकृत करके उसका चालान कर दिया है।

राष्ट्रीय उपाध्याय योगी चेतना मंच सेवा समिति संगठन की बैठक सम्पन्न

शामली। मंगलवार को राष्ट्रीय उपाध्याय योगी चेतना मंच सेवा समिति संगठन के पदाधिकारियों की मीटिंग मौहल्ला अटल विहार शामली में नगर अध्यक्ष विनोद उपाध्याय के आवास पर हुई। मीटिंग में 10 जुलाई को महायोगी गुरूगौरक्ष नाथ की भव्य शोभायात्रा को लेकर विचार-विमर्श किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता अशोक उपाध्याय व संचालन नगर अध्यक्ष विनोद उपाध्याय ने किया। मीटिंग में निर्णय हुआ कि 10 जुलाई को शामली में शाम 4 बजे शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जबकि सुबह 10 बजे गांव भिक्की देह में महायोगी गुरूगौरक्ष नाथ की मूर्ति स्थापना की परिक्रमा यात्रा निकाली जाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय उपाध्याय ने कहा कि शोभायात्रा शिव गोरखनाथ मंदिर रेलपार से बुढ़ाना रोड बाईपास हनुमान धाम होते हुए, शिव चौक, गुरुद्वारा से पंजाबी रघुनाथ मंदिर पर संपन्न होगी। जिसमें सभी भाग ले। इस अवसर पर सतपाल उपाध्याय, विकास उपाध्याय, धर्मपाल भारद्वाज, नरेश कुमार, कृष्णपाल, राजकुमार उपाध्याय, दुष्यंत गौड़, कमल उपाध्याय, विनोद उपाध्याय, संदीप उपाध्याय, सलेक उपाध्याय, मास्टर पवन उपाध्याय, अशोक उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

दिनदहाड़े चोर ने मंदिर का दान पात्र तोड़कर चुराई नगदी, मचा हड़कंप

मोरना। कस्बा भोकरहेड़ी में दिनदहाड़े चोर ने मंदिर में घुसकर दान पात्र का ताला तोड़कर नगदी चुराते हुए सनसनी फैला दी मंदिर के पुजारी ने पुलिस से चोर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। दिनदहाड़े मंदिर मैं हुई चोरी से हड़कंप मच गया, मौके पर पहुंची पुलिस ने मंदिर में चोरी की घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला लोकुपुरा मैं स्थित बैरागी शिव मंदिर के पुजारी इंद्रपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार को दोपहर वह खाना खाने के लिए घर चला गया, इसी दौरान किसी अज्ञात चोर ने मंदिर के दान पात्र का ताला तोड़कर उसमें रखी नगदी को चुरा लिया, मंदिर के पुजारी ने चोरी की घटना की सूचना आसपास के ग्रामीणों को दी, मंदिर में चोरी की सूचना से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया, पुजारी व ग्रामीणों ने मामले की सूचना पुलिस को दी, पुलिस ने मौके के पर पहुंचकर चोरी की घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। क्षेत्राधिकार भोपा डॉ रवि शंकर मिश्रा ने बताया कि चोरी की सूचना प्राप्त हुई थी, मौके पर जाकर पुलिस द्वारा निरीक्षण किया गया है जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

डासना पीठ से उठी धर्मरक्षा की हुंकार

मुजफ्फरनगर में होगा नौ दिवसीय मां बगलामुखी महायज्ञ

मुजफ्फरनगर। शिवशक्ति धाम डासना से अब सनातन धर्म की रक्षा के लिए देशव्यापी धार्मिक आंदोलन का शंखनाद किया गया है। इसके तहत मुजफ्फरनगर की पावन भूमि पर 7 से 15 सितंबर 2025 तक मां बगलामुखी महायज्ञ तथा 13-14 सितंबर को दो दिवसीय गीता महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य सनातन धर्म पर हो रहे आक्रमणों का आध्यात्मिक प्रतिकार करना और शत्रु विनाश व सद्बुद्धि हेतु मां बगलामुखी की शक्ति को जागृत करना है। यह जानकारी सोमवार को डासना पीठ के पीठाधीश्वर और श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जी महाराज ने मुजफ्फरनगर के राजू सैनी के आवास पर आयोजित एक प्रेस वार्ता में दी। इस अवसर पर उनके साथ यति अभयानंद जी, डॉ. उदिता त्यागी, संजय धीमान, प्रवीण महादेव, संदीप जिंदल, चाहन सिंह बलियान, डॉ. योगेन्द्र योगी और

पंडित सुनील दत्त शर्मा समेत कई अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जी महाराज ने बताया कि यह महायज्ञ श्राद्ध पक्ष में विशेष रूप से आयोजित किया जा रहा है, ताकि सनातन धर्म और इसके अनुयायियों की रक्षा के लिए मां बगलामुखी की दिव्य शक्ति का आह्वान किया जा सके। उन्होंने कहा कि मां बगलामुखी सनातन परंपरा में शत्रु विनाश और दुर्बुद्धि के नाश की सर्वश्रेष्ठ देवी मानी जाती हैं। महायज्ञ के बाद 13 व 14 सितंबर को गीता महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश से वेद-गीता मनीषी, आचार्य, संत-महात्मा और विद्वान भाग लेंगे। इसका उद्देश्य श्रीमद्भगवद्गीता के वास्तविक अर्थों को समाज के सामने लाना और श्रीकृष्ण के दृष्टिकोण से समकालीन धार्मिक और सांस्कृतिक संकटों का समाधान खोजना है। यति नरसिंहानंद प्रेस वार्ता में यति नरसिंहानंद गिरी जी ने कहा कि आज सनातन धर्म का अस्तित्व संकट में है। हर तरफ से हम पर हमले हो रहे हैं और हम अपने ही भीतर की फूट के कारण एकजुट नहीं हो पा रहे। धर्म की रक्षा के लिए आज न कोई सशक्त धर्मगुरु है, न कोई नेतृत्व और न कोई प्रभावी संगठन। यदि अब भी हम नहीं जागे तो सम्पूर्ण विनाश तय है। उन्होंने आगे कहा कि हिंदू समाज आज संगठित ठगों और लुटेरों के सामने निरीह बना खड़ा है। अब सिर्फ मां और महादेव ही हमारी रक्षा कर सकते हैं। महामंडलेश्वर ने बताया कि मां बगलामुखी की सुप्त शक्तियों के जागरण हेतु ऐसे आयोजन पूरे देशभर में किए जाएंगे ताकि धर्म, संस्कृति, परिवार और राष्ट्र की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है जब हर सनातनी को धर्मरक्षा के लिए एकजुट होकर खड़ा होना होगा।

सड़क पर बेहोश पडी मिली गर्भवती महिला

खतौली। सफेदा रोड स्थित आलू मिल के सामने अचेत पड़ी महिला को राहगीरों ने एंबुलेंस द्वारा सरकारी अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार सड़क पर अचेत पड़ी महिला चार माह की गर्भवती है, जिसने किसी ज़हरीले पदार्थ का सेवन कर रखा है। जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर सफेदा रोड स्थित रेलवे पुल के नीचे सुनसान जगह पर एक महिला को ज़मीन पर अचेत पड़ी देख मौके पर राहगीरों का जमावड़ा लग गया। एक राहगीर द्वारा सूचना देने से मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने महिला को सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जांच पड़ताल में महिला के गर्भवती होने तथा उसके द्वारा किसी ज़हरीले पदार्थ का सेवन करने का पता चलने पर चिकित्सकों ने इसकी गंभीर दशा के चलते प्राथमिक उपचार देकर हायर सेंटर रैफर कर दिया। कुछ लोगों द्वारा महिला के पास से मिले मोबाईल फोन द्वारा संपर्क करने पर उसके भाई से बात हुई। बताया गया कि भाई ने अपनी बहन को ससुरालियों द्वारा प्रताड़ित करने की जानकारी देने के अलावा बताया कि संबंधित थाने में शिकायत करने पर भी ससुरालियों के विरुद्ध पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। संभवत: इससे हताश होकर महिला ने ज़हरीले पदार्थ का सेवन किया होगा। दूसरी और एक कथित समाजसेवी अचेत महिला को मौके से उठाकर सरकारी अस्पताल पहुंचाने के अलावा इसके संबंध में अपने स्तर से इन्वेस्टिगेशन करके हीरो बनने के फेर में पड़ा रहा। अपनी हीरोपंती के चक्कर में इस कथित समाजसेवी ने सड़क पर अचेत पड़ी महिला के संबंध में कोतवाली पुलिस को सूचना देना तक मुनासिब नहीं समझा।

दंपत्ति का शव गांव पहुंचते ही परिजनों में मचा कोहराम

खतौली। खतौली थाना क्षेत्र के गांव गालिबपुर निवासी यूपी पुलिस के हैड कांस्टेबल और इनकी पत्नी की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत होने के अलावा मृतक दंपत्ति के दो मासूम बेटे घायल हो गए। बताया गया हादसा नींद की झपकी आने के चलते कार के सड़क पर खड़े ट्रक के पीछे घुसने से हुआ है। पोस्टमार्टम के पश्चात मंगलवार को मृतक दंपत्ति के शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बाद नमाजे जनाज़ा मृतक दंपत्ति को ग़मगीन माहौल में इनके पैतृक कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक़ किया गया। हादसे से गांव में भारी शोक व्यापत है। जानकारी के अनुसार गांव गालिबपुर निवासी यूपी पुलिस के हैड कांस्टेबल सैय्यद मोहम्मद जव्वाद ज़ैदी की कार सोमवार दोपहर दिल्ली हाईवे पर गजरौला के पास सड़क पर पहले से खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसे में जावेद 38 व इनकी पत्नी उरूस ज़ेहरा 35 की मौत हो गई। जबकि हादसे में इनके दो मासूम बेटे अली फय्याम ज़ैदी 8 वर्ष

व अली किआन ज़ैदी 6 वर्ष घायल हो गए। बताया गया अमरोहा में पुलिस की खुफिया टीम की स्पेशल ब्रांच में तैनात जव्वाद ज़ैदी मोहर्रम के मातम में शरीक होने के लिए 10 जुलाई तक की छुट्टी लेकर पत्नी उरूस ज़ेहरा और दोनों बेटों के साथ पांच जुलाई को गालिबपुर आये थे। छुट्टी के मुताबिक जव्वाद को 10 जुलाई को वापस ड्यूटी पर लौटना था, किंतु मंगलवार को दोनों बेटों का स्कूल होने के चलते जव्वाद सोमवार दोपहर 12 बजे ही वापस अमरोहा लौट रहा था। कार फव्वाद कार खुद ही चला रहे थे, जबकि पत्नी उरूस ज़ेहरा बगल वाली सीट पर बैठी थी। दोनों बच्चे पीछे की सीट पर थे। दोपहर करीब तीन बजे गजरौला में हाईवे पर केंद्रीय एवं वस्त्र कर कार्यालय के सामने से गुजरते समय उनकी कार आगे खड़े ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। हादसे में हैड कांस्टेबल सैय्यद मोहम्मद जव्वाद ज़ैदी और इनकी पत्नी उरूस ज़ेहरा की मौत होने के साथ ही दोनों मासूम बेटे घायल हो गए। यूपी पुलिस में मुख्य आरक्षी सैय्यद मोहम्मद जव्वाद ज़ैदी और उसकी पत्नी उरूस जेहरा की गजरौला हाईवे पर सड़क हादसे में मौत होने की खबर गांव गालिबपुर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मचने के साथ ही गांव में शोक व्यापत हो गया। मृतक के चाचा अमीर अब्बास उर्फ छुग्गन भाई ने बताया कि जव्वाद पत्नी बच्चों के साथ मोहर्रम मनाने गांव आया था। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे जव्वाद वापस जाने के लिए निकला था। मृतक के पिता सैय्यद रियाज अली दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल पद से सेवानिवृत्त हैं। जव्वाद का बड़ा भाई काशिफ नोएडा की एक कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। जव्वाद वर्ष 2011 में यूपी पुलिस में भर्ती हुआ था। वर्ष 2015 में जव्वाद की शादी हैदराबाद निवासी उरूस ज़ेहरा के साथ हुई थी। जवान बेटे की अचानक मौत से पिता सैय्यद रियाज़ ज़ैदी और मां असमत जेहरा, चाचा अमीर अब्बास ज़ैदी उर्फ छुग्गन भाई सहित पूरे कुनबे का रो रो कर बुरा हाल है। मंगलवार को बाद नमाजे जनाज़ा जव्वाद और उरूस ज़ेहरा को हज़ारों लोगों की मौजूदगी में इनके गालिबपुर स्थित पैतृक कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक़ किया गया। नगर पालिका परिषद खतौली चेयरमैन हाजी शाहनवाज़ लालू ने गांव गालिबपुर पहुंचकर गहरे रंजो ग़म का इज़हार करके ग़मगीन घरवालों को दिलासा दिया।

वन महोत्सव के दौरान जन्मे नवजातों को मिलेगा 'ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट' व पौधा

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश सरकार ने वन महोत्सव 2025 के अवसर पर एक अनूठी पर्यावरणीय पहल की शुरूआत की है। अब राज्य के अस्पतालों में 01 जुलाई से जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं को 'ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट' के साथ एक पौधा भेंट स्वरूप दिया जाएगा। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को जन-सहभागिता से जोड़ते हुए लोगों को वृक्षारोपण के प्रति प्रेरित करना है। सीएमओ डा. सुनील तेवतिया ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के कार्यालय से जारी निदेर्शों में कहा गया है कि वन महोत्सव सप्ताह के दौरान यह अभियान जिला अस्पतालों, सीएचसी, पीएचसी और अन्य सरकारी संस्थागत प्रसव केंद्रों पर संचालित होगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग और वन विभाग आपसी समन्वय से कार्य करेंगे। वन विभाग का मानना है कि वृक्ष जीवन और वृद्धि का प्रतीक हैं और नवजीवन की शुरूआत पर एक पौधा भेंट में देना न केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से लाभकारी है, बल्कि भावनात्मक रूप से भी परिवार को प्रकृति से जोड़ने का प्रयास है। यह विचार इस योजना की मूल भावना है। इस योजना के अंतर्गत जिन पौधों को भेंट स्वरूप दिया जाएगा, उनमें सागौन, शीशम और सहजन जैसी उपयोगी व टिकाऊ प्रजातियों को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही, पौधा प्राप्त करने वाले अभिभावकों को उचित तकनीकी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे रोपण के साथ-साथ पौधे की समुचित देखभाल कर सकें। कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने जनपद के प्रभागीय वन अधिकारियों से समन्वय स्थापित करें और सुनिश्चित करें कि प्रत्येक संस्थागत प्रसव पर पौधा और सर्टिफिकेट दिए जाएं।

अनंगपुर गांव पर प्रशासनिक अत्याचार के खिलाफ गुर्जर समाज में उबाल, मुख्यमंत्री को सौंपा गया ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। गौतमबुद्ध नगर जिले के ऐतिहासिक अनंगपुर गांव को उजाड़े जाने की कार्रवाई के विरोध में आज राष्ट्रीय युवा गुर्जर स्वाभिमान संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक ज्ञापन सौंपते हुए प्रशासनिक रवैये की कड़ी निंदा की है। समिति ने इसे मानवता और न्याय के खिलाफ एक अमानवीय कृत्य बताया है। गौरतलब है कि अनंगपुर गांव के निवासी सैकड़ों वर्षों से वहां निवास कर रहे हैं, और अब उन्हें अवैध कब्जेदार बताकर जबरन उनकी जमीन खाली कराई जा रही है। समिति का कहना है कि सरकार की चुप्पी और प्रशासन की एकतरफा कार्यवाही से गुर्जर समाज को अपमान और पीड़ा का सामना करना पड़ रहा है। यह केवल जमीन की नहीं, स्वाभिमान की लड़ाई है, ज्ञापन में यह भी कहा गया कि रेतीली जमीन पर वर्षों की मेहनत से बसा गांव उजाड़ा जा रहा है। यह केवल एक गांव की बात नहीं है, बल्कि गुर्जर समाज के अस्तित्व, सम्मान और अधिकारों की लड़ाई है। यदि यह अन्याय नहीं रुका, तो समाज को आंदोलन के रास्ते पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। अनंगपुर के ग्रामीणों को जबरन बेदखल करने की कार्रवाई पर तुरंत रोक लगे। पीड़ित परिवारों की सुनवाई सुनिश्चित की जाए और उन्हें इंसाफ दिया जाए। सरकार मानवता, न्याय और ऐतिहासिक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए निर्णय ले। इस ज्ञापन के दौरान समिति के जिला अध्यक्ष पौरुष गुर्जर, अरविंद प्रधान, अंकित गुर्जर, कैप्टन कुलदीप सिंह, प्रशाक नागर, दीपक गुर्जर, रवि गुर्जर, मंजीत गुर्जर, मोहित गुर्जर, अनुज गुर्जर, अनीत गुर्जर, निखसित गुर्जर, शुभम गुर्जर, सोहित गुर्जर, प्रशांत प्रधान, सोमेंद्र गुर्जर, प्रशांत नंबरदार, विक्की गुर्जर, आशीष गुर्जर सहित अनेक कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लापता बहनों को परिजनों को सौंपा

मोरना। लापता हुई दो सगी बहनों को पुलिस ने शानदार प्रयास करते हुए बरामद कर लिया। तथा पूछताछ कर परिजनों को सौंप दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने बताया की भोपा से मौ नवाब की पुत्री 14 वर्षीय नाजिश व नरगिस 17 वर्ष घर से बिना बताए रात्रि में कहीं चली गई थी। पुलिस को सूचना मिलने पर तत्काल अभियोग दर्ज कर उच्च अधिकारीगण के निर्देशानुसार नाबालिग बच्चियों शीघ्र बरामदगी के लिए पुलिस टीम गठित कर रवाना की गई गठित टीम द्वारा अथक प्रयास कर दोनों बच्ची को सकुशल बुलंदशहर के कस्बा नरौरा से बरामद कर लिया गया। पूछताछ करने पर दोनों बच्ची द्वारा बताया गया कि उसकी मम्मी ने किसी बात को लेकर डांट दिया था, इसी कारण नाराज होकर घर से वह चली गई थी। वहीं बच्चियों द्वारा ले जाये गये एक लाख तीस हज़ार की रकम को परिजनों को सौंप दिया गया।

दुष्कर्म का फरार आरोपी गिरफ्तार

मोरना। क्षेत्र के गांव से जंगल में शौच के लिए गई नाबालिग से जंगल में सामूहिक दुष्कर्म करने की घटना में फरार चल रहे दूसरे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेजा गया है। भोपा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने 28 जून को मुकदमा दर्ज कराया था कि उसके घर बराबर में दूसरे भाई का मकान है। जो कई दिनों से बाहर काम पर गया हुआ है। आरोप है कि 27 जून को रात 10 बजे भाई की पत्नी फरजाना घर आई ओर बेटी को शौच जाने के बहाने अपने साथ पास में ही स्थित प्राथमिक विद्यालय में ले गई, जहां पर गांव के ही दो युवक अफफान व आसिफ ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर 29 जून को अफफान व फरजाना को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि मंगलवार को फरार आरोपी आसिफ को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेजा गया है।

टिकौला शुगर मिल से हुई चोरी का खुलासा

रामराज। टिकौला शुगर मिल से हुई चोरी के मामले में महज आठ घंटे के भीतर चोरी का सफल खुलासा करते हुए पुलिस द्वारा एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से चोरी किया गया सामान भी बरामद किया गया है। थाना प्रभारी सुनील कसाना ने बताया कि सोमवार की देर रात्रि में टिकौला शुगर मिल से अज्ञात व्यक्ति द्वारा सामान चोरी किया गया था। इस संबंध में संजीव कुमार सहायक कारखाना प्रबंधक, टिकौला मिल द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना रामराज पर अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस द्वारा तत्काल प्रभाव से चोरी के माल व अभियुक्त की तलाश प्रारंभ की गई। इसी क्रम में जमालपुर नहर पुल पर उपनिरीक्षक मोहित कुमार मय पुलिस बल के साथ चेकिंग कर रहे थे, तभी अभियुक्त फरमान पुत्र सुक्कू निवासी पुट्ठी इब्राहिमपुर थाना रामराज को चोरी किए गए सामान (चैन क्लैंप) के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। घटना का केवल आठ घंटे में सफल अनावरण कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को विधिक कार्यवाही हेतु न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

चोरों ने दो नलकूपों को बनाया निशाना, मोटर व कीमती सामान चोरी

मोरना। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव कम्हेड़ा व ढांसरी के जंगल मे चोरो ने ट्यूब वैल मे चोरी की घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित किसानो ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव कम्हेड़ा निवासी मौ. रशीद व गांव ढांसरी निवासी धनपाल ने बताया कि उनके खेत कम्हेड़ा के जंगल में स्थित हैं।रात्री मे अज्ञात चोरों ने उनके नलकूपों के ताले तोड़कर वहां से मोटर व अन्य उपकरण चोरी कर लिए। सुबह जब वह खेतों पर पहुंचे, तो घटना के बारे में जानकारी हुई। दो दिन पूर्व भी क्षेत्र में चोरों ने आधा दर्जन नलकूपों को निशाना बनाया था। लगातार हो रही ट्यूबवैल चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

डीएम और एसएसपी ने की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा

मुजफ्फरनगर। जनपद में आगामी कांवड़ यात्रा-2025 को शांतिपूर्ण व सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा द्वारा मंगलवार को सिविल लाइन और कोतवाली नगर क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने पुलिस व प्रशासनिक अमले के साथ संवेदनशील चौराहों, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों और प्रमुख बाजारों में सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों ने अस्पताल तिराहा, मदीना चौक, बझेड़ी पुल सहित अन्य प्रमुख स्थलों पर जाकर पैदल मार्च किया, जिससे आमजन में सुरक्षा का संदेश पहुंचे और असामाजिक तत्वों में भय बना रहे। फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने पुलिस बल को निर्देशित किया कि वे निरंतर पेट्रोलिंग करते रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की

तत्काल सूचना दें। जिलाधिकारी और एसएसपी ने निर्देशित किया कि ड्रोन कैमरों की मदद से छतों और भीड़भाड़ वाले स्थानों की निगरानी की जाए। इसके अतिरिक्त डॉग स्क्वाड, खुफिया तंत्र और बम निरोधक दस्ता को भी सक्रिय रहने को कहा गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे तत्वों के विरुद्ध तत्काल सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ड्यूटी में तैनात जवानों को सतर्क रहने और आमजन से संवाद बनाए रखने को कहा। फ्लैग मार्च के उपरांत जिलाधिकारी और एसएसपी ने कांवड़ मार्ग का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की संख्या और स्थिति, मार्ग पर लगे चेतावनी व सांकेतिक बोर्डों, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालयों, शिविरों की स्थापना, सड़क मरम्मत और एम्बुलेंस की उपलब्धता आदि व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूरी कर ली जाएं, ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नगर सत्यनारायण प्रजापत, क्षेत्राधिकारी नगर राजू कुमार साव सहित पुलिस व प्रशासन के अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोरना में प्राथमिक विद्यालय में चोरी से फैली सनसनी

मोरना। प्राथमिक विद्यालय की रसोई का ताला तोड़कर चोरों ने हजारों का सामना चोरी कर लिया। प्रधान अध्यापिका ने पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव मोरना स्थित प्राथमिक विद्यालय नंबर दो की प्रधान अध्यापिका कल्पना शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार की सुबह भोजन माता अनीसा स्कूल में पहुंची, तो रसोईघर का ताला टूटा मिला। रसोई से चोरों ने गैस सिलेंडर, कुकर प्रेशर, खाना बनाने के बर्तन, स्टेण्ड फेन, पांच बांट आदि सामान चोरी कर लिया। पूर्व मे भी चोरों ने स्कूल से करीब पच्चीस तीस हजार रुपए का सामना चोरी कर लिया था। प्रधान अध्यापिका ने अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर कारवाई की मांग की है पुलिस सीसीटीवी की सहायता से चोरों की तलाश में जुट गई है।

शुकतीर्थ में मां शाकुंभरी देवी सेवा संस्थान की सभा किया आयोजन

मोरना। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ में मां मां शाकु?भरी देवी सेवा संस्थान की सभा का आयोजन किया गया जिसमें मां शाकुंभरी देवी के मंदिर को लेकर विचार विमर्श किया गया मां शाकुंभरी देवी सेवा संस्थान की अध्यक्ष राधा माता ने विचार व्यक्त कर कहा की तीर्थ नगरी में मां शाकुभरी देवी जी के मंदिर का निर्माण शीघ्र होना चाहिए, मां शाकुभरी के आशीर्वाद से मनुष्य को जीवन का उत्तम फल प्राप्त होता है, इस दौरान इस दौरान राजवीर सिंह कश्यप, शिवांश ठाकुर, जितेंद्र सिंह चौधरी, डॉ संजू शर्मा, डॉ करणपाल सिंह, राहुल कुमार, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष देवयानी शर्मा, महासचिव आचार्य अजय कृष्ण आदि लोग उपस्थित रहे।

बेलड़ा गंग नहर मे डूबे युवक की तलाश जारी

मोरना। चार दिन पूर्व गंग नहर मे कूद कर जान देने वाले मजदूर ग्रामीण की गंग नहर मे तलाश जारी है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव बेलड़ा निवासी परशुराम बीते चार जुलाई की देर शाम बस स्टेण्ड पर मौजूद था कि अचानक वह गंग नहर पुल की ओर दौड़ा ओर तुरंत ही पुल से गंग नहर मे छलांग लगा दी। ग्रामीणों व परिजनों द्वारा परशुराम की तलाश की गयी किन्तु उसका कोई पता नहीं चल सका। मंगलवार को भी गोताखोर द्वारा परशुराम की तलाश नहर में की गयी। 50 वर्षीय परशुराम पेशे से मजदूर है, जिसके परिवार मे पत्नी सुनीता के अलावा पुत्र आकाश व दीपक तथा पुत्री चांदनी, निधि तथा शालू हैं।

हिंदू संगठनों का भारतीय किसान यूनियन पर बढ़ा विश्वास, हिंदू क्रांति सेना के जिला अध्यक्ष हरेंद्र शर्मा सहित दर्जनों कार्यकर्ता भाकियू में शामिल

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन के जिला कार्यालय महावीर चौक, मुजफ्फरनगर पर आज एक विशेष कार्यक्रम के दौरान हिंदू क्रांति सेना के जिला अध्यक्ष हरेंद्र शर्मा सहित दर्जनों पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाकियू की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में उपस्थित भाकियू जिलाध्यक्ष चौधरी नवीन राठी ने सभी नवशामिल सदस्यों का फूल मालाओं से स्वागत किया और उन्हें किसान, मजदूर और मजलूमों की सेवा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन एक ऐसा मंच है, जहाँ बिना भेदभाव के हर वर्ग की आवाज को बुलंद किया जाता है। इस अवसर पर

भाकियू महासचिव बलराम सिंह के निरंतर प्रयासों की सराहना की गई, जिनके माध्यम से यह संगठन विस्तार संभव हो पाया। सदस्यता ग्रहण करने वाले प्रमुख कार्यकर्ता हरेंद्र शर्मा, संजय कुमार, क्रिश राजपूत, अनिल कक्कड़, रुद्र गोस्वामी, विकास शर्मा, पवन कुमार, राम किशोर, रवि दुग्गल, जितेंद्र, विशाल, धीरज चौधरी, अक्षत मित्तल, राहुल व अभिषेक। उपस्थित प्रमुख पदाधिकारी, बिट्टू प्रधान (जिला उपाध्यक्ष), संजीव खोखर (मंडल उपाध्यक्ष), फुरकान अली राव (जिला उपाध्यक्ष), मनीष अहलावत (जिला महासचिव) सहित अन्य गणमान्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फ्लोरिडा का द विलेजेस यहां सिर्फ रिटायर्ड ही रह सकते हैं

अमेरिका के फ्लोरिडा में एक अनोखा गांव अखा है। इस गांव का नाम द विलेजेस है। गाँव की खास बात यह है कि यहां सिर्फ 55 साल से अधिक उम्र के रिटायर्ड लोग ही रहते हैं।

यहां लगभग 1 लाख लोग निवास करते हैं, जो इसे दुनिया के सबसे बड़े रिटायरमेंट समुदायों में से एक बनाता है। इस गांव में बुजुर्गों के घरों के साथ ही स्विमिंग पूल्स, थिएटर्स, गोल्फ कोर्स और शॉपिंग सेंटर जैसी तमाम सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां 54 गोल्फ कोर्स, 70 पुल्स और 3 हजार सोशल क्लब्स हैं। सभी बुजुर्ग आपसी मेलजोल के साथ जीवन को उत्सव की तरह मनाते हुए रहते हैं।

55+ उम्र वाले ही स्थायी रहवासी

यह गांव 30 हजार एकड़ में फैला है। 55 साल या उससे अधिक उम्र के लोग स्थायी रूप से रह सकते हैं। युवा लोग यहां केवल विजिटर के तौर पर आ सकते हैं। इस रिटायर्ड कम्युनिटी का निर्माण 1980 के दशक में शुरू हुआ था।

ये हैं दुनिया के बड़े म्यूजियम कहीं 30 लाख कलाकृतियां तो कोई 60 हजार वर्गफीट में फैला

म्यूजियम किसी भी देश की संस्कृति को संरक्षित करते हैं। आज हम जानेंगे दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालयों के बारे में। इनमें कोई आकार में बड़ा है, तो किसी के पास संग्रहालयों का सबसे बड़ा समूह है। वहीं कहीं पर सबसे ज्यादा वस्तुएं रखी हुई हैं।

अमेरिका का स्मिथसोनियन संग्रहालय

अमेरिका में स्थित स्मिथसोनियन संग्रहालय दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालयों का समूह है। इसके कुल 19 संग्रहालय हैं। यहां आपको इतिहास से लेकर अंतरिक्ष के भविष्य के बारे में जानने को मिलेगा। साथ ही इस संग्रहालय में 21 लाइब्रेरी और 14 अनुसंधान केंद्र भी हैं। इस म्यूजियम की स्थापना 1846 में जेम्स स्मिथसन ने की थी। म्यूजियम अपने अनुसंधान के लिए भी पूरी दुनिया में मशहूर है। संग्रहालय एक बड़ा प्राणी उद्यान भी चलाता है। यहां आने वाले आगंतुकों से संग्रहालय कोई चार्ज नहीं लेता है।

रूस के पीटर्सबर्ग में स्थित स्टेट हर्मिटेज म्यूजियम

रूस के दूसरे बड़े शहर सेंट पीटर्सबर्ग में स्थित हर्मिटेज म्यूजियम में सबसे ज्यादा वस्तुओं का संग्रह है। इस संग्रहालय में करीब 30 लाख से अधिक कलाकृतियां रखी हुई हैं, जो पाषाण युग से लेकर 20 वीं शताब्दी के प्रारंभ तक की है। 6 मंजिल बाले इस म्यूजियम को 1764 में कैथरीन द ग्रेट ने अपने चित्रों के संग्रह को रखने के लिए बनाया था। म्यूजियम में चूहे क्षति न पहुंचाए इसलिए यहां 50 से ज्यादा बिल्लियों को रखा गया हैं। प्रति/ व्यक्ति इस म्यूजियम का टिकट 435 रुपए हैं।

फ्रांस का मुसी डू लूव्र म्यूजियम

फ्रांस में स्थित मुसी डू लुब म्यूजियम आकार में दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम है। इस म्यूजियम को 1793 में जनता के लिए खोला गया था। उस समय इस म्यूजियम में 537 ड्रॉइंग की प्रदर्शनी लगाई गई थी। ये म्यूजियम 60600 वर्ग फीट में बना हुआ है। इस म्यूजियम की खास बात यह है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम होने के साथ ही सबसे ज्यादा देखा जाने वाला म्यूजियम भी है। 2022 में इस म्यूजियम को 90 लाख से ज्यादा लोग देखने आए थे। इस म्यूजियम में 8 क्यूरेटोरियल विभाग बने हुए हैं, जिनमें 3 लाख 80 हजार से ज्यादा पुरानी वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं। इनमें ज्यादातर प्राचीन मूर्तियां पुरातात्विक खोज में मिली हैं। इसी म्यूजियम में दुनिया की सबसे प्रसिद्ध पेंटिंग मोनालिसा और बोनस डी मीलो की पेंटिंग रखी हुई है। कहा जाता है इस म्यूजियम को एक दिन में घूमना संभव नहीं है। म्यूजियम की सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं। म्यूजियम का टिकट प्रति व्यक्ति 1500 रुपए है।

दुनिया की सबसे बड़ी रहवासी इमारत, 20 हजार लोग रहते हैं

आमतौर पर हम सुनते हैं कि किसी गांव या कस्बे की आबादी 20 हजार होगी। लेकिन चीन के हांगझू प्रांत के कियांगजियांग शहर में एक ऐसी इमारत है, जिसमें 20 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं। इस इमारत का नाम रिजेंट इंटरनेशनल बिल्डिंग है। इस बिल्डिंग को दुनिया की सबसे बड़ी रहवासी इमारत माना जाता है। इस बिल्डिंग में लगभग 5 हजार अपार्टमेंट हैं। इमारत की ऊंचाई करीब 675 फीट है और इसे अंग्रेजी के एस आकार में बनाया गया है।

रहवासी सेल्फ कंटेंड कम्युनिटी का है हिस्सा

चीन की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस इमारत को होटल के हिसाब से डिजाइन किया गया था। लेकिन बाद में इसे रिहायशी अपार्टमेंट में बदल दिया गया। इमारत को इसलिए भी खास माना जाता है, क्योंकि यहां रहने वाले लोगों को रोजमर्रा की जरूरत की सभी सुविधाएं यहीं मिल जाती हैं। इमारत के अंदर ही फुड कोर्ट, स्विमिंग पूल, किराना स्टोर, सैलून, कैफे उपलब्ध है। इसलिए यहां रहने वालों को सेल्फ कंटेंड कम्युनिटी कहा जाता है। अब यह इमारत एक पर्यटन स्थल के रूप में भी उभर रही है।

बड़ी संख्या में युवा पेशेवर रहते हैं इस इमारत में सिंगापुर में स्थित दुनिया के दूसरे सात सितारा होटल की डिजाइनर एलिसिया लू ने इस बिल्डिंग को डिजाइन किया है। इस विल्डिंग का उद्घाटन 2013 में हुआ था। यहां रहने वाले अधिकांश निवासी युवा पेशेवर हैं, जिन्होंने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है। चीन की समाचार एजेंसी सिना के मुताबिक यहां बिना खिड़कियों वाले छोटे अपार्टमेंट 18 हजार रुपए प्रतिमाह के किराये पर मिल जाते हैं। वहीं बालकनी वाले अपार्टमेंट 46 हजार रुपए प्रतिमाह के रेट पर किराये पर मिलते हैं। इमारत में 39 फ्लोर हैं। साथ ही इमारत करीबन 14 लाख वर्गमीटर में फैली हुई है। इस इमारत की क्षमता करीब 30 हजार लोगों के ठहराने की है।

ट्रैफिक लोड कम कर रही ये इमारत

इस इमारत से शहर में यातायात दबाव को कम करने में भी मदद मिली है। इमारत में ही रहवासियों को आवश्यक सेवाएं मिलने की वजह से रहवासियों की लंबी दूरी तक गाड़ी चलाने की जरूरत नहीं होती है। ब्रॉड ग्रुप कंपनी के अनुमान है कि इस इमारत की वजह से 2 हजार गाड़ियां सड़कों पर कम आती हैं। इससे ट्रैफिक और प्रदूषण कम हो रहा है। इमारत में बिजली के लिए सौर पैनल से चलते वाले हीटिंग वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग सिस्टम लगे हैं, जो कार्बन उत्सर्जन की कम करते हैं। इसके अलावा पानी के लिए बिल्डिंग में रेन वॉटर हॉर्वेस्टिंग और ग्रेवाटर रीसाइक्लिंग की व्यवस्था भी गई है।

इंडोनेशिया में है विश्व की सबसे ऊंची विष्णु प्रतिमा, बनने में लगे हैं 24 साल

भारत में भगवान विष्णु के अनेक प्राचीन मंदिर हैं, लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि विश्व की सबसे ऊंची विष्णु प्रतिमा भारत में नहीं बल्कि एक मुस्लिम देश इंडोनेशिया में है। इंडोनेशिया में भले ही सबसे ज्यादा संख्या मुस्लिमों की हो और दुनिया में मुस्लिमों की आबादी के मामले में नंबर वन देश हो, लेकिन यहां के कण-कण में हिंदुत्व बसता है।

इंडोनेशिया की एयरलाइन का नाम गरुड़ा एयरलाइन है। गरुड़ यानी भगवान विष्णु की सवारी। इंडोनेशिया के बाली द्वीप में केनकाना पार्क है। इसी पार्क में गरुड़ विष्णु की 122 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित है, जिसे बनाने में 26 साल लगे। अमेरिका की स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के मुकाबले ये मूर्ति अधिक चौड़ी है। गरुड़ के पंख ही 60 मीटर के बनाए गए हैं।

24 साल में बनी है ये प्रतिमा

भगवान विष्णु की यह मूर्ति करीब 122 फुट ऊंची और 64 फुट चौड़ी है। इसका निर्माण तांबे और पीतल से किया गया है। इसे बनाने में 2-4 साल नहीं बल्कि करीब 26 साल का समय लगा है। साल 2018 में यह मूर्ति पूरी तरह बनकर तैयार हुई थी। अब इसे देखने और भगवान के दर्शन के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं।

1994 में शुरू हुआ था मूर्ति निर्माण का कार्य

इस मूर्ति के बनने की कहानी भी बड़ी ही दिलचस्प है। कहते हैं कि साल 1979 में इंडोनेशिया में रहने वाले मूर्तिकार बप्पा न्यूमन नुआर्ता ने एक विशालकाय मूर्ति बनाने का सपना देखा था। एक ऐसी मूर्ति, जिसे आज तक दुनिया में न बनाई गई हो। एक ऐसी मूर्ति, जिसे देखने वाला बस उसे देखता ही रह जाए। आखिरकार लंबी प्लानिंग के बाद मूर्ति बनाने का काम साल 1994 में शुरू हुआ।

मुस्लिम देश में होती है हिंदू देवताओं की पूजा

इंडोनेशिया के बाली द्वीप पर भगवान विष्णु की दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति है। ये मूर्ति स्टैच्यू ऑफ गरुड़ा के नाम से प्रसिद्ध है। यह मूर्ति इतनी विशाल और इतनी ऊंचाई पर है कि आप देखकर ही हैरान हो जाएंगे। इस मूर्ति को बनवाने में अरबों रुपये खर्च हुए थे. भगवान विष्णु के इस मूर्ति का निर्माण तांबे और पीतल का इस्तेमाल किया गया है।

नए साल के आयोजन में रामलीला

इंडोनेशिया में नए साल आयोजन शुरू हो चुके हैं। इसी क्रम में यहां बाली के केनकाना पार्क में गरुड़ विष्णु केनकाना केचक नृत्य हुआ। यह नृत्य रामायण पर आधारित है। मंचन की शुरुआत वानर की आवाज से हुई। इसके बाद करीब 100 पुरुष मंच पर प्रकट हुए। वह चौकड़ी मारकर बैठ गए। वे बाली नृत्य शैली में सीता हरण के दृश्यों का मंचन करने लगे। इस नृत्य को देखने के लिए देश के साथ विदेशी श्रद्धालु और सैलानी बड़ी संख्या में पहुंचे।

नोडल अधिकारी ने निर्धारित किए गए लक्ष्य के अनुरूप सभी अधिकारियों को तैयारियों के निर्देश

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप एक ही दिन में 37 करोड़ पौधारोपण कार्यक्रम को जन आंदोलन के रूप में सफल बनाने के उद्देश्य से प्रमुख सचिव, संस्कृति एवं पर्यटन उत्तर प्रदेश मुकेश कुमार मेश्राम को जनपद गौतम बुद्ध नगर का नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इसी क्रम में आज प्रमुख सचिव/जनपद के नोडल अधिकारी मुकेश कुमार मेश्राम द्वारा डीएम कैंप कार्यालय के सभागार में 09 जुलाई 2025 को एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत होने वाले वृक्षारोपण महा अभियान-2025 कार्यक्रम की रणनीति एवं कार्यक्रम को लेकर की जा रही तैयारियों की बहुत ही गहनता के साथ समीक्षा की गई। बैठक के दौरान नोडल अधिकारी ने कहा कि वृक्षारोपण केवल औपचारिकता न होकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसे गंभीरता एवं समर्पण भाव से क्रियान्वित किया जाना चाहिए।

नोडल अधिकारी ने वृक्षारोपण कार्यक्रम को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि 09 जुलाई को आयोजित होने वाला वृक्षारोपण महाअभियान कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के हृदय से जुड़ा हुआ कार्यक्रम है, इसलिए अधिकारीगण इस कार्यक्रम की गंभीरता को समझते हुए वृक्षारोपण कार्यक्रम को एक जन आंदोलन के रूप में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिए अपनी सभी तैयारियां युद्ध स्तर पर पूर्ण करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें और साथ ही साथ जनपद में वृक्षारोपण कार्यक्रम को लेकर व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार सुनिश्चित कराया जाए, ताकि वृक्षारोपण कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता दर्ज कराते हुए निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न कराया जा सके। उन्होंने बताया कि जनपद के लिए उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 11 लाख 68 हजार 300 पौधे रोपित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें वन विभाग, पर्यावरण विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, राजस्व विभाग, पंचायती राज विभाग, औद्योगिक विकास प्राधिकरण, नगर विकास, लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, सहकारिता विभाग, उद्योग विभाग, ऊर्जा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग एवं प्राविधिक शिक्षा आदि विभागों के लक्ष्य सम्मिलित हैं। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वृक्षारोपण में उपरोक्त सभी विभागों द्वारा अपने-अपने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वृक्षारोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी गंभीरता से अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करें एवं अभियान को प्रदेश में एक आदर्श अभियान बनाएं।

इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम को लेकर की गई वर्तमान तक की तैयारियों के संबंध में जनपद के नोडल अधिकारी को अवगत कराया गया और यह भी बताया कि जनपद में माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से जनपद के माननीय जनप्रतिनिधियों, औद्योगिक इकाइयों, स्कूल, कॉलेज, सिविल सोसाइटी, आरडब्लूए, एनजीओ, एनसीसी, नेहरू युवा केंद्र तथा युवक मंगल दल के पदाधिकारियों के साथ भी वार्ता करते हुए उनसे वृक्षारोपण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील भी की गई है।

जनपद के नोडल अधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह भी निर्देश दिए कि वृक्षारोपण कार्यक्रम को लेकर जनपद में जो सेक्टर तथा जोनल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, उनके द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग कर सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण करा ली जाएं। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके द्वारा वृक्षारोपण को लेकर जनपद के माननीय जनप्रतिनिधियों एवं नामित नोडल अधिकारियों के लिए चिन्हित वृक्षारोपण स्थलों पर गड्ढा खुदान एवं पौधे आदि की व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित करा ली जाए।

वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने हेतु जनसहभागिता बढ़ाने का आह्वानः प्रमुख सचिव

गौतमबुद्धनगर। एक पेड़ मां के नाम 2.0 वृक्षारोपण महाअभियान-2025 के तहत जनपद में चल रही तैयारियों का जायजा लेने हेतु उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग तथा जनपद के नोडल अधिकारी मुकेश कुमार मेश्राम ने आज सेक्टर 43 एवं 54 नोएडा का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने दोनों स्थलों पर गड्ढा खुदाई, पौधों की उपलब्धता, स्थल चिह्नांकन एवं समग्र व्यवस्था का सूक्ष्म अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वृक्षारोपण के निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए तथा लगाए गए पौधों की समयबद्ध सिंचाई और सुरक्षा की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

प्रमुख सचिव ने स्पष्ट किया कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं बल्कि एक दीर्घकालिक जिम्मेदारी है, जिसे पूरी निष्ठा और जनसहभागिता के साथ सफल बनाना होगा। उन्होंने अभियान को जनांदोलन का रूप देने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को इस प्रयास से जोड़ा जाना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने प्रभागीय वन अधिकारी से पौधों की संख्या, प्रजातियों एवं लॉजिस्टिक व्यवस्था की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि अभियान को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए तथा इसकी निगरानी लगातार की जाए।

इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदोरिया, प्रभागीय वन अधिकारी पी के श्रीवास्तव, सहायक निदेशक सूचना सुनील कुमार कनौजिया, साथ ही प्रशासन, प्राधिकरण एवं पुलिस विभाग के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

सीबीआई की नोएडा में बड़ी कार्रवाई, आस्ट्रेलियाच्च के लोगों से साइबर फ्रॉड करने वाला मास्टरमाइंड दबोचा

नोएडा। नोएडा में सीबीआई ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की है। इंटरनेशनल स्तर के फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए मास्टरमाइंड को मौके से पकड़ा गया है। आरोपी आस्ट्रेलिया व च्च के लोगों से ठगी करता था। लंबे समय से भारत में बैठकर आरोपी ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहा था। विदेश से इस मामले में शिकायत मिलने के बाद आरोपी की धरपकड़ हुई है। आरोपी की पहचान निशांत वालिया के रूप में हुई है। वह स्ब्ह्वह्ल्यह्ल इंडिया नाम से कंपनी चलाता है। इसमें कई और भी पार्टनर है। उनकी तलाश जारी है।

सीबीआई की जांच में पता चला है कि आरोपी साइबर एक्सपर्ट है। हाईटेक सॉफ्टवेयर के जरिये आरोपी व उसके साथी विदेशी नागरिकों की निजी जानकारी चोरी कर लेते थे। उन लोगों को टेक्निकल मदद, बैंक सपोर्ट और सुरक्षा अपटेड के नाम पर पहले मदद का झांसा देते थे बाद में ब्लैकमेल कर साइबर फ्रॉड कर लेते थे। लंबे समय से यह धंधा संचालित किया जा रहा था। जांच में पता चला है कि इस गैंग में कई अन्य शातिर भी है। आरोपी विदेशी नागरिक को फोन पर कहते थे कि उनकी बैंकिंग को खतरा है। उनके सिस्टम में वायरस अटैक हो सकता है। यह सुनकर व्यक्ति डर जाता था। इसके बाद पीड़ित को फिशिंग लिंक व नकली वेबसाइट का लिंक भेजकर उसको क्लिक करने के लिए कहते थे। जैसे ही उस पर पीड़ित क्लिक करता था उसके साथ साइबर फ्राड हो जाता था।

आपत्तिजनक दस्तावेज मिलेः अब तक की जांच में पता चला है कि सीबीआई को मौके से आरोपी का लैपटॉप, मोबाइल, आपत्तिजनक दस्तावेज व हाई ड्राइव मिली है। जांच में यह भी पता चला है कि इंटरनेशनल लेवल के इस फ्राड में निशांत जैसे कई और है, जिनकी तलाश सीबीआई कर रही है। इस मामले में जल्द ही और कार्रवाई भी देखने को मिल सकती है।

करोड़ों में है आंकड़ाः सूत्रों ने दावा किया है कि आरोपी द्वारा की गई ठगी का आंकड़ा करोड़ों में है। हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। सीबीआई इस मामले में जल्द ही बड़ा खुलासा कर सकती है।

ज्ञानश्री विद्यालय ने 'शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह' में मनाया गौरव का ऐतिहासिक क्षण

नोएडा। नोएडा स्थित ज्ञानश्री विद्यालय में आयोजित 'शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह 2025' एक अत्यंत गरिमामय अवसर था, जिसने विद्यालय की शैक्षणिक श्रेष्ठता की विरासत में एक नया मील का पत्थर जोड़ा। यह समारोह उन विद्यार्थियों के सम्मान में समर्पित था जिन्होंने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। इस भव्य आयोजन की मुख्य अतिथि सीबीएसई, आरओ नोएडा की क्षेत्रीय निदेशक, श्रीमती एस. धारणी अरुण रहीं। उन्होंने विद्यालय की परिवर्तनकारी भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि - प्रतिभाओं को निखारने और भविष्य के नेतृत्व को आकार देने में शिक्षकों द्वारा रखी गई मजबूत नींव ही हर महान सफलता की आधारशिला होती है।÷समारोह में गौतम बुद्ध नगर के अपर जिलाधिकारी, श्री राजेश कुमार ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और विद्यालय समुदाय को इस असाधारण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी।

विद्यालय के चेयरमैन श्री एम.एल. अग्रवाल ने भी छात्रों और शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ÷ज्ञानश्री आज केवल अकादमिक उत्कृष्टता का नहीं, बल्कि जीवन कौशल और नैतिक मूल्यों के संवर्धन का भी प्रतीक बन चुका है। विद्यालय की निरंतर प्रगति उनके नेतृत्व और दूरदर्शी सोच का प्रतिफल है। समारोह में कार्यकारी समिति के सदस्यों ने भी छात्रों की उपलब्धियों को सराहा और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। विशेष रूप से, विद्यालय और जिले की टॉपर आकांक्षा चौहान को 99.75त्न की अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। उनके साथ ही कक्षा XII के अन्य मेधावी छात्र - भोर दीक्षित, तरवी गुप्ता, और सांची दासगुप्ता को भी विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ, विद्यालय के खेल प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर ज्ञानश्री का नाम रोशन किया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती प्रियंका भाटकोटी ने अपने भावपूर्ण संबोधन में अध्यक्ष श्री एम.एल. अग्रवाल के नेतृत्व और अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने शिक्षकों के अथक समर्पण और सामूहिक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि - जब शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो हर सपना साकार हो सकता है।÷शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह 2025' न केवल विद्यार्थियों के लिए सम्मान का अवसर था, बल्कि संपूर्ण विद्यालय समुदाय के लिए गौरव और प्रेरणा का प्रतीक बन गया, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरक मील का पत्थर साबित होगा।

भक्तों को दर्शन देकर जगन्नाथ जी बहन सुभद्रा और भैया बलभद्र के साथ मंदिर लौटे

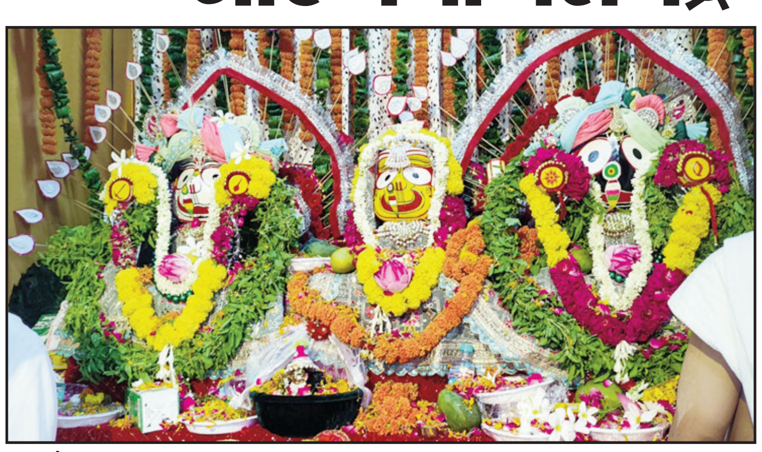

नोएडा। निर्माणाधीन इस्कॉन मंदिर एक्सप्रेस वे सैक्टर 151 द्वारा श्री जगन्नाथ रथ यात्रा पारस टिएरा सोसायटी में धूमधाम से निकाली गई। हजारों की संख्या में माताएं, बच्चे, बूढ़े सभी ने हर्षोल्लास के साथ मृदंग करताल हारमोनियम पर हरे कृष्ण संकीर्तन पर जमकर नृत्य किया। मीडिया प्रभारी वैकुंठ निवास दास ने बताया कि मंदिर अध्यक्ष श्याम गोपाल प्रभु, राधा कुंड प्रभु, गिरिराज प्रभु, पुंडरीक प्रभु, रोहिणी प्रभु, रेणुका प्रभु, गर्गमुनि प्रभु, विजित प्रभु, कृष्णानंद प्रभु, आदिलीला प्रभु, रसाश्रय प्रभु ने दिव्य हरिनाम संकीर्तन किया। इस्कॉन मंगोलिया से तुलसी कृष्ण प्रभु ने भी यात्रा में भाग लिया। भक्तों ने रथ की रस्सी खींचने में बहुत उत्साह दिखाया। माताओं ने रंगोली बनाकर व थाली सजाकर जगन्नाथ जी का स्वागत किया। फल, मिष्ठान, जूस, खिचड़ी, हलवा आदि छप्पन भोग प्रसाद वितरण किया गया। सप्ताह भर रथ पर घूमकर भक्तों को दर्शन देकर जगन्नाथ जी अपनी बहन सुभद्रा रानी और भैया बलभद्र जी के साथ मंदिर लौट गए। साल में एक बार भगवान रथ पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देने आते हैं।

वैकुंठ निवास दास ने सभी भक्तों से भगवान के सैक्टर 151 गांव गुरजा डेरीन में निर्माणाधीन मंदिर में बढ़-चढ़कर धन, सरिया सीमेंट रोड़ी ईंट आदि दान करने की अपील की।

औषधि निरीक्षक ने नोएडा व ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में मेडिकल स्टोरों पर दवाओं की गुणवत्ता जांची

गौतमबुद्धनगर। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन एवं डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में जनपद के मेडिकल स्टोर्स पर मानकों के अनुरूप दवाईयों की बिक्री सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से विगत दिवस औषधि निरीक्षक जय सिंह ने नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान ईराया फार्मा प्राइवेट लिमिटेड चिपियाना ग्रेटर नोएडा से 05 एवं ह्लह्द्गठु मेडिकोज सेक्टर 51 नोएडा से 01 दवा, कुल 06 दवाओं के नमूने जांच हेतु संग्रहित किये हैं। प्रयोगशाला से रिपोर्ट आने के उपरांत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

औषधि निरीक्षक द्वारा बताया गया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के निर्देशों के क्रम में जनपद में सभी प्रकार की दवाइयां मानकों एवं गुणवत्ता के साथ सभी मेडिकल स्टोर्स पर बिक्री सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से आगे भी इसी प्रकार अभियान संचालित करते हुए मेडिकल स्टोर्स पर दवाओं की जांच की जाएगी।

कर्मचारियों की पदोन्नति एवं वेतन विसंगतियों को लेकर प्रमुख सचिव से मिले एनईए अध्यक्ष राजकुमार सिंह

नोएडा। नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष चौधरी राजकुमार सिंह व महासचिव जितेन्द्र कुमार ने शासन स्तर पर नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारियों के कार्यों के संबंध में मंगलवार को प्रमुख सचिव औद्योगिक एवं स्थापना विभाग आलोक कुमार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों की पदोन्नति एवं वेतन विसंगतियों आदि के बारे में पत्र भी सौंपा। अध्यक्ष राजकुमार चौधरी ने प्रमुख सचिव से कर्मचारियों से जुड़ी तमाम समस्याओं पर चर्चा की। राजकुमार चौधरी ने बताया कि बैठक सकारात्मक रही और प्रमुख सचिव ने इस मामले में जल्द ही कर्मचारियों के पक्ष में निर्णय लेने की बात कही।

संचारी रोग अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर किया जाएगा स्वास्थ्य आकलन

गौतमबुद्धनगर। बाल विकास परियोजना कार्यालय में एक अहम सेक्टर मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता बाल विकास परियोजना अधिकारी संध्या सोनी ने की। बैठक का प्रमुख उद्देश्य संभव अभियान 5.0 के प्रभावी क्रियान्वयन की रणनीति पर चर्चा एवं क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को अभियान की गंभीरता से अवगत कराना रहा।

CDPO ने बताया कि गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों (स्न्रू) की पहचान, पोषण प्रबंधन और चिकित्सकीय सहायता के लिए घर-घर भ्रमण जरूरी है। प्रत्येक आंगनवाड़ी कार्यकत्री को निर्देशित किया गया कि वे स्न्रू बच्चों के घर 15-15 दिन के अंतराल पर जाएं, परिजनों को ऊर्जा युक्त भोजन, मात्रा व आवृत्ति की जानकारी दें और बच्चों की भोजन संबंधी आदतों का मूल्यांकन करें।

VHSND सत्रों में सभी संबंधित बच्चों को बुलाकर, ह्रू, स्न्न और आंगनवाड़ी कार्यकत्री मिलकर पोषण का आकलन करेंगी और जानकारी पोषण ट्रैकर व श्व-चड्डु1ड्डुष्द्ध पर अद्यतन की जाएगी।

CHO द्वारा 02 किलोग्राम से कम वजन वाले नवजातों के घर जाकर उचित परामर्श दिया जाएगा। 06 माह से कम आयु के बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर विशेष फोकस एवं 0-6 माह के शिशुओं के लिए 6 माह, 7 बार रणनीति के तहत सात बार गृह भ्रमण कर स्तनपान परामर्श एवं वजन जांच की जाएगी। स्ष्टक्क कार्ड पर नियमित अंकन सुनिश्चित किया जाएगा। कम वजन वाले (स्क्चङ्ख) बच्चों की पहचान कर विशेष ध्यान दिया जाएगा। गर्भवती महिलाओं के पोषण प्रबंधन हेतु उनके वजन, हीमोग्लोबिन जांच, आयरन व कैल्शियम की उपलब्धता तथा, ह्रष्ट 1 से 4 की निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में बाल विकास परियोजना अधिकारी ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि जिन आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा बार-बार निर्देश देने के बावजूद लाभार्थियों का फेस रिकग्निशन और ई-केवाईसी कार्य पूर्ण नहीं किया गया, उनका मानदेय तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह कार्य भारत सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में है, जिसका उद्देश्य पोषण कार्यक्रमों की पारदर्शिता एवं वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करना है। लगातार चेतावनी एवं फील्ड विजिट के बावजूद कुछ कार्यकत्रियाँ अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाह पाई गईं, इसलिए यह अनुशासनात्मक कदम आवश्यक हो गया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कार्य शीघ्र पूरा कर रिपोर्ट देने वाली कार्यकत्रियों का मानदेय यथाशीघ्र बहाल कर दिया जाएगा। यदि आगामी 3 दिनों में कार्य पूर्ण नहीं किया गया तो संबंधित कार्यकत्रियों की सेवा समाप्ति हेतु पत्रावली वरिष्ठ अधिकारियों को प्रेषित कर दी जाएगी।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि संचारी रोग एवं दस्तक अभियान के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकत्रियाँ आशा के साथ समन्वय बनाकर घर-घर जाकर टीबी, बुखार व स्न्रू बच्चों की पहचान व प्रबंधन का कार्य करेंगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य सेविका ऊषा सिंह, किरण भारती, बीएमसी शिवेंद्र एवं बीसी भरत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादकः अनिल रॉयल

फोनः (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

राष्ट्रीय राजमार्गों पर वाहनों के प्रदूषण को कम करना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी: नितिन गडकरी

नोएडा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने मंगलवार को पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के उपलक्ष्य में फरीदाबाद-नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कॉरिडोर पर लगभग 17 हजार पौधे लगाने का अभियान शुरू किया। इस मौके पर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, राज्य मंत्री अजय टम्टा, सड़क परिवहन और राजमार्ग और कॉर्पोरेट मामले के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक धीरेंद्र सिंह, एनएचएआई के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, डीएम मनीष कुमार वर्मा के साथ-साथ सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने फरीदाबाद-नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा रोड पर यमुना एक्सप्रेसवे इंटरचेंज पर पौधारोपण

किया। इस अवसर पर स्कूली छात्रों ने पर्यावरण स्थिरता का संदेश फैलाने के उद्देश्य से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि प्रदूषण का एक बड़ा हिस्सा सड़कों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर वाहनों द्वारा खपत किए जाने वाले ईंधन से उत्पन्न होता है। इसे कम करना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इथेनॉल जैसे वैकल्पिक ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देना और बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाना सबसे प्रभावी समाधान हैं, और हम दोनों पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पर्यावरण स्थिरता के लिए हम सड़क निर्माण में कचरे का भी प्रभावी ढंग से उपयोग कर रहे हैं और सड़क निर्माण में लगभग 80 लाख टन कचरे का उपयोग किया गया है। हम अपने राजमार्गों पर वर्षा जल संचयन जैसे उपायों को अपनाकर जल संरक्षण को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' पर्यावरण स्थिरता के लिए एक बहुत ही नेक पहल है, और मैं राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे 5 करोड़ पेड़ लगाने के लिए एनएचएआई को बधाई देता हूँ।

बता दें कि फरीदाबाद-नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कॉरिडोर, दिल्ली-एनसीआर और जेवर में नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बीच संपर्क बढ़ाएगा। कॉरिडोर के साथ लगभग 17 हजार पेड़ लगाने से क्षेत्र में वायु की गुणवत्ता में सुधार, मिट्टी के कटाव में कमी और जैव विविधता में वृद्धि आदि मिलेंगे। पर्यावरणीय स्थिरता और बुनियादी ढांचे के विकास दोनों पर यह दोहरा ध्यान फरीदाबाद-नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कॉरिडोर को हरित बुनियादी ढांचे के अग्रणी उदाहरण के रूप में स्थापित करेगा, जो पूरे देश में हरित विकास के लिए एक नया मानदंड स्थापित करेगा।

विवाह मात्र भौतिक प्रदर्शन नहीं यह सनातन संस्कार है: दिलीप दास

नोएडा। सैक्टर 20 स्थित श्री हनुमान मंदिर में चल रही श्री राम कथा के छठवें दिन की अयोध्या धाम से पधारे रघुवंश संकल्प सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष स्वामी दिलीप दास त्यागी जी श्री सीताराम राम विवाह की कथा सुनाते हुए कहा कि श्री सीता और राम जी अभिन्न हैं फिर भी मानव रूप अवतार लेने के कारण उनका विवाह होता है क्योंकि सनातन धर्म में विवाह को प्रमुख संस्कार माना जाता। आजकल हमारे समाज में विवाह मात्र वैभव का प्रदर्शन होता जा रहा है जिसमें केवल भौतिकता दिखाई पड़ रही है। विवाह मात्र भौतिक प्रदर्शन नहीं यह महत्वपूर्ण संस्कार है और दो परिवारों दो गांवों को जोड़ने का माध्यम है। गरिमामई उपस्थिति राम अवतार मिश्र, मुकेश शर्मा, सुभाष शर्मा मनोज भाटी, गीता भाटी, पप्पू बृजवासी,आदि राम कथा प्रेमियों की रही।

चार मंजिला निर्माणाधीन मकान भर-भराकर गिरा

नोएडा। सोमवार रात में ग्रेटर नोएडा स्थित दादरी कोतवाली क्षेत्र के रेलवे रोड पर वेद विहार कॉलोनी में निर्माणाधीन चार मंजिला मकान अचानक भरभरा कर गिर गया। मकान की चपेट में आने से पड़ोस के दो मकान क्षतिग्रस्त हो गए। मकानों में करोड़ों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। कोई जनहानि नहीं हुई है। मकान रात में खाली था। मकान से आवाजें आने के चलते पड़ोस के मकानों से लोग बाहर आ गए थे। मकान का मलवा हटाने का काम शुरू कर दिया है।

दादरी कोतवाली क्षेत्र के तहत रेलवे रोड पर वेद विहार कॉलोनी में मनिंद्रर बिजली विभाग में संविदा कर्मचारी है। वेद विहार कॉलोनी में ही 100 वर्ग वर्ग के प्लाट पर चार मंजिला मकान का निर्माण चल रहा था। मकान निर्माण अंतिम चरण में था। इन दिनों मकान का प्लास्टर चल रहा था। सोमवार सवेरे तीन बजे से तेज बरसात हुई थी। रात करीब नौ बजे के करीब मकान से कड़ने की आवाज आने लगी। जिसको सुनकर आस-पास के लोग घरों से बाहर निकलकर खुले में आ गए। देखते ही देखते रात करीब एक बजे तक पूरा मकान रेत के ढेर की तरह जमीन पर गिर गया। शुक्र यह रहा कि मकान सिंचाई विभाग की खाली पड़ी जमींन की तरफ गिरा है। मकान के बराबर में प्रमोद और दीपक के मकान का आधा हिस्सा और दूसरी साइड के मकान का छज्जा भी चपट में आने से गिर गया है।

लोगों का कहना है कि अगर मकान कॉलोनी की तरफ गिरता तो बहुत बड़ी जनहानि हो सकती थी। मकानों में करीब एक करोड़ रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। मकान गिरने से मोहल्ले के लोग पूरी रात्रि दहशत में रहे। मकान का मलवा हटाने का कार्य शुरू किया जा रहा है।

नींव कमजोर होने के कारण गिरा मकान: मकान पर तेजी से निर्माण किया गया। मकान की नींव मजबूत नहीं होने से गिरा है। मकान के पीछे खाली सिंचाई विभाग की जमीन है। आगे रास्ता है। दोनों साइड में मकान बने हुए हैं। रात में मकान से आवाज आने के बाद लोग सर्तक हो गए थे। लोगों को मकान के गिरने का आशंका बनी हुई थी।

हड़ताल की सभी तैयारियां पूरी सड़कों पर होगा मजदूर: गंगेश्वर दत्त शर्मा

नोएडा। केंद्र व प्रदेश सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों,मजदूर विरोधी लेबर कोड्स, बढ़ती महंगाई घटते वेतन सहित कई मुद्दों/ मांगों को लेकर मजदूर संगठनों के संयुक्त आह्वान पर 9 जुलाई 2025 की प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल की तैयारी में जनपद गौतम बुध नगर में ट्रेड यूनियन कार्यकर्ताओं ने अभियान को तेज करते हुए अलग-अलग औद्योगिक क्षेत्रों में माइक प्रचार, नुक्कड़ सभा, जनसंपर्क, पर्चा वितरण के माध्यम से 9 जुलाई 2025 को अपने हक अधिकारों की हिफाजत के लिए हड़ताल कर सड़कों पर निकलकर अलग-अलग इलाकों से निकलने वाले जुलूस और प्रदर्शनों में भारी संख्या में शामिल होने की अपील कामगारों से किया। प्रचार अभियान को मजदूरों का व्यापक समर्थन देखने को मिला।

प्रचार अभियान का नेतृत्व श्रमिक नेता रामसागर, गंगेश्वर दत्त शर्मा, धर्मेंद्र कुमार गौतम, चंदा बेगम, आशा यादव, पूनम देवी, रितेश कुमार झा, उदय चंद्र झा, रामनरेश यादव, प्रेम कुमार, संतोष तिवारी, मुकेश कुमार राघव, राममिलन सिंह, रामकिशन, पारस रजक, सुनील पंडित, हरेंद्र आदि ने किया।

सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त ऊशर्मा ने बताया कि 9 जुलाई हड़ताल के दिन विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र मजदूर बस्तियों से अलग-अलग स्थानों से जुलूस निकाले जाएंगे। नोएडा से निकलने वाले जुलूस नोएडा प्राधिकरण कार्यालय सेक्टर- 6 पर प्रदर्शन के साथ समाप्त होंगे तथा ग्रेटर नोएडा में निकलने वाले जुलूस जिलाधिकारी कार्यालय सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर प्रदर्शन के बाद समापन होगा। उन्होंने बताया कि हड़ताल की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है और कल बड़ी संख्या में मजदूर सड़कों पर निकलकर जलूस/ प्रदर्शनों में शामिल होगा।

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय गोल्फ कोर्स परियोजना पूरा न करने पर कंपनी पर केस

नोएडा। सेक्टर-151ए स्थित अंतरराष्ट्रीय गोल्फ कोर्स परियोजना का काम पूरा न करने पर निर्माण कंपनी के खिलाफ नोएडा प्राधिकरण की ओर से नॉलेज पार्क कोतवाली में केस दर्ज कराया गया है। पुलिस ने सोमवार को मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

वर्क सर्किल-10 के अवर अभियंता सूरज त्यागी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि एक जुलाई 2021 को गाजियाबाद की मैसर्स कश्यपी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को सेक्टर-151ए में अंतरराष्ट्रीय गोल्फ कोर्स के निर्माण का जिम्मा सौंपा गया था। लेकिन ठेकेदार काफी धीमी गति से काम कर रहा है। प्राधिकरण ने कई बार पत्रों के माध्यम से गुणवत्ता और समयबद्ध कार्य के निर्देश दिए। बावजूद इसके उसका रवैया नहीं सुधरा। कई पेटी ठेकेदारों ने भी कश्यपी इंफ्रास्ट्रक्चर के खिलाफ समय पर भुगतान न मिलने की शिकायतें दर्ज कराई हैं। जबकि प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर कार्य की माप के अनुसार भुगतान किया जाता रहा है। इससे संकेत है कि भुगतान में अनियमितता कंपनी स्तर पर है। कार्य रुकने के कारण गोल्फ कोर्स की खुली भूमि अब आवारा पशुओं, झाड़-झंखाड़ और असामाजिक तत्वों के अस्थाई प्रयोग में आ रही है।

सदस्यता शुल्क वापसी का दबाव बना रहे लोग: जिन लोगों ने इस अंतरराष्ट्रीय परियोजना की सदस्यता ली थी। वह सदस्यता शुल्क की वापसी और समय पर निर्माण की मांग कर रहे है। अगर जल्द कार्य शुरू नहीं किया गया तो इससे न केवल प्राधिकरण की छवि धूमिल होगी, बल्कि भविष्य में अंतरराष्ट्रीय निवेश और परियोजनाओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

140 करोड़ की लागत से हो रहा निर्माण: बता दे परियोजना जुलाई 2021 में शुरू की गई। इसका 68 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। जून 2025 तक इसका निर्माण पूरा किया जाना था। जमीन नहीं मिलने की वजह से योजना में करीब 11 करोड़ रुपये का वेरिएशन आया। अब इसकी लागत 140 करोड़ हो चुकी है। इसमें 107 करोड़ से सिविल वर्क किया जाएगा। 20 करोड़ से इलेक्ट्रिकल वर्क और 12 करोड़ की लागत से उद्यानिकी काम होगा।

ग्रेटर नोएडा में 25 लाख की ड्रग्स पकड़ी, चार गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा की नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने 25 लाख की ड्रग्स के साथ 4 आरोपियों को धर दबोचा है। आरोपियों के कब्जे से 600 ग्राम ड्रग्स मिली है। चारों आरोपी की पहचान रोहित कुमार, नकुल, कृष्ण सिंह व लवकुश तेवतिया के रूप में हुई है। रोहित एसएसबी(सशस्त्र सीमा बल) में जवान में है। वर्तमान में उसकी पोस्टिंग जम्मू कश्मीर बार्डर पर है। चारों आरोपी जारचा क्षेत्र के रहने वाले है।

नॉलेज पार्क कोतवाली प्रभारी सर्वेश चंद ने बताया कि रोहित एसएसबी में तैनात है। वर्तमान में उसकी पोस्टिंग बार्डर पर है। वह बार्डर से ही ड्रग्स लेकर आया था। वहां से ड्रग्स लेकर आने के बाद वह अन्य साथियों की मदद से उसको फुटकर में तस्करी करता था। तस्करी करने के लिए उसने नकुल, कृष्ण व लवकुश को रखा था। गोपनीय विभाग ने इस मामले में गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। यह पता करने का प्रयास किया जा रहा है कि जवान रोहित के पास ड्रग्स कहां से आई। वह बार्डर पर दुश्मनों के संपर्क में तो नहीं था। उसके पास मिली ड्रग्स बार्डर सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर रही है। हालांकि इसकी पुष्टि करने के लिए गोपनीय जांच की जा रही है।

नशे पर प्रहार: गौतमबुद्धनगर जिले में लगातार नशे पर प्रहार किया जा रहा है। दो वर्ष पहले भी 200 करोड़ की ड्रग्स के साथ 10 विदेशी नागरिकों को धर दबोचा गया था। ड्रग्स के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है।

नोएडा में गोल्फ कोर्स के लिए जमीनी समस्या होगी दूर

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स में 2. 2261 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण धारा-11 के तहत किया जाएगा। इसके लिए जिला कलेक्टर की ओर से प्रारंभिक अधिसूचना जारी कर दी है। 60 दिनों तक आपत्तियां मांगी गई है। इसके बाद जमीन का अधिग्रहण कर लिया जाएगा। ये जमीन नोएडा के कामबख्शपुर गांव की है। जिसमें करीब 11 खसरे शामिल है। तमाम प्रयासों के बाद भी किसानों ने जमीन नहीं दी। इसलिए अब धारा-11 के जरिए जमीन ली जा रही है।

दरअसल ये नोएडा इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स 113 एकड़ में किया जा रहा है। इसी हिस्से में ये जमीन है। किसान के साथ कई बार की बैठक होने के बाद भी वो सहमत नहीं हुए। ऐसे में कलेक्टर की ओर से धार-11 की कार्यवाही की गई। जमीन मिल जाने के बाद गोल्फ कोर्स का पूरा निर्माण किया जा सकेगा। हालांकि गोल्फ कोर्स का निर्माण कर रही कंपनी को ब्लैक लिस्ट किया जा रहा है। क्योंकि सीईओ के निरीक्षण के दौरान मिला था कि जिस कंपनी को निर्माण का काम आवंटित किया गया था उसने काम बंद कर रखा है।

दहेज के लिए हत्या का आरोप

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में दनकौर कोतवाली क्षेत्र के जमालपुर गांव में दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर एक विवाहिता की हत्या करने का आरोप ससुरालियों पर लगा है। आरोप है कि दहेज में स्कॉर्पियो और कैश नहीं देने पर मंगलवार सुबह उसकी फांसी लगाकर हत्या कर दी गई। मामले की जानकारी होने पर मायके वाले और पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस में शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में केस दर्ज नहीं हो पाया था। ईकोटेक प्रथम कोतवाली क्षेत्र के बरसात गांव निवासी रिसाल ने करीब 5 वर्ष पहले अपनी बेटी पूजा की शादी जमालपुर गांव में की थी। उनका कहना है की शादी के बाद से ही ससुराली दहेज की खातिर उनकी बेटी को परेशान करते थे। उनका कहना है कि करीब 1 वर्ष तक उनकी बेटी मायके में रही थी। जिसके बाद आरोपी पक्ष ने उनके घर पहुंचकर आगे से ऐसी गलती नहीं करने की बात कहते हुए उसको करीब 1 महीने पहले लेकर आए थे। आरोप है कि दहेज की खातिर मंगलवार की सुबह आरोपी ससुरालियो ने एक राय होकर उनकी बेटी की फांसी लगाकर हत्या कर दी।

मानसून के बावजूद नहीं हुई बरौला के बड़े नाले की सफाई

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय सचिव गजेन्द्र बैसोया के आग्रह पर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी इंदू प्रकाश ने मंगलवार को गाँव बरौला का दौरा किया। जहां उन्होंने पाया कि सफाई व्यवस्था ठीक नहीं है, गाँव बरौला के बड़े नाले की सफाई नही हुई है?। जबकि मानसून आ गया है। यह नाला गाँव बरौला, सलारपुर, भंगेल, गेझा, शहदरा के पास से होता हुआ गाँव दोस्तपुर मंगरौली के सामने यमुना नदी में जा कर मिलता है। इसलिए इस नाले की सफाई होनी अत्यंत आवश्यक है।

गजेन्द्र बैसोया ने नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी इंदू प्रकाश से गाँव बरौला के सामने इस नाले की सफाई अतिशीघ्र करने की मांग की और कहा कि इस नाले को पक्का किया जाये। इसे ऊपर से आर सी सी से कवर किया जाये जिससे की नाले के आसपास निवास कर रहे निवासियों को नाले की बदबू और बीमारियों से राहत मिल सके। नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी इंदू प्रकाश ने नाले की सफाई व अन्य सभी समस्याओ का समाधान कराने का आस्वासन दिया।

11.68 लाख पौधे लगाने के लिए महाअभियान आज से

नोएडा। जिले में एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत बुधवार को पौधरोपण महाअभियान का शुभारंभ होगा। वन विभाग सहित अन्य विभागों के सहयोग से जिले में 11,68,300 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। आयोजन की तैयारियों की समीक्षा मंगलवार को डीएम कैंप कार्यालय में नोडल अधिकारी व प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम की अध्यक्षता में हुई।

समीक्षा बैठक में मुकेश मेश्राम ने कहा कि पौधरोपण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी अधिकारियों को युद्ध स्तर पर तैयारियां पूरी करने और अभियान को जन आंदोलन बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए जनप्रतिनिधियों, स्कूल-कॉलेज, औद्योगिक इकाइयों, एनजीओ, आरडब्ल्यूए, एनसीसी और युवा संगठनों को अधिक से अधिक सहभागिता के लिए प्रेरित करने को कहा।

वहीं, डीएम मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि विभिन्न विभागों जैसे वन, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, शिक्षा, कृषि, जल शक्ति व उद्योग आदि को लक्ष्य दिए गए हैं। तैयारियों में जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है। मुकेश मेश्राम ने वन विभाग को गड्ढों की खुदाई और पौधों की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने रोपित पौधों की सुरक्षा और देखभाल पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। अभियान के तहत नंदन वन, ग्राम्य वन और आयुष वन की स्थापना की तैयारियां भी अंतिम चरण में हैं। डीएम ने लोगों से अपील की कि 9 जुलाई को उत्साहपूर्वक पौधरोपण में भाग लें और सेल्फी लेकर एक पेड़ मां के नाम पोर्टल व डीएम जीबीएन के ट्विटर हैंडल पर साझा करें। बैठक में सीडीओ विद्यानाथ शुक्ल, डीएफओ प्रमोद श्रीवास्तव, बीएसए राहुल पंवार आदि मौजूद रहे।

न्यू नोएडा अवैध निर्माण को चिह्नित करेंगे लेखपाल

नोएडा। न्यू नोएडा में अवैध निर्माण को रोकने के लिए प्राधिकरण ने दो लेखपालों को नियुक्त किया है। दोनों लेखपाल के नोएडा के 20 और बुलंदशहर के 60 गांवों को देखेंगे। राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर यहां अवैध निर्माण की गतिविधियों को चिह्नित करेंगे। साथ ही प्रत्येक सप्ताह नोएडा प्राधिकरण को अपनी रिपोर्ट देंगे। 4 जुलाई को इसे संबंधित एक कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है।

शासन की ओर से DNGIRको विकसित करने के लिए 29 जनवरी 2021 को जमीन 80 गांवों की जमीन के लिए अधिसूचना जारी की गई थी। जिसके बाद यहां निर्माण के लिए नोएडा प्राधिकरण की मंजूरी की आवश्यकता है। बिना अनुमति के बनाया गया निर्माण अवैध माना जाएगा। छ्हत्तद्धक्र शहर करीब 209.11 वर्ग किमी में बसाया जाना है। प्राधिकरण ने बताया कि यहां अवैध निर्माण को रोकने के लिए लेखपाल के तौर पर राजेश कुमार शर्मा व मनोज कुमार दुबे को नियुक्त किया है। राजेश कुमार शर्मा को बुलंदशहर के 30 गांव और गौतमबुद्धनगर के 10 गांवों की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा मनोज कुमार दुबे बुलंदशहर के 30 और नोएडा के 10 गांव दिए गए है। इनका काम इन गांवों में हो रहे अवैध निर्माण को चिह्नित करना और प्रत्येक सप्ताह रिपोर्ट तैयार कर प्राधिकरण को सौंपना है।

चार फेज में पूरा किया जाएगा DNGIR: DNGIR 80 गांवों की जमीन पर बसाया जाएगा। इसके मास्टर प्लान को चार फेज में पूरा किया जाएगा। 2023-27 तक इसके 3165 हेक्टेयर को विकसित किया जाएगा। इसी तरह 2027 से 2032 तक 3798 हेक्टेयर एरिया को विकसित किया जाएगा। इसके बाद 2032-37 तक 5908 हेक्टेयर और अंत में 2037-41 तक 8230 हेक्टेयर जमीन को विकसित करने का प्लान है। इससे पहले यहां जमीन अधिग्रहण और मुआवजा के लिए रेट तय किए जाएंगे।

फेलिक्स के डॉक्टरों ने कराई प्लेटलेट्स की कमी से पीड़ित महिला की सुरक्षित डिलीवरी

नोएडा। फेलिक्स हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने प्लेटलेट्स की कमी और पहले से दो सिजेरियन ऑपरेशन की जटिलता के बावजूद सफल ऑपरेशन कर मां और नवजात बच्ची की जान बचाई है। डॉ सीमा चपराना ने बताया कि मध्य प्रदेश निवासी 39 सप्ताह की गर्भवती महिला पिछले शनिवार को रूटीन जांच के लिए नोएडा स्थित अस्पताल आई थी। प्लेटलेट काउंट मात्र 33 हजार होने से गंभीर थ्रॉम्बोसाइटोपीनिया था। जिससे डिलीवरी के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव के खतरे की आशंका थी। सामान्य सिजेरियन ऑपरेशन के लिए यह संख्या 1 लाख होनी चाहिए। इतनी कम प्लेटलेट्स के साथ सर्जरी करना खतरनाक माना जाता है। लेकिन समय की मांग और शिशु की स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने तुरंत प्लेटलेट्स की व्यवस्था शुरू की। डॉक्टरों ने पहले दो जंबो प्लेटलेट यूनिट्स चढ़ाए। जिससे काउंट 47 बजट हुआ। फिर दो और

यूनिट देने पर यह बढ़कर 89 हजार पहुंचा। यह संख्या अब भी न्यूनतम मानक से कम थी, लेकिन ऑपरेशन में देर करना शिशु और मां दोनों के लिए जोखिम भरा हो सकता था। ऐसे में डॉक्टरों ने बेहोशी की दवा (एनेस्थीसिया) देकर सावधानीपूर्वक ऑपरेशन शुरू किया। ऑपरेशन के दौरान गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ा। महिला का गर्भाशय पेट की दीवार से पूरी तरह चिपका हुआ था। जिसे मेडिकल भाषा में गर्भाशय आसंजन कहा जाता है। यह स्थिति आमतौर पर पहले किए गए सिजेरियन ऑपरेशन के कारण बनती है और सर्जरी को अत्यंत जटिल बना देती है। बावजूद लेयर को साइड कर एक विंडो बनाई और बहुत सावधानी से अंदर की ओर बढ़े। अंदर पहुंचते ही उन्हें ब्लैडर और यूट्रस के बीच भी चिपकाव मिला। जिससे ऑपरेशन और भी संवेदनशील हो गया। बावजूद गर्भाशय की ऊपरी परत पर चीरा लगाकर शिशु को बाहर निकाला। इस दौरान देखा गया कि शिशु ने गर्भ में ही मल त्याग किया हुआ था, लाल। जो एक गंभीर स्थिति होती है और नवजात के फेफड़ों पर असर डाल सकती है। लेकिन सौभाग्य से बच्ची स्वस्थ निकली और उसका वजन 3.3 किलोग्राम पाया गया। इसके बाद डॉक्टरों ने गर्भाशय को सावधानी से बंद किया। इस पूरे जटिल ऑपरेशन के दौरान कोई गंभीर रक्तस्राव नहीं हुआ। मरीज के प्लेटलेट्स बहुत कम थे। यूट्रस पूरी तरह पेट की दीवार से चिपका था और पहले से दो सिजेरियन हो चुके थे। इसलिए यह केस बेहद चुनौतीपूर्ण था। लेकिन टीम ने सोच-समझकर उठाया और मां- बच्चे दोनों को सुरक्षित बचाया। वर्तमान में मां और नवजात बच्ची डॉक्टरों की निगरानी में हैं और धीरे-धीरे स्वस्थ हो रही हैं।

मराठवाड़ा में बढ़ गए किसानों की खुदकुशी के मामले, 6 महीने में 520 ने दे दी जान

मराठवाड़ा, एजेंसी। महाराष्ट्र में मराठवाड़ा क्षेत्र के आठ जिलों में इस साल जनवरी महीने से 26 जून तक 520 किसानों ने आत्महत्या की है। यह संख्या पिछले साल इसी अवधि में दर्ज आत्महत्या के 430 मामलों से 20 प्रतिशत अधिक है। राज्य के राजस्व विभाग की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। मध्य महाराष्ट्र क्षेत्र में बीड जिले में आत्महत्या की सर्वाधिक घटनाएं हुईं जहां पहली छमाही में 126 किसानों ने अपना जीवन समाप्त कर लिया। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में जनवरी से जून के बीच मराठवाड़ा के आठ जिलों में 430 किसानों ने आत्महत्या की थी, जबकि वर्ष 2025 की समान अवधि में इस क्षेत्र के 520 किसानों ने आत्महत्या की। इस प्रकार किसानों की आत्महत्या के मामलों में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया कि जनवरी-जून 2024 के दौरान भी आत्महत्या के सर्वाधिक मामले बीड जिले में ही थे, जब 101 किसानों ने अपनी जिंदगी समाप्त कर ली। इसमें कहा गया कि इस वर्ष मुआवजा योग्य 313 मामलों में से 264 में प्रभावित परिवारों को अनुग्रह राशि दी गई है, जबकि 146 मामले पड़ताल के दायरे में हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 61 मामले मुआवजे के लिए अयोग्य पाए गए, जो पिछले साल जनवरी-जून में हुए 20 ऐसे ही मामलों से तीन गुना अधिक है। इस साल जनवरी से जून तक बीड में 126, छत्रपति संभाजीनगर में 92, नांदेड़ में 74, परभणी में 64, धाराशिव में 63, लातूर में 38, जालना में 32 और हिंगोली में किसानों की आत्महत्या के 31 मामले सामने आए। किसानों की खुदकुशी के मामले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि हर किसान कर्ज में डूबा जा रहा है।

25 साल की जेल अभी खत्म नहीं हुई, राहत मांगने पहुंचे अबू सलेम से बोला हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी। बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को गैंगस्टर अबू सलेम को राहत देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि प्रथम दृष्टया उसकी राय है कि उसने (सलेम) पुर्तगाल से प्रत्यर्पण की शर्तों के तहत भारत की जेल में अभी तक 25 साल पूरे नहीं किए हैं। सलेम ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर उसे जेल से रिहा करने का अनुरोध किया है। उसने दलील दी है कि अगर अच्छे आचरण के लिए छूट को शामिल किया जाए, तो वह पहले ही 25 साल के कारावास की सजा काट चुका है। याचिका में कहा गया है कि जब सलेम को पुर्तगाल से प्रत्यर्पित किया गया था, उस समय भारत सरकार ने आश्वासन दिया था कि उसे किसी भी मामले में मौत की सजा नहीं दी जाएगी और उसे 25 साल से अधिक की जेल की सजा भी नहीं दी जाएगी। न्यायमूर्ति ए एस गडकरी और न्यायमूर्ति राजेश पाटिल की पीठ ने सोमवार को सलेम की याचिका स्वीकार कर ली, लेकिन कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार, सलेम की गिरफ्तारी अक्टूबर 2005 में हुई थी और इसलिए प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट है कि 25 साल की अवधि अभी पूरी नहीं हुई है। पीठ ने कहा कि वह इस याचिका पर अंतिम सुनवाई उचित समय पर करेगी।

बिलासपुर में बाढ़ में फंस गए 17 ग्रामीण, 10 घंटे जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष, बची जान

बिलासपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर संभाग में इन दिनों भारी बारिश हो रही है। बारिश से किसानों को राहत है तो कईयों के लिए आफत भी बन जा रही है। कोरबा जिले में रविवार की शाम हुई मूसलधार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। मूसलाधार बारिश से कहीं बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं तो कहीं हादसे की स्थिति बन गई है। पाली ब्लॉक के ग्राम ढुकुपथरा और पोंडी के लब्दापारा में खेती करने गए 17 ग्रामीण अचानक बाढ़ के पानी में फंस गए। हालात इतने गंभीर हो गए कि जान पर बन आई। ग्रामीण घंटों अपनी जान बचाने जद्दोजहद करते रहे, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। आखिरकार 10 घंटे की मशक्कत के बाद उन्हें बाढ़ से बाहर निकाल लिया गया। खासकर उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में भारी बारिश हो रही है। खेती किसानी करने गए पाली ब्लॉक के ग्राम ढुकुपथरा और लब्दापारा के 17 ग्रामीण भारी बारिश से आई बाढ़ में फंस गए। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में राजस्व विभाग, थाना पाली, जिला आपदा प्रबंधन, नगर सेना कोरबा और राज्य आपदा प्रतिक्रिया टीम बिलासपुर की संयुक्त टीम ने रविवार रात को ही रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया।

बिहार चुनाव के बीच ठाकरे बंधुओं ने चला मराठी दांव

मुंबई , एजेंसी।
मराठी अस्मिता के मुद्दे पर ठाकरे बंधुओं यानी शिवसेना (यूबीटी) के उद्धव और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज के एकजुट होने से कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से लेकर बीएमसी यानी बृह्नमुंबई महानगर पालिका चुनाव समेत कई मुद्दे इसकी वजह बताए जा रहे हैं। फिलहाल, इसे लेकर कांग्रेस आलाकमान की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। खबर है कि शनिवार को मुंबई में हुए ठाकरे बंधुओं के कार्यक्रम से कांग्रेस ने दूरी बनाई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र कांग्रेस का मानना है कि ठाकरे बंधुओं का साथ आने का असर मुंबई में क्ष्ष्ट चुनाव तक सीमित होगा। खास बात है कि कांग्रेस ऐसे हालात में मंच साझा करती नजर नहीं आना चाहती, वहीं वह शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को भी नाराज करने का जोखिम नहीं उठा सकती।

अखबार से बातचीत में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता बताते हैं, वो अधूरे मन से दिया गया न्योता था। हमारे नेताओं को बुलाया गया था। एनसीपी कार्यक्रम में गई थी, लेकिन उनका अपमान किया गया। उनके नेताओं को बोलने के लिए भी नहीं बुलाया गया। ठाकरे मराठी आंदोलन का पूरा क्रेडिट लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है कि हम नहीं गए, क्योंकि कांग्रेस हिंदी विरोधी आंदोलन का हिस्सा नहीं थी। अजीबोगरीब बयानों के बाद भी हमारे नेताओं ने मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया, क्योंकि उन्हें दिल्ली के निर्देशों की स्पष्ट जानकारी नहीं थी।

एक नेता ने कहा, ठाकरे बंधुओं की नजर सिर्फ बीएमसी चुनाव पर है और हम वो अकेले लड़ना चाहते हैं। हमने बीएमसी चुनावों के लिए किसी से गठबंधन नहीं किया था।

एक अन्य नेता ने अखबार को बताया, ठाकरे ने यह सब सिर्फ बीएमसी में सत्ता हासिल करने के लिए किया है। हमारे विधायकों का मानना है कि हमें अकेले लड़ना चाहिए। हमारे पास जो जगह है, हम उसे छोड़ नहीं सकते। जब हम (उद्धव सेना) के साथ जाते हैं, तो अल्पसंख्यक वोट बैंक शिवसेना के साथ जाता है, लेकिन शिवसेना का वोट हमें नहीं मिलता। रिपोर्ट के अनुसार, एक नेता ने कहा, यह एक जटिल स्थिति है। कांग्रेस के पास मुंबई में खास जनाधार नहीं है। हम ना ही मराठी मानूस के साथ हैं और ना ही गुजरातियों के साथ। हमारा जनाधार सिर्फ अल्पसंख्यकों में है, जो कुछ उन जगहों पर है जहां सपा और एआईएमआईएम उम्मीदवार उतारते हैं। उत्तर भारतीयों में हमारा थोड़ा जनाधार है, जो कि अगर राज के साथ हम नजर आए तो वो भी चला जाएगा। कांग्रेस के लिए बहुत ज्यादा वोट बेस बचा नहीं है। हम पूरी तरह से कन्फ्यूज हैं। अखबार के मुताबिक, कांग्रेस का एक बड़ा वर्ग पार्टी की स्टेट यूनिट के कामकाज से भी नाखुश है। एक नेता बताते हैं, कोई भी यहां पहल नहीं कर रहा है, क्योंकि छोटे से कार्यक्रम के लिए भी आपको दिल्ली से इजाजत लेनी पड़ती है। महाराष्ट्र पार्टी नेतृत्व इस बात को लेकर ठोस कदम नहीं उठा पा रही है कि हमें हिंदी विरोधी रुख रखना चाहिए या नहीं। ऐसे में वो बीच में अटके हैं।

उन्होंने कहा, यह मराठी मुद्दा नहीं है, बल्कि हिंदी थोपे जाने का मुद्दा है। अगर पहली क्लास से हिंदी थोपी जाएगी, तो मराठी पर असर होगा। यह लॉजिक है।

डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे पर लगेंगे एआई वाले सीसीटीवी कैमरे

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे पर वाहनों की रफ्तार अब एआई से थामी जाएगी। फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस इस बाबत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से एआई युक्त सीसीटीवी कैमरे लगवाने की योजना बना रही है। एनएचएआई से जागरूकता संबंधित डिस्प्ले और सूचना पट्ट लगाने की मांग भी की गई है। औद्योगिक नगरी के नाम से मशहूर फरीदाबाद में करीब 16 लाख छोटे-बड़े वाहन हैं, जो गुरुग्राम के बाद पूरे प्रदेश में सबसे अधिक है। वाहनों के समुचित आवागमन के लिए शहर से दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे, डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे, केजीपी (कुंडली गाजियाबाद-पलवल) एक्सप्रेसवे के अलावा फरीदाबाद गुरुग्राम स्टेट हाईवे आदि गुजर रहे हैं।खास बात है कि डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे पर 12 नवंबर-2024 से वाहन चल रहे हैं। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली से बल्लभगढ़, पलवल, आगरा, राजस्थान आदि क्षेत्रों में जाने वाले लोग दिल्ली के कालिंदी कुंज होते हुए

एक्सप्रेसवे से आसानी से अपने गंतव्य की ओर जाते हैं। इसी तरह फरीदाबाद-पलवल के वाहन चालक भी आसानी से सेक्टर-64 से चढ़कर आसानी से नोएडा-दिल्ली पहुंच रहे हैं। ऐसे में इस मार्ग पर वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। लिहाजा मार्ग पर निर्धारित गति से अधिक रफ्तार में वाहनों का दौड़ना जारी है। इससे अक्सर हादसे भी हो रहे हैं। ऐसे में पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि एक्सप्रेसवे पर वाहनों की रफ्तार जांचने के लिए आधुनिक व्यवस्था की जाएगी। जगह-जगह इंटरसेप्टर मशीन से रफ्तार जांचने के अलावा सीसीटीवी कैमरे से भी नजर रखी जाएगी। लिहाजा एक्सप्रेसवे के कार्य कार्य पूरा होने पर स्पीड मापने वाली एआई से लैस सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की जाएगी। जानकारों का मानना है कि एआई युक्त सीसीटीवी कैमरे से एक्सप्रेसवे पर सक्रिय बदमाशों को भी काबू करने में आसानी होगी। पुलिस सक्रिय बदमाशों की आसानी से पहचान कर सकेगी। इसके अलाववा यातायात नियमों को तोड़ने वाले वाहनों के फोटो को कैमरे से आसानी से कैप्चर किया जा सकता है।

सीबीआई चीफ की नियुक्ति में सीजेआई क्यों देते हैं राय?: जगदीप धनखड़

कोच्चि, एजेंसी।
भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सीबीआई निदेशक की नियुक्ति में सीजेआई की भूमिका पर आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने सवाल उठाए हैं कि क्या ऐसा दुनिया में कहीं और हो रहा है? इसके अलावा उन्होंने जज के घर से नकदी मिलने पर भी खुलकर बात की। उपराष्ट्रपति ने कहा है कि हर अपराध की जांच होनी चाहिए। साथ ही कहा कि अगर पैसा मिला है, तो उसके स्त्रोत का भी पता लगाया जाना चाहिए।

सोमवार को उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, मैं इस बात से पूरी तरह हैरान हूं कि सीबीआई निदेशक जैसे कार्यपालिका के पदाधिकारी की नियुक्ति में भारत के मुख्य न्यायाधीश की भी भागीदारी होती है। कार्यपालिका की नियुक्ति कार्यपालिका के अलावा किसी और की तरफ से क्यों होनी चाहिए? क्या ऐसा संविधान के तहत होता है? क्या ऐसा दुनिया में कहीं और हो रहा है? दरअसल,डीएसपीई एक्ट के तहत सीबीआई निदेशक की

नियुक्ति एक हाई पावर कमेटी करती है, जिसके सदस्य प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, भारत के मुख्य न्यायाधीश या उनकी तरफ से नॉमिनेट किया हुआ कोई जज शामिल होते हैं। कोच्चि में कानूनी की पढ़ाई कर रहे छात्रों से बातचीत में उन्होंने न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका को अलग करने वाली सीमा कमजोर होने पर चिंता जाहिर की। नखड़ ने सोमवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई दिल्ली में एक न्यायाधीश के आधिकारिक आवास से भारी मात्रा में नकदी मिलने के मामले की आपराधिक जांच शुरू की जाएगी। धनखड़ ने इस घटना की तुलना शेक्सपीयर के नाटक जूलियस सीजर के एक संदर्भ इडस ऑफ मार्च से की, जिसे आने वाले संकट का प्रतीक माना जाता है। रोमन कलैंडर में इडस का अर्थ होता है, किसी महीने की बीच की तारीख। मार्च, मई, जुलाई और अक्टूबर में इडस 15 तारीख को पड़ता है। उपराष्ट्रपति ने इस घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि अब मुद्दा यह है कि यदि नकदी बरामद हुई थी तो शासन व्यवस्था को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए थी और पहली प्रक्रिया यह होनी चाहिए थी कि इससे आपराधिक कृत्य के रूप में निपटा जाता।

80 किमी कांवड़ यात्रा रूट को 123 बीट में बांटा, गाजियाबाद में पहली बार होगा ऐसा तगड़ा इंतजाम

गाजियाबाद , एजेंसी।
गाजियाबाद में इस बार कांवड़ियों की सुरक्षा बेहद टाइट और चाक-चौबंद नजर आएगी। कांवड़ियों की सुरक्षा के मद्देनजर गाजियाबाद कमिश्नरेट में पहली बार बीट प्रणाली को कांवड़ यात्रा में भी लागू किया गया है। इसके तहत पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर कांवड़ा यात्रा के 80 किलोमीटर लंबे रूट को 123 बीट में बांटा गया है।

कांवड़ियों की संभावित संख्या के हिसाब से 800 मीटर से लेकर एक हजार मीटर दायरे में एक बीट बनाई गई है। पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड ने बताया कि आगामी 11 जुलाई से शुरू हो रहे सावन माह के दौरान कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। एक तरफ जहां थाना पुलिस और अधिकारी कांवड़ियों की सुरक्षा में तैनात किए गए हैं। वहीं, इस साल कांवड़ मार्ग पर पहली बार बीट पुलिसिंग प्रणाली को लागू किया गया है। कांवड़ियों की सुरक्षा में कोई चूक न हो, इसके लिए पहली बार नई प्रणाली को लागू किया गया है।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि मोदीनगर की कादराबाद पुलिस चौकी से शुरू होकर दिल्ली व अन्य जनपदों के विभिन्न बॉर्डर तक करीब 80

किलोमीटर का कांवड़ मार्ग गाजियाबाद कमिश्नरेट की सीमा से होकर गुजरता है। ऐसे में न सिर्फ कांवड़ियों की पुख्ता सुरक्षा का ध्यान रखा गया है, बल्कि सुविधाओं का भी पुलिस ध्यान रखेगी। लंबे कांवड़ मार्ग की 800 मीटर से एक हजार मीटर की दूरी को एक बीट का रूप दिया गया है। इस तरह कांवड़ मार्ग पर कुल 123 बीट बनाई गई हैं। इनमें पुलिस ऑफिसरों की टीमें चौबीसों घंटे तैनात रहेंगी। एक बीट में दो दरोगा और चार कॉन्स्टेबल या हेड कॉन्स्टेबल तैनात किए जाएंगे, जो अपनी बीट में सुरक्षा व्यवस्था के चलते निरंतर पेट्रोलिंग पर रहेंगे। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि बीट में तैनात पुलिसकर्मियों का काम न सिर्फ कांवड़ियों को सुरक्षा प्रदान करना होगा, बल्कि सड़क, सुरक्षा, बिजली, पेयजल आपूर्ति, मेडिकल सुविधा और अन्य सुविधाओं का ध्यान रखना होगा। किसी भी विभाग से जुड़ी कोई समस्या या लापरवाही के बारे में पुलिसकर्मी उच्चाधिकारियों को अवगत कराएंगे। अधिकारी संबंधित विभाग से समनव्य स्थापित पर उस समस्या को दूर कराएंगे। कमिश्नर ने बताया कि मेरठ तिराहे पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। सभी पुलिस अधिकारी सीधे तौर पर कंट्रोल रूम से जोड़े गए हैं। कंट्रोल रूम में आने वाली सूचनाओं पर कार्रवाई के लिए संबंधित बीट पुलिस अधिकारी को फोन जाएगा। कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही सबसे पहले बीपीओ पहुंचेंगे और कांवड़ियों की समस्या का समाधान करेंगे। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि कांवड़ियों की सुरक्षा में चौकी और थाने की फोर्स के अलावा पीआरवी, पीसीआर तैनात रहेंगी। पुलिसकर्मी लगातार घूमते रहेंगे। वहीं, दूसरी ओर कांवड़ियों के लिए शहर केसरिया रंग में रंग गया है। मुख्य मार्गों के साथ बाजारों में बोल बम और हर महादेव लिखे कपड़ों की दुकानें सज गई हैं। नगर निगम ने कांवड़ यात्रा की तैयारी शुरू कर दी है। मेरठ रोड पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम सोमवार से आरंभ हो गया। कैमरों को कंट्रोल रूम से जोड़कर नजर रखी जाएगी। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि कांवड़ यात्रा के लिए निगम ने अपर नगर आयुक्त को नोडल अधिकारी बनाया है। वह टीम के साथ तैयारी का जायजा लेंगे। मेरठ रोड पर कंट्रोल रूम शुरू हो गया है। मेरठ रोड और अन्य स्थानों पर कैमरे लगाने का काम शुरू हो गया। दूधेश्वरनाथ मंदिर पर भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। हरिद्वार से जल लेकर कांवडियों के मोदीनगर से निकलने का सिलसिला शुरू हो गया है। सोमवार को ग्रेटर नोएडा और दिल्ली के कांवडिएं जल लेकर अपने गंतत्व की तरफ से बढ़ते नजर आए।

भाजपा की हमेशा से फूट डालो और राज करो की नीति रही है: उद्धव ठाकरे

मुंबई , एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी सांसद निशिकांत दुबे पर निशाना साधा। उन्होंने विवादित टिप्पणी को लेकर दुबे को लकड़बग्घा करार दिया। ठाकरे ने आरोप लगाया कि दुबे लोगों को बांटकर आपसी सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

उद्धव ने भाजपा पर फूट डालो और राज करो की नीति के जरिये राजनीतिक लाभ हासिल करने का प्रयास करने का आरोप लगाया और कहा कि वह किसी भी भाषा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन बलपूर्वक इसे थोपे जाने का विरोध करेंगे। उन्होंने विधान भवन में संवाददाताओं से कहा, भाजपा की हमेशा से फूट डालो और राज करो की नीति रही है। राजनीति की यह शैली अब अपनी प्रासंगिकता खो रही है। मैं समझ सकता हूं कि शनिवार को मुंबई में हमारी रैली की सफलता से उनकी पार्टी बेचैन है या नहीं।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) द्वारा मराठी न बोलने पर एक दुकानदार की पिटाई करने पर मचे आक्रोश के बीच दुबे ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे और उनके चचेरे भाई उद्धव पर निशाना साधते हुए कथित तौर पर कहा था, पटक पटक के मारेंगे। उनके इस बयान के बाद विवाद खड़ा हो गया।

गोड्डा के सांसद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हिंदी भाषी लोगों को मुंबई में मारने वाले यदि हिम्मत है तो महाराष्ट्र में उर्दू भाषियों को मार कर दिखाओ। अपने घर में तो कुत्ता भी शेर होता है? कौन कुत्ता कौन शेर खुद ही फैसला कर लो।

उद्धव ने मराठी लोगों को निशाना बनाने वाली दुबे की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ऐसे 'लकड़बग्घे' राज्य में शांति और सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उनका (भाजपा नेताओं का) एकमात्र काम लोगों को भड़काना है। हम किसी भाषा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हम किसी भी भाषा को थोपने के लिए बल प्रयोग का विरोध करते हैं।

भाषा विवाद के बीच आरएसएस का बड़ा बयान- मातृभाषा में ही होनी चाहिए शुरुआती शिक्षा

नागपुर, एजेंसी।
देश में चल रहे भाषा विवाद के बीच आरएसएस का बड़ा बयान सामने आया है। दिल्ली में तीन दिन की भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा, भारत की सभी भाषाएं राष्ट्र भाषाएं हैं, और संघ का मानना है कि प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में होनी चाहिए। महाराष्ट्र और तमिलनाडु में हिंदी को लेकर चल रहे विवाद के बीच आरएसएस के इस बयान को अहम माना जा रहा है। नई शिक्षा नीति के तहत भारत सरकार ने हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शामिल करने की बात कही थी। महाराष्ट्र सरकार ने इसको लेकर आदेश भी जारी कर दिया था। हालांकि विवाद के बाद फडणवीस की सरकार ने अपने दोनों आदेश वापस ले लिए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने सोमवार को कहा कि उनके कार्यकर्ता हिंसाग्रस्त मणिपुर में लोगों के साथ मिल कर शांति के लिए काम कर रहे और अब स्थिति सुधर रही है। संगठन का कहना है कि वहां हालात सामान्य होने में अभी कुछ समय लगेगा। आएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने यहां कहा, मणिपुर में हालात सामान्य करने के लिए हमारे कार्यकर्ता वहां लोगों के साथ काम कर रहे हैं, लोगों से लगातार संवाद कर रहे हैं। वे कुक्की और मैतेई समुदाय सहित समाज के सभी वर्गों के साथ संपर्क में हैं और उन्होंने (वहां की स्थिति के बारे में) जो जानकारी दी है, वह अच्छी है। आंबेकर राजधानी में तीन दिनों तक चल प्रांत प्रचार प्रमुखों की बैठक के अंत में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि संघ एक सामाजिक संगठन है जो देश की प्रगति और समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए काम करता है। उन्होंने बताया कि प्रांत प्रचारकों की बैठक में तीन प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुयी है जिसमें मणिपुर की स्थित का विषय भी था। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने पहलगाम हमले बाद आंतकवादियों के

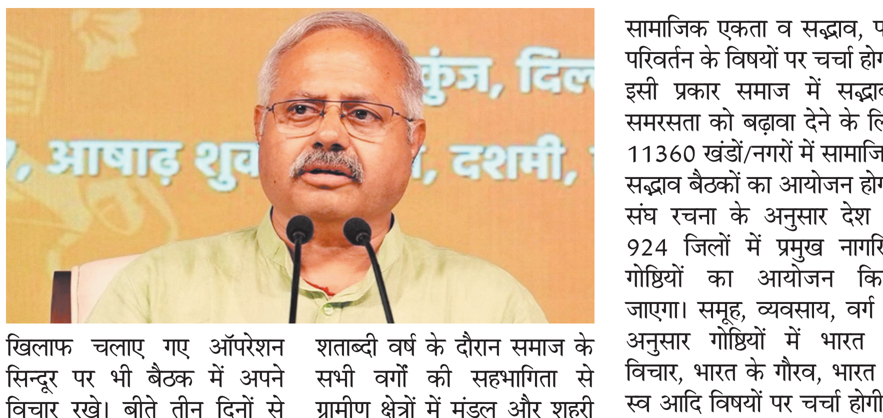

खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिन्दूर पर भी बैठक में अपने विचार रखे। बीते तीन दिनों से दिल्ली के केशवकुंज में आरएसएस की प्रांत प्रचारक बैठक चल रही थी।

सुनील आंबेकर ने बताया कि प्रांत प्रचारक बैठक में शताब्दी वर्ष की योजना को लेकर चर्चा हुई। शताब्दी वर्ष के दौरान समाज के सभी वर्गों की सहभागिता से ग्रामीण क्षेत्रों में मंडल और शहरी क्षेत्रों में बस्ती स्तर पर हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। वर्तमान में देश में संघ रचना से 58964 मंडल, 44055 बस्तियां हैं। हिन्दू सम्मेलनों में समाज के उत्सवों, सामाजिक एकता व सद्भाव, पंच परिवर्तन के विषयों पर चर्चा होगी। इसी प्रकार समाज में सद्भाव-समरसता को बढ़ावा देने के लिए 11360 खंडों/नगरों में सामाजिक सद्भाव बैठकों का आयोजन होगा। संघ रचना के अनुसार देश के 924 जिलों में प्रमुख नागरिक गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। समूह, व्यवसाय, वर्ग के अनुसार गोष्ठियों में भारत के विचार, भारत के गौरव, भारत के स्व आदि विषयों पर चर्चा होगी।

उन्होंने कहा कि वृहद गृह संपर्क अभियान के तहत हर गांव, हर बस्ती के अधिकतम घरों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। शताब्दी वर्ष के सारे कार्यक्रमों का उद्देश्य व्यापक आउटरीच है।

गुरुग्राम में घोंटा पत्नी का गला; खुद ही थाने पहुंचा पति, बोला- मैंने उसे मार डाला

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम के राजेंद्र पार्क इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। फिर खुद ही थाने पहुंचकर पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया और बोला कि मैंने उसे मार डाला। पुलिस भी तब हैरान रह गई जब आरोपी ने थाने में पहुंच कर सरेंडर किया और हत्या की बात को कबूला। यह सनसनीखेज मामला राजेंद्र पार्क के बी ब्लॉक का है, जहां 33 वर्षीय केतन अपनी पत्नी 31 वर्षीय ज्योति और दो मासूम बेटियों के साथ रहता था। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि इस जघन्य अपराध की वजह एक छोटी सी घरेलू कलह थी जो एक थप्पड़ से शुरू हुई और मौत पर खत्म हुई। बताया जा रहा है कि शनिवार रात लौटने के बाद केतन और ज्योति के बीच झगड़ा हुआ था। रविवार शाम को फिर विवाद बढ़ा। पुलिस पूछताछ में केतन ने बताया कि ज्योति ने अपनी बेटी को थप्पड़ मारा था, जिससे नाराज होकर केतन ने ज्योति को थप्पड़ जड़ दिया। इसके जवाब में ज्योति ने केतन को थप्पड़ मार दिया और इसी बात से आग बबूला होकर केतन ने ज्योति का कपड़े से गला दबा कर हत्या कर दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, केतन और ज्योति की मुलाकात दिल्ली में हुई थी, जहां ज्योति एक कंपनी में काम करती थी। छह साल पहले दोनों ने लव मैरिज की थी। केतन नोएडा के जेवर एयरपोर्ट पर कार्गो कंपनी में काम करता है।

यूथ वनडे- इंग्लैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया

वैभव सूर्यवंशी 33 रन ही बना सके; सीरीज 3-2 से भारत ने जीती

वॉर्सेस्ट (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम इंग्लैंड के खिलाफ यूथ वनडे सीरीज का 5वां मैच 7 विकेट से हार गई है। हालांकि, इस हार के बावजूद टीम इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज 3-2 से अपने नाम कर ली है।सोमवार को भारत ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 210 रन बनाए। 211 रन का टारगेट इंग्लैंड ने 113 बॉल शेष रहते हुए आसानी से हासिल कर लिया।

भारत की खराब शुरुआत, कप्तान आयुष एक रन ही बना सके - भारत की शुरुआत खराब रही। टीम ने 9 रन के स्कोर पर कप्तान आयुष म्हात्रे (1 रन) और विहान मल्होत्रा (1 रन) के विकेट गंवा दिए। वैभव सूर्यवंशी (42 गेंदों में 33 रन) भी ज्यादा देर तक टिक नहीं सके। वैभव ने राहुल कुमार (21) के साथ मिलकर 51 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर पारी को संभाला।

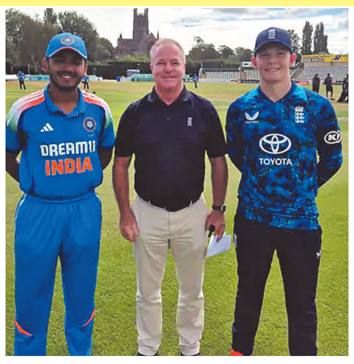

यह साझेदारी खतरनाक होती उससे पहले ही सूर्यवंशी तीन चौके और दो छक्के लगाने के बाद सेबस्टियन मॉर्गन की गेंद पर एलेक्स ग्रीन को कैच देकर आउट हो गए। राहुल कुमार भी ज्यादा देर टिक नहीं पाए और ग्रीन की गेंद पर बीजे डॉकिन्स को कैच थमा बैठे। विकेटकीपर हरवंश पंगालिया (24 रन), कनिष्क चौहान (24 रन) और दीपेश देवेंद्रन शून्य के स्कोर पर आउट हुए।

बेन मेयर ने नाबाद 82 रन बनाए

इंग्लैंड ने बेन मेयस के नाबाद 82 रन, बीजे डॉकिन्स के 66 रन और कप्तान थॉमस रेव के 37 गेंदों में नाबाद 49 रनों की मदद से लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। मेयस ने अपनी 76 गेंदों की पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया, जबकि डॉकिन्स ने अपनी 53 गेंदों की पारी में नौ चौके और तीन छक्के जड़े। भारत के लिए लेग-स्पिनर नमन पुष्पक ने 65 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि दीपेश देवेंद्रन ने अपने सात ओवरों में 34 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

भारतीय तेज गेंदबाज यश दयाल पर लगे गंभीर आरोप, दर्ज हुआ यौन शोषण का मामला

गाजियाबाद (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और उत्तर प्रदेश के तेज गेंदबाज यश दयाल पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 के तहत यौन शोषण, शारीरिक हिंसा, मानसिक उत्पीड़न और

शादी का झूठा वादा कर धोखाधड़ी करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के इंदिरापुरम पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। गाजियाबाद की एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में दयाल के साथ उसके पांच साल के रिश्ते का जिक्र है। उसके अनुसार क्रिकेटर ने उसे गुमराह करके यह विश्वास दिलाया कि वह उनसे शादी करेंगे और यहां तक कि उसे अपने परिवार से भी मिलवाया, जिन्होंने कथित तौर पर उसे अपनी 'बहू' के रूप में स्वीकार कर लिया। उसका दावा है कि इस कृत्य ने उसके विश्वास को और गहरा कर दिया और वह भावनात्मक रूप से कमजोर हो गई। एफआईआर में लिखा है, 'पिछले पांच सालों से शिकायतकर्ता क्रिकेटर के साथ रिलेशनशिप में थी। उसने शादी का झूठा वादा करके उसका भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक शोषण किया। धोखे का एहसास होने पर उसने विरोध किया, जिसके बाद उसे शारीरिक हिंसा और मानसिक शोषण का सामना करना पड़ा।

आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में

नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर दीप्ति शर्मा

दुबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और इस तरह से अपने करियर में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर खड़ी हैं। दीप्ति पिछले छह वर्षों में अधिकतर समय टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में रही हैं, लेकिन लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद वह कभी नंबर एक गेंदबाज नहीं बन पाई।

टी20 अंतराष्ट्रीय रैंकिंग के नए अपडेट में दीप्ति को एक स्थान का फायदा हुआ है और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। दाएं हाथ की यह गेंदबाज अब रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद पाकिस्तान की सादिया इकबाल से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे है। दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के तीसरे मैच में तीन विकेट लेने के बाद अपनी नवीनतम रैंकिंग में सुधार किया है और यह ऑफ स्पिनर अंतिम दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी पाकिस्तानी प्रतिद्वंद्वी से शीर्ष स्थान हासिल कर सकती है।

भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के हालिया मैच में तीन विकेट लेने के बाद 11 स्थान की छलांग लगाकर टी20 गेंदबाजों की सूची में 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। बल्लेबाजों में जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गईं। उन्होंने ब्रिस्टल में श्रृंखला के दूसरे मैच में अर्धशतक जमाया था।

जोकोविच 16वीं बार विम्बलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ऑस्ट्रेलिया के मिनॉर को हराया, भारत के युकी-गैलोवे की जोड़ी मेंस डबल्स से बाहर

सर्बिया (एजेंसी)। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच विम्बलडन-2025 के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने सोमवार रात को राउंड ऑफ 16 मैच में ऑस्ट्रेलिया के 11वीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनॉर को 1-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। 38 साल के जोकोविच ने 16वीं बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। अब उनका मुकाबला इटैलियन स्टार फ्लावियो कोबोली से होगा। जोकोविच के अलावा, अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज, रूस के कारेन खचानोव, ब्रिटेन के कैमरून नोरी और स्पेन के कार्लोस अल्काराज भी टॉप-8 में पहुंच गए हैं। विमेंस कैटेगरी में वर्ल्ड नंबर-1 एरिना सबालेंका, जर्मनी की लौरा सीजमंद, अमेरिका की अमांडा एनिसीमोव, स्विटजरलैंड की बेलिंडा बेनसिच, रूस की लुडमिला सैमसोनोवा भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। साथ ही भारत के युकी भांबरी को उनके अमेरिकी जोड़ीदार रॉबर्ट गैलोवे के साथ मेंस डबल्स कैटेगरी में स्पेन के मार्सेल ग्रानोलर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबालोस के खिलाफ कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

टेलर फ्रिट्ज को वॉकओवर मिला

मेंस सिंगल्स के में वर्ल्ड नंबर-5 अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को ऑस्ट्रेलिया को जॉर्डन थॉम्पसन के खिलाफ वॉकओवर मिल गया। वॉकओवर के वक्त फिट्ज 6-1, 3-0 से आगे थे। वहीं दूसरे मुकाबले में रूस के कैरेन खाचनोव ने पोलैंड के कामिल माजरेक को 6-4, 6-2, 6-3 से हरा दिया। ब्रिटेन के कैमरून नोरी ने चिली के निकोलस जैरी 6-3, 7-6, 6-7, 6-7, 6-3 से और स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने आंद्रे रुबलेव को 6-7, 6-3, 6-4, 6-4 से हराते हुए टॉप-8 में प्रवेश किया।

सबालेंका ने मर्टेंस को सीधे सेट में हराया

वर्ल्ड नंबर-1 बेलारूस की एरिना सबालेंका ने मर्टेंस को 6-4, 7-6(7-4) के अंतर से हरा दिया। जर्मनी की लौरा सीजमंद ने अर्जेंटीना की सोलाना सिएरा को 6-3, 6-2 से हराया। अमेरिका की अमांडा एनिसीमोव ने चेक रिपब्लिक की लिंडा नोस्कोवा को 6-2, 5-7, 6-4 से हराया। स्विटजरलैंड की बेलिंडा बेनसिच ने एकटरीना एलेक्जेंड्रोवा को 7-6, 6-4 से और रूस की लुडमिला सैमसोनोवा ने स्पेन की जेसिका बूजास मानेरो को 7-5, 7-5 से हराया।

मेंस डबल्स में भारत के यूकी भांबरी हारे

भारत के युकी और गैलोवे की 16वीं वरीय जोड़ी ने चौथी वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी टक्कर दी, लेकिन नतीजा पक्ष में नहीं रहा। इस जोड़ी को दो घंटे नौ मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-7(10) से हार मिली। युकी के बाहर होने के साथ विम्बलडन में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। इससे पहले, अर्जेंटीना के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मैट पाविच ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दोनों की नंबर-1 जोड़ी ने चेक रिपब्लिक के पैट्रिक रिकल और पीटर नौजा की जोड़ी को 7-5, 7-6(15-13) के अंतर से हराया। वर्ल्ड नंबर-3 जर्मनी के टिम पुटज और केविन क्राविट्ज की जोड़ी को भी उलटफेर का शिकार होना पड़ा। दोनों को ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजीकाता और नीदरलैंड के डेविड पेल की जोड़ी ने 6-2, 6-4 से हरा दिया।

जोफ्रा आर्चर खिलाना ही होगा, यह बहुत महत्वपूर्ण मैच है

लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट से पहले बोले एंडरसन

लंदन (यूके), एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा कि इंग्लैंड को भारत के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के आगामी तीसरे टेस्ट में अनुभवी खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर को खिलाना चाहिए, जो गुरुवार 10 जुलाई से प्रतिष्ठित लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जाएगा। आर्चर ने चार साल से अधिक समय से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन हाल ही में बर्मिंघम में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल होने से पहले ससेक्स के लिए प्रथम श्रेणी स्तर पर लाल गेंद से वापसी की।

इंग्लैंड को एजबेस्टन में भारत के खिलाफ 336 रनों से हार का सामना करना पड़ा जिससे पांच मैचों की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला 1-1 से बराबर हो गई है। एंडरसन का मानना है कि आर्चर को गुरुवार को लॉर्ड्स में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में खेलना चाहिए। एंडरसन ने आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से कहा, आप उनके ओवरों को बढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं और उन्हें श्रृंखला में बाद में खिला सकते हैं, लेकिन तब तक बहुत देर हो सकती है। मुझे लगता है कि वह खेलेंगे। उन्होंने ससेक्स के लिए एक मैच खेला; वह एजबेस्टन में टीम के साथ थे और थोड़ी गेंदबाजी भी की। मुझे लगता है कि आपको उन्हें खिलाना ही होगा। यह बहुत महत्वपूर्ण मैच है।

इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम आर्चर की वापसी की गारंटी देने से चूक गए, लेकिन उन्होंने कहा कि दाएं हाथ का यह लंबा गेंदबाज फिट है और चयन के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा, %जोफ्रा फिट दिख रहे हैं, वे मजबूत दिख रहे हैं, वे खेलने के लिए तैयार दिख रहे हैं और वे सभी की नजर में आएंगे। यह बेहद रोमांचक है। वे भी उत्साहित हैं। वे अपनी चोटों और टेस्ट क्रिकेट से बाहर रहने के दौर से गुजरे हैं। हम सभी जानते हैं कि वे टेस्ट क्रिकेट में क्या हासिल कर सकते हैं और हमें उम्मीद है कि जब उन्हें मौका मिलेगा, तो वे अपनी पुरानी उपलब्धियों को फिर से हासिल कर पाएंगे और खेल के उस रूप में जो उन्होंने पहले से किया है, उसमें सुधार भी कर पाएंगे।

आर्चर का संभावित समावेश ही एकमात्र बदलाव नहीं है जिस पर इंग्लैंड लॉर्ड्स टेस्ट के लिए अपने लाइन-अप पर विचार कर रहा है, साथी तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और बैक-अप बल्लेबाज जैकब बेथेल भी क्रिकेट के घर में होने वाले इस महत्वपूर्ण मुकाबले की दौड़ में हैं। बेथेल ने अपने नाम केवल तीन टेस्ट मैच किए हैं, जिसमें उनका सबसे हालिया मैच पिछले साल के अंत में न्यूजीलैंड के खिलाफ था, जबकि एटकिंसन ने मई में नॉटिंघम में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है।

बेथेल के शामिल होने से इंग्लैंड को एक और मौका मिलेगा। एक और स्पिन विकल्प के साथ मैकुलम ने कहा कि वह पहली पसंद के स्पिनर शोएब बशीर की जगह इंद्ध में नहीं लेंगे। मैकुलम ने बेथेल के बारे में कहा, वह एक बल्लेबाजी विकल्प है। अगर कुछ होता है तो वह अगला खिलाड़ी है। वह अपनी गेंदबाजी में सुधार करना चाहता है ताकि वह स्पष्ट रूप से बल्ले और गेंद दोनों से खेल को प्रभावित कर सके। यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे हम सामरिक दृष्टिकोण से करने पर विचार करेंगे।

तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, सैम कुक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

कोहली बोले- वर्ल्डकप जैसे दबाव में खेलते हैं टेनिस खिलाड़ी

प्लेयर्स की मानसिक मजबूती काबिल-ए-तारीफ, जोकोविच का मैच देखने गए थे

लंदन (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने टेनिस खिलाड़ियों की मानसिक ताकत की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि टेनिस खिलाड़ी जिस

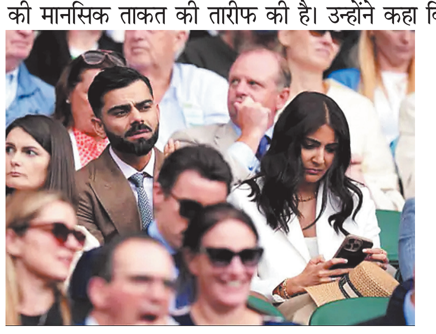

तरह हर हफ्ते दबाव में खेलते हैं, वह भारत के वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले या नॉकआउट मैचों के दबाव जैसा होता है। विंबलडन देखने लंदन पहुंचे कोहली अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ थे और उन्होंने पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज से बातचीत में ये बातें कहीं।

टेनिस प्लेयर में दबाव अच्छे से हैंडल करते हैं -विराट कोहली ने मैच के बाद इंटरव्यू में कहा, जब हम वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हैं या सेमीफाइनल-फाइनल जैसे बड़े मैच होते हैं, तो पैरों में कांप महसूस होती है। लेकिन टेनिस खिलाड़ी शायद क्वार्टरफाइनल से लेकर फाइनल तक हर मैच में ऐसा दबाव झेलते हैं।

क्रिकेट और टेनिस में अंतर

कोहली ने बताया कि क्रिकेट और टेनिस दोनों के अपने-अपने चैलेंज होते हैं। क्रिकेट में कभी-कभी बहुत देर तक इंतजार करना पड़ता है कि आपकी बल्लेबाजी कब आएगी। वहीं टेनिस में आपको पता होता है कि किस समय मैच है और कब कोर्ट में उतरना है। उन्होंने कहा कि टेनिस में खिलाड़ी के पास वापसी का मौका होता है, लेकिन क्रिकेट में एक गलती पूरे मैच से बाहर कर सकती है।

नोवाक जोकोविच को लेकर उम्मीद

कोहली ने कहा कि वो नोवाक जोकोविच के संपर्क में रहते हैं और चाहते हैं कि वह इस बार विंबलडन जीतकर 25वां ग्रैंड स्लैम हासिल करें। उन्होंने कहा, मेरा सपना है कि फाइनल में जोकोविच और कार्लोस अल्काराज आमने-सामने हों और जोकोविच खिताब जीतें। वो इसे डिजर्व करते हैं और तद्दज्ञ (ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) बहस में सबसे ऊपर हैं।

वोक्स का सर्वश्रेष्ठ बीत चुका है, क्रॉली में सीखने की क्षमता नहीं, दूसरे टेस्ट में हार के बाद भड़के पूर्व कप्तान

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ज्योफ्री बॉयकॉट ने क्रिस वोक्स और जैक क्रॉली की भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के पहले दो मैच में खराब प्रदर्शन के लिए कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ समय भी चुका है जबकि सलामी बल्लेबाज में अपनी गलतियों से सीखने की क्षमता नहीं है। वोक्स ने अभी तक 59 टेस्ट मैच खेले हैं और वह इंग्लैंड के आक्रमण में सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। इस तेज गेंदबाज ने दो मैचों में 82 ओवर फेंके और 290 रन देकर केवल तीन विकेट लिए। उन्होंने जिन तीन पारियों में बल्लेबाजी की, उनमें उन्होंने 50 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 38 रन है।

बॉयकॉट ने अपने कॉलम में लिखा, 'जब खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ समय बीत जाता है तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता और ऐसे खिलाड़ियों को टीम में रखने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। क्रिस वोक्स को देखिए। उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनकी गति कम होती जा रही है, जैसा कि आप उम्मीद कर सकते हैं। वह विदेश में कभी भी विकेट लेने वाले गेंदबाज नहीं रहे हैं, जहां उनका रिकॉर्ड खराब है। इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और जब बल्लेबाज विफल रहते हैं तो उनसे रन बनाने की उम्मीद की जाती है लेकिन उनका मुख्य कौशल गेंदबाजी है और उनका काम विकेट लेना है।

पृथ्वी शॉ महाराष्ट्र के साथ नई शुरूआत करेंगे, 2025-26 सत्र से पहले टीम से जुड़े

मुंबई । भारतीय बल्लेबाज और मुंबई के पूर्व खिलाड़ी पृथ्वी शॉ आगामी घरेलू सत्र के लिए महाराष्ट्र की टीम के साथ जुड़ गए। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने इसकी घोषणा की। शॉ ने किसी और राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए पिछले महीने मुंबई क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र की मांग की थी, जिस पर उसकी संचालन समिति ने मुहर लगा दी थी। शॉ को खराब फिटनेस और अनुशासन संबंधी मुद्दों के कारण मुंबई की लाल गेंद टीम से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने मुंबई के लिए अपना पिछला मैच मध्य प्रदेश के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और भारतीय टीम के शीर्ष क्रम के आक्रामक बल्लेबाज पृथ्वी शॉ आधिकारिक तौर पर मुंबई क्रिकेट संघ से अलग हो गए हैं ।

पिता और भाई की मौत से टूट गए थे आकाश दीप, बड़ी बहन के योगदान ने बनाया मैच विजेता क्रिकेटर

कोलकाता, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच के भारतीय नायक आकाश दीप के क्रिकेटर बनने में उनकी बहन अखंड ज्योति का बड़ा योगदान रहा है जो खुद अब कोलोन कैंसर के तीसरे चरण से जूझ रही हैं। आकाश दीप ने 2015 में छह महीने के अंतराल में अपने पिता रामजी सिंह और अपने सबसे बड़े भाई को खो दिया था तब उनके क्रिकेट करियर पर संकट छा गया था। निराशा के उस क्षण में अखंड ज्योति ने अपने सबसे छोटे भाई के सपने को पूरा करने के लिए लगातार प्रेरित किया। उस समय उनकी बहन ने कहा था, इसी फील्ड (क्षेत्र) में आगे बढ़े।

इस वाक्ये के कई साल के बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट लेकर भारत की ऐतिहासिक जीत की नींव रखी। इस तेज गेंदबाज ने अपने प्रदर्शन को मैच के बाद भावुक होकर अपनी बहन को समर्पित किया। आकाश दीप ने मैच की पहली पारी में 88 रन देकर चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 99 रन देकर छह विकेट लेकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उनके इस प्रदर्शन से भारत ने 336 रन की जीत के साथ पांच मैचों की श्रृंखला को 1-1 से बराबर किया।

आकाश दीप के इस प्रदर्शन के पीछे एक भावुक कहानी छिपी है। अखंड ज्योति 14 मई को कोलन कैंसर की सर्जरी करवाने के बाद अब कीमोथेरेपी पर हैं। ज्योति के पति नितेश कुमार सिंह सेना से रिटायर हैं और अब बैंक में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया, यह पूरे परिवार के लिए गर्व की बात है। पिता की मृत्यु के बाद आकाश दिल्ली में क्लब क्रिकेट खेल रहे थे लेकिन उन्हें वह सफलता नहीं मिल रही थी। यह ज्योति ही थीं जिन्होंने उनसे कहा, इसे गंभीरता से लो। अगर जरूरत पड़े तो कहीं और जाओ और इस सपने को पूरा करो।

उन्होंने कहा, वह 2017 में कोलकाता चले गए और फिर बंगाल अंडर-23 के लिए चुने गए। उन्होंने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। यहीं से उनकी जिंदगी शुरू हुई। परिवार ने आर्थिक तंगी के बावजूद कभी आकाश दीप

पर भरोसा करना कम नहीं किया। ज्योति आकाश दीप से 10 साल बड़ी है। पिता तथा भाई की मौत के बाद आकाश का अपनी बहन के साथ रिश्ता और भी गहरा हो गया। नितेश ने कहा, वे सब कुछ साझा करते हैं। बात चाहे कोई फैसला लेने की हो, चुटकुले हो या ताने मारना हो। वे हमेशा एक-दूसरे को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं।

कीमोथेरेपी के दौरान भी अखंड ज्योति ने सुनिश्चित किया कि उसका भाई खेल पर ध्यान केंद्रित रखे। इंग्लैंड दौरे से पहले परिवार आकाश को छोड़ने के लिए हवाई अड्डे गया जहां उसकी बहन ने उससे कहा कि वह उसके स्वास्थ्य के बारे में चिंता न करे और देश के लिए अच्छा खेलने पर ध्यान केंद्रित करे। उन्होंने बताया कि वह हर दिन अपने भाई से बात करती है। सिंह ने कहा, 'मैच खत्म होने के तुरंत बाद आकाश दीप का फोन आया और उन्होंने उससे वीडियो कॉल पर बात की। हम कल रात लगभग दो बजे सोए। नितेश ने कहा कि जब भी आकाश विकेट लेता है तो ज्योति को बहुत खुशी होती है और परिवार इतनी जोर से ताली बजाता है और खुशी मनाता है कि उनके पड़ोसी भी पूछते हैं कि क्या हुआ है।

आकाश दीप ने अपनी बहन के साथ अपने पैतृक गांव और जिले को भी खुशी मनाने का मौका दिया। उन्होंने अपने चचेरे भाई बैभव कुमार के साथ सासाराम में आकाश बैभव क्रिकेट अकादमी की स्थापना की। इस अकादमी में अभी 200 से अधिक खिलाड़ी प्रशिक्षण लेते है। बैभव ने कहा, इतने सारे संघर्षों को देखने के बाद आकाश हमेशा समाज को कुछ वापस देना चाहता था। हमारी अकादमी में सभी सुविधाएं (बॉलिंग मशीन, फ्लडलाइट्स, नेट) हैं। हम बहुत कम कीमत पर यह सुविधाएं मुहैया कराते है ताकि मध्यम और निम्न आय वाले परिवारों के बच्चों को भी अपने सपने को साकार करने का मौका मिले। उनके गांव बद्दी में मैच के बाद से जश्न जारी है। बैभव ने कहा, हम नाच रहे हैं, मिठाइयां बांट रहे हैं। यह यहां बहुत से लोगों को प्रेरित करेगा।